खास बात

प्रत्येक कड़कड़ाती बिजली नहीं गिरती, और गिरती भी है तो आवश्यक नहीं कि हम पर ही गिरे।

- कहावत

।। श्री हरिः ।।

नमामि देवी नर्मदे

अमृत दर्शन

RNI No. MPHIN /2004 /13927

वर्ष - 21 अंक - 243

नर्मदापुरम

सोमवार, 16 जून 2025

● पृष्ठ : 8 ● मूल्य : 1 रुपया

Website : www.amritdarshan.com

नर्मदापुरम का प्रथम हिन्दी दैनिक

पीएम मोदी साइप्रस पहुंचे, राष्ट्रपति निकोस ने एयरपोर्ट पर की अगवानी

नई दिल्ली ■ एजेंसी

प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी साइप्रस पहुंच गए हैं। साइप्रस के राष्ट्रपति निकोस क्रिस्टोडौलिडेस ने एयरपोर्ट पर रेड कार्पेट बिछाकर उनका स्वागत किया। राष्ट्रपति निकोस पीएम मोदी का हाथ पकड़कर साथ चले। इसके बाद मोदी साइप्रस के लिमासोल गए। होटल के बाहर भारतीय समुदाय से मुलाकात की। बच्चों को दुलार किया। साथ ही भारत माता की जय के नारे लगाए।

मोदी रविवार को 3 देशों की 4 दिन की यात्रा पर रवाना हुए। वे 15-16 जून को साइप्रस में रहेंगे। 16 और 17 को कनाडा में जी7 शिखर सम्मेलन में भाग लेंगे। इसके बाद मोदी 18 जून को क्रोएशिया जाएंगे। 19 को भारत लौट आएंगे। इस दौरान वे 27 हजार 745 किमी का सफर तय करेंगे। लिमासोल में होटल के बाहर पीएम मोदी से मुलाकात के बाद भारतीय समुदाय की महिला ने कहा, हम सभी उत्साहित हैं कि प्रधानमंत्री मोदी यहां आए हैं।

केदारनाथ से गुप्तकाशी जा रहा हेलिकॉप्टर दुर्घटनाग्रस्त, सात लोगों की दर्दनाक मौत

रुद्रप्रयाग ■ एजेंसी

केदारनाथ से गुप्तकाशी लौट रहा हेलिकॉप्टर गौरीकुंड के ऊपरी तरफ गौरी माई खर्क में दुर्घटनाग्रस्त हो गया। हादसे में 23 माह की बालिका सहित 7 लोगों की मौत हो गई। खराब मौसम को हेलिकॉप्टर दुर्घटना का कारण माना जा रहा है। एनडीआरएफ, एसडीआरएफ, डीडीआरएफ और पुलिस टीम ने मौके पर पहुंच कर शवों को बरामद किया।

खराब मौसम के कारण हुआ हादसा

रविवार सुबह 5.21 बजे केदारनाथ हेलिपैड से आर्यन हेली कंपनी के हेलिकॉप्टर ने छह यात्रियों के साथ गुप्तकाशी के लिए टेकऑफ किया था। करीब 4 मिनट बाद यह हेलिकॉप्टर गौरीकुंड के ठीक ऊपर गौर माई खर्क में खराब मौसम के कारण एक पेड़ से टकरा गया। हादसे में पायलट सहित हेलीकॉप्टर में सवार सभी छह यात्रियों की मौके पर मौत हो गई।

हादसे में मरने वालों में राजकुमार सुरेश जयसवाल (41) निवासी नंदीपेरा रोड सैन मंदिर महाराष्ट्र, श्रद्धा सुरेश जयसवाल (35), काशी (23 महीने) पुत्री राजकुमार सुरेश जयसवाल, विक्रम सिंह रावत (46) निवासी रांसी गांव पो. ऊखीमठ रुद्रप्रयाग, पायटल के. राजीव, राजस्थान, विनोद देवी (66), निवासी बिजनौर यूपी और तुष्टि सिंह (19) शामिल हैं।

एनडीआरएफ, एसडीआरएफ, डीडीआरएफ, पुलिस के जवान मौके पर पहुंच कर सभी शवों को बरामद किया गया। घटनास्थल पर हेलिकॉप्टर का मलबा पड़ा है, जो जला हुआ है।

डीजीसीए सख्त: दो हेलीकॉप्टर पायलटों के लाइसेंस 6 माह के लिए निलंबित

नई दिल्ली। केदारनाथ में आर्यन एविएशन का बेल 407 हेलीकॉप्टर दुर्घटनाग्रस्त होने के बाद डीजीसीए ने तत्काल सख्त निर्देश जारी किए हैं। हादसे की गंभीरता को देखते हुए चारधाम यात्रा में आर्यन एविएशन की सभी सेवाएं तत्काल प्रभाव से निलंबित कर दी गई हैं। इसके साथ ही दो अन्य हेलीकॉप्टर पायलटों के लाइसेंस छह माह के लिए निलंबित कर दिए गए हैं।

संक्षिप्त समाचार

सीएम आज जबलपुर से 1.27 करोड़ लाड़ली बहनों के खातों में अंतरित करेंगे 1551 करोड़ रुपये

भोपाल। मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव सोमवार को जबलपुर जिले के विधानसभा क्षेत्र बरगी के ग्राम बेलखेड़ा में आयोजित राज्य स्तरीय लाड़ली बहना एवं महिला सम्मेलन में मुख्यमंत्री लाड़ली बहना योजना, सामाजिक सुरक्षा पेंशन योजना, संबल योजना और सिलेंडर रिफिलिंग योजना में हितग्राहियों के खातों में जून माह की राशि अंतरित करेंगे। कार्यक्रम में मुख्यमंत्री विभिन्न विकास कार्यों का लोकार्पण और भूमि-पूजन भी करेंगे। जनसम्पर्क अधिकारी बिन्दु सुनील ने रविवार को जानकारी देते हुए बताया कि मुख्यमंत्री प्रदेश की 1.27 करोड़ लाड़ली बहनों के खातों में लाड़ली बहना योजना की जून माह की किस्त 1551 करोड़ 44 लाख रुपये अंतरित करेंगे। लाड़ली बहनों को मिलने वाली यह 25वीं किश्त है। योजना में प्रत्येक लाड़ली बहना को प्रत्येक माह 1250 रुपये की राशि उनके खातों में अंतरित की जाती है। लाड़ली बहना एवं महिला सम्मेलन में 56.68 लाख सामाजिक सुरक्षा पेंशन हितग्राहियों के खातों में 341 करोड़ रुपये की राशि, 27 लाख से अधिक बहनों को सिलेंडर रिफिलिंग की 39.14 करोड़ रुपये की राशि तथा मुख्यमंत्री जन कल्याण (संबल) योजना में 6821 श्रमिक परिवारों की 150 करोड़ की अनुग्रह राशि का भी सिंगल क्लिक से अंतरण करेंगे। कार्यक्रम में विभिन्न हितग्राही मूलक योजनाओं के लाभार्थियों को हितलाभ वितरण करने के साथ ही लगभग 22.44 करोड़ के विकास कार्यों का लोकार्पण और भूमि-पूजन भी करेंगे।

मुख्यमंत्री यादव आज उदयपुरा को देंगे 425 करोड़ की सौगात

भोपाल। मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव के नेतृत्व में मध्य प्रदेश सरकार जनस्वास्थ्य के क्षेत्र में निरंतर सुधार और विस्तार की दिशा में प्रतिबद्धता के साथ कार्य कर रही है। इसी क्रम में मुख्यमंत्री डॉ. यादव सोमवार, 16 जून को उदयपुरा रायसेन में प्रदेश के 375 स्वास्थ्य संस्थानों में 425 करोड़ रुपये लागत के विकास कार्यों का लोकार्पण एवं भूमिपूजन करेंगे। इसमें 267 विकास कार्यों का लोकार्पण एवं 108 कार्यों का भूमिपूजन करेंगे। उक्त के अलावा मुख्यमंत्री डॉ. यादव उदयपुरा विधानसभा क्षेत्र के 138 करोड़ रूपये से अधिक के विकास कार्यों का भूमिपूजन और लोकार्पण करेंगे। इनमें 89 करोड़ 36 लाख के विकास कार्यों का भूमि-पूजन एवं 49 करोड़ 6 लाख रूपये के विकास कार्यों का लोकार्पण शामिल है। रायसेन कलेक्टर अरूण कुमार विश्वकर्मा ने रविवार को बरेली में कार्यक्रम स्थल पर पहुंचकर तैयारियों का जायजा लिया और उपस्थित अधिकारियों को विस्तृत दिशा-निर्देश दिए। इस अवसर पर जिला पंचायत सीईओ अंजू पवन भदौरिया, पुलिस अधीक्षक पंकज पाण्डे, अतिरिक्त पुलिस अधीक्षक कमलेश कुमार, एसडीएम सहित अन्य अधिकारी उपस्थित रहे।

गोदावरी नदी में डूबने से 5 युवकों की मौत

बासर। तेलंगाना के निर्मल जिले के बासर तीर्थस्थल गोदावरी नदी के तट पर नहाने के दौरान पांच युवकों की मौत हो गई। सभी मृतक एक ही परिवार के हैं। गोदावरी नदी के तट पर स्थित सरस्वती माता का यह मंदिर काफी प्राचीन माना जाता है। बच्चों को शिक्षा प्रारंभ करने से पहले अक्षराभिषेक के लिए यहां पर लाया जाता है। मान्यता है कि बच्चे के जीवन के पहले अक्षर यहां लिखवाने से बच्चे का शैक्षिक जीवन सदैव सफल रहता है। इसी क्रम हैदराबाद से तीन परिवार के 18 सदस्य इस धार्मिक कार्यक्रम के लिए पहुंचे थे।

प्रयागराज में आकाशीय बिजली गिरने से 4 लोगों की मौत

प्रयागराज। बारा थाना क्षेत्र के सोनवर्षा गांव में रविवार को आकाशीय बिजली गिरने से 4 लोगों की मौत हो गई। सूचना पर पुलिस एवं प्रशासनिक अधिकारी मौके पर पहुंचे। पुलिस ने चारों शव कब्जे में लेकर विधिक कार्यवाही शुरू कर दी है। पुलिस उपायुक्त यमुनानगर विवेक चन्द्र यादव ने बताया कि बारा थाना क्षेत्र के सोनवर्षा गांव निवासी विरेन्द्र वनवासी (35), उसकी पत्नी पार्वती (32) और दो बेटियां राधा एवं करिश्मा एक झोपड़ी में सो रहे थे। देर रात अचानक मौसम बदला और आकाशीय बिजली गिरने से इन सभी लोगों की घटनास्थल पर ही मौत हो गई।

भारतीय जनता पार्टी के तीन दिवसीय प्रशिक्षण शिविर का दूसरा दिन

नेताओं के लिए अनुशासन, समन्वय और जनसंपर्क जरूरी : शिवप्रकाश

पचमढ़ी ■ एजेंसी

भारतीय जनता पार्टी के तीन दिवसीय प्रशिक्षण शिविर के दूसरे दिन रविवार को संगठन के वरिष्ठ नेताओं ने मंत्री, सांसद और विधायकों को अनुशासन, समन्वय और जनसंपर्क की बारीकियां सिखाईं। राष्ट्रीय सह संगठन महामंत्री शिवप्रकाश ने कहा कि संगठन एक जीवित शरीर की तरह होता है, जिसमें हर अंग का समन्वय जरूरी होता है। तभी संगठन अपने लक्ष्यों को पूरा कर सकता है। उन्होंने मंत्रियों से कहा कि वे विधायकों की बात को गंभीरता से लें। उन्होंने मंत्रियों से कहा कि वह भी उनके बीच से आए और और अंतर सिर्फ जिम्मेदारी का है। आपके पास ज्यादा जिम्मेदारी है। मंत्री और विधायकों के बीच समन्वय की कमी रही तो सरकार और संगठन दोनों के लिए मुश्किलें खड़ी हो जाती है। उन्होंने विधायकों से भी आग्रह किया कि वे कार्यकर्ताओं की बात सुनें और उन्हें सम्मान दें। शिवप्रकाश ने सलाह दी कि हर विधायक को कार्यकर्ता और मतदाताओं से संवाद बनाए रखना चाहिए। अगर कोई कॉल रिसीव नहीं कर पा रहे हैं तो समय निकालकर कॉल बैक करें, जरूरत पड़ी तो कार्यालय से भी संपर्क करवाएं। अगर समस्या हल नहीं हो सकती तो भी उन्हें समझाएं और भरोसे में लें।

केंद्रीय मंत्री ने अपने ऑफिस का दिया प्रजेंटेशन

केंद्रीय मंत्री सीआर पाटील ने कार्यकर्ताओं को मोबाइल शिष्टाचार और कार्यालय संचालन के तरीके बताए। उन्होंने बताया कि कैसे उनका कार्यालय 100 कर्मचारियों की टीम के साथ पारदर्शिता और समर्पण से काम करता है। उन्होंने कहा कि यदि रात को 11 बजे भी कोई कार्यकर्ता कॉल करता है तो उसे नजरअंदाज न करें, बल्कि यथासंभव जवाब दें, यही पार्टी के प्रति समर्पण को दर्शाता है।

सोशल मीडिया पर बताए सरकार की उपलब्धियां

भाजपा के राष्ट्रीय महासचिव विनोद तावड़े ने सोशल मीडिया सत्र में विधायकों और सांसदों से इसमें सक्रिय रहने की बात कही। सोशल मीडिया के विषय में उन्होंने कहा कि सरकार की योजनाओं को अधिक से अधिक लोगों तक डिजिटल प्लेटफॉर्म के माध्यम से पहुंचाएं और किसी भी नकारात्मक माहौल का जवाब तथ्यों के साथ दें। कहा कि सरकार की उपलब्धियों को सोशल मीडिया के माध्यम से जनता तक पहुंचाए। मध्य प्रदेश और छत्तीसगढ़ के क्षेत्रीय संगठन महामंत्री अजय जामवाल ने अनुसूचित जनजाति वर्ग को सामाजिक समरसता के जरिए जोड़ने की कोशिश पर जानकारी दी। अनुसूचित जनजाति की प्रभाव वाली 56 सीटों पर संगठन महामंत्री हितानन्द शर्मा ने प्रशिक्षण दिया। उन्होंने कहा कि आदिवासी वर्ग के लिए चलाई जा रही योजनाओं को प्रचारित करें।

रक्षा मंत्री समापन सत्र में होंगे शामिल

शिविर का समापन सोमवार को होगा, जिसमें प्रदेश प्रभारी महेंद्र सिंह और रक्षा मंत्री राजनाथ सिंह कार्यकर्ताओं को संबोधित करेंगे। आज रात सांस्कृतिक कार्यक्रम आयोजित किया जाएगा।

शिविर के दौरान एक अप्रत्याशित घटना भी हुई। ग्लेन व्यू होटल, पचमढ़ी में चल रहे प्रशिक्षण शिविर के पास 6 फीट लंबा सांप निकल आया। हालांकि समय पर सूचना मिलने पर वन विभाग की टीम मौके पर पहुंची और सांप को सुरक्षित रेस्क्यू कर लिया गया। अच्छी बात रही कि किसी को कोई नुकसान नहीं पहुंचा। होटल परिसर में कार्यकर्ताओं और अफसरों की उपस्थिति के चलते सावधानीपूर्वक स्थिति को संभाला गया।

मंत्री कैलाश विजयवर्गीय ने मीडिया से कहा कि भाजपा की कार्यपद्धति में यह प्रशिक्षण कोई नई बात नहीं है। इसमें सिर्फ हमारी विचारधारा से संबंधित चर्चा होती है। वहीं, विवादित बयान को लेकर चर्चा में रहे मंत्री विजय शाह भी पहुंचे, लेकिन मीडिया से बचते हुए सीधे होटल के भीतर चले गए।

योगी को बताया प्रदेश का सबसे सफल मुख्यमंत्री

भारत 2026 तक नक्सलवाद से पूरी तरह मुक्त होगा : शाह

मोदी सरकार ने आतंकवाद के खिलाफ कड़ा रूख अपनाया

लखनऊ ■ एजेंसी

केन्द्रीय गृह एवं सहकारिता मंत्री अमित शाह ने रविवार को कहा कि 11 राज्यों में फैला नक्सलवाद अब केवल तीन जिलों तक सीमित रह गया है और 31 मार्च 2026 तक भारत पूरी तरह नक्सलवाद मुक्त हो जाएगा। आतंकवाद के खिलाफ भी मोदी सरकार ने कड़ा रुख अपनाया है। पाकिस्तान के तीन आतंकी हमलों का प्रयास किया गया, लेकिन भारत ने हर बार मुंहतोड़ जवाब दिया और आतंकियों के ठिकानों को नष्ट किया। शाह ने ऑपरेशन सिंदूर का जिक्र करते हुए कहा कि भारतीय वायुसेना ने आतंकियों के मुख्यालयों को ध्वस्त कर दिया।

केन्द्रीय गृह मंत्री रविवार को लखनऊ में वृंदावन योजना, सेक्टर 18 स्थित डिफेंस एक्स्पो ग्राउंड पर आयोजित एक कार्यक्रम को संबोधित कर रहे थे। इस कार्यक्रम में 60,244 नवचयनित पुलिस कार्मिकों को नियुक्तिपत्र वितरित किये गये। अपने संबोधन में अमित शाह ने उत्तर प्रदेश के मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ की पारदर्शी और समावेशी भर्ती प्रक्रिया के लिए जमकर सराहना की। उन्होंने कहा कि योगी आदित्यनाथ सबसे सफल मुख्यमंत्री हैं। योगी के नेतृत्व में उत्तर प्रदेश पुलिस ने न केवल भर्ती प्रक्रिया को निष्पक्ष और योग्यता आधारित बनाया, बल्कि हर जाति, जिले और तहसील के युवाओं को अवसर प्रदान कर एक नया कीर्तिमान स्थापित किया है।

यूपी में माफिया पर पुलिस का डर दिखना चाहिए

केन्द्रीय गृह मंत्री अमित शाह ने कहा कि देश के सबसे बड़े पुलिस बल के आप सभी पुलिस आरक्षी अब सदस्य बनने जा रहे है। यहां कई लोगों ने देश के लिए जीवन समर्पित किया है। यूपी पुलिस का अभिन्न हिस्सा बने, आप का डर माफिया पर सख्त से सख्त दिखना चाहिए। वहीं आपको दलित, पिछड़े, कमजोर, गरीब लोगों में मसीहा दिखना चाहिए। केन्द्रीय गृह मंत्री अमित शाह रविवार को यहां वृंदावन योजना स्थित डिफेंस एक्सपो मैदान पर नवचयनित पुलिस आरक्षियों को नियुक्ति पत्र वितरित करने के बाद संबोधित कर रहे थे।

शाह ने विशेष रूप से इस बात पर जोर दिया कि इन नियुक्तियों में न खर्च, न पर्ची, न सिफारिश और न ही जाति के आधार पर कोई भेदभाव हुआ, बल्कि पूरी प्रक्रिया पारदर्शी और योग्यता के आधार पर संपन्न हुई। अमित शाह ने कहा कि उत्तर प्रदेश पुलिस देश का सबसे बड़ा पुलिसबल है और आज 60,244 युवा इसके अभिन्न अंग बन रहे हैं।

यूपी के पूर्वांचल एक्सप्रेसवे पर सड़क हादसा, पांच की मौत

अमेठी ■ एजेंसी

उत्तर प्रदेश के अमेठी जिले के शुकुल बाजार थाना क्षेत्र अंतर्गत पूर्वांचल एक्सप्रेसवे पर रविवार सुबह एक एंबुलेंस आगे जा रही एक गाड़ी से टकरा गई। इस हादसे में एंबुलेंस सवार पांच लोगों की मौत हो गई और एक घायल हुआ है।पुलिस ने घायल को अस्पताल में भर्ती कराया है।

शुकुल बाजार के थानाध्यक्ष अभिनेष कुमार ने बताया कि पूर्वांचल एक्सप्रेसवे के 59.7 किलोमीटर पर आज सुबह करीब 5.30 बजे पिकअप वाहन में पीछे से आई तेज रफ्तार एंबुलेंस घुस गई। इस हादसे में एंबुलेंस सवार छह लोगों में से चालक सहित पांच लोगों की मौके पर ही दर्दनाक मौत हो गई है। मृतकों की पहचान सरफराज निवासी नालहर हरियाणा, आबिद पुत्र हामिद फिरोजपुर, हरियाणा, राजकुमार शर्मा उर्फ सतीश पुत्र अशोक शर्मा एवं रवि शर्मा पुत्र बलराम शर्मा निवासीगण रामभद्रपुर थाना कल्याणपुर जिला समस्तीपुर बिहार और पांचवां फुलो शर्मा रवि टोला थाना हथौड़ी जिला समस्तीपुर बिहार के रहने वाले शामिल हैं।

ट्रक-निजी बस की टक्कर में तीन लोगों की मौत

मुंबई। अहिल्यानगर जिले में कोल्हार-घोटी हाईवे पर संगमनेर इलाके में रविवार को तेज रफ्तार ट्रक और निजी बस के बीच हुई टक्कर में तीन लोगों की मौत हो गई और आठ अन्य घायल हो गए। सभी घायलों को सरकारी अस्पताल में भर्ती करवाया गया है। पुलिस ने तीनों शव बरामद कर पोस्टमार्टम के लिए भेज दिए हैं। वहीं पुणे जिले के प्रसिद्ध पर्यटन स्थल कुंडमाला में इंद्रायणी नदी पर बना पुराना पुल रविवार को दोपहर में अचानक ढह गया। इस घटना में करीब 24 पर्यटक बह गए हैं, इनमें से करीब 12 लोगों को नदी में निकाल कर अस्पताल पहुंचाया गया। अस्पताल में इलाज के दौरान दो पर्यटकों की मौत हो गई है। 12 सैलानी अभी भी लापता हैं, जिन्हें खोजने के लिए मौके पर एनडीआरएफ और एसडीआरएफ की टीम पहुंच गई है और राहत और बचाव कार्य शुरु कर दिया गया है।

ईरान-इजराइल तनाव चरम पर: इजराइली हमले जारी, खामेनेई के शीर्ष सलाहकार ढेर

तेहरान/यरुशलम ■ एजेंसी

ईरान और इजराइल में बढ़ते सैन्य तनाव के बीच हालात और गंभीर हो गए हैं। इजराइली सेना ने शनिवार को पुष्टि की कि वह ईरान की सतह से सतह पर मार करने वाली मिसाइल साइटों पर हमले कर रही है और यह अभियान जारी रहेगा।

इजराइल रक्षा बल (आईडीएफ) ने कहा कि ईरान के पास अभी भी एक ऐसा शस्त्रागार है, जो इजराइल को गंभीर नुकसान पहुंचा सकता है। सेना ने कहा, हम ईरान पर हमला कर रहे हैं, और यह संघर्ष अभी समाप्त नहीं हुआ है। इजराइल के लिए खतरा बनने वाली हर वस्तु या स्थिति को पूरी तरह नेस्तनाबूद किया जाएगा। इस बीच, ईरान के सर्वोच्च नेता अयातुल्ला अली खामेनेई के वरिष्ठ सलाहकार अली शमखानी की एक अस्पताल में मृत्यु हो गई। ईरानी मीडिया के अनुसार, उनकी मौत इजराइली हवाई हमलों के एक दिन बाद हुई, हालांकि मृत्यु का स्पष्ट कारण सामने नहीं आया है। शमखानी लंबे समय तक ईरान के राष्ट्रीय सुरक्षा प्रमुख रहे और सऊदी अरब के साथ चीन की मध्यस्थता में हुई ऐतिहासिक सुलह वार्ता में महत्वपूर्ण भूमिका निभा चुके थे।

- कान्हा टाइगर रिजर्व शाकाहारी वन्य-जीवों की संख्या में देश में अव्वल, वन्य-जीव सम्पदा संरक्षण में सर्वश्रेष्ठ

मप्र के कान्हा टाइगर रिजर्व की ऊंची उड़ान, बाघों का सर्वश्रेष्ठ आवास क्षेत्र घोषित

भोपाल ■ प्रतिनिधि

मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव द्वारा वन अभ्यारण्य के विकास के लिए किए जा रहे प्रयासों को अब राष्ट्रीय और अंतरराष्ट्रीय स्तर पर पहचान मिल रही है। कान्हा टाइगर रिजर्व को बाघों का सर्वश्रेष्ठ आवास घोषित किया गया है। इस उपलब्धि पर मुख्यमंत्री ने रविवार को सोशल मीडिया के माध्यम से वन अमले को बधाई दी है। उन्होंने कहा है कि अन्य रिजर्व भी इस दिशा में सकारात्मक पहल करेंगे।

जनसम्पर्क अधिकारी केके जोशी ने रविवार को बताया कि भारतीय वन्य-जीव संस्थान, देहरादून द्वारा जारी की गयी रिपोर्ट के अनुसार कान्हा टाइगर रिजर्व में शाकाहारी वन्य-प्राणियों की संख्या देश में सबसे अधिक है। कान्हा टाइगर रिजर्व को देश में बाघों का सर्वश्रेष्ठ आवास क्षेत्र घोषित किया गया है। कान्हा टाइगर रिजर्व प्रदेश के मण्डला जिले में स्थित है। इसका कुल क्षेत्रफल 2074 वर्ग किलोमीटर है, जिसमें 917.43 वर्ग किलोमीटर कोर क्षेत्र और 1134 वर्ग किलोमीटर में बफर जोन शामिल है। कान्हा टाइगर रिजर्व वन्य-जीव सम्पदा संरक्षण में देश में सर्वश्रेष्ठ है।

भारतीय वन्य-जीव संस्थान, देहरादून द्वारा रविवार को जारी रिपोर्ट के अनुसार, कान्हा टाइगर रिजर्व में शाकाहारी वन्य-जीवों की संख्या 1 लाख 2485 है। इनका प्रति वर्ग किलोमीटर घनत्व 69.86 आंका गया है। अभयारण्य का कुल बायोमास 12.6 लाख किलोग्राम, 8602.15 किलोग्राम/वर्ग किलोमीटर है। कान्हा टाइगर रिजर्व में चीतल, सांभर, गौर, जंगली सुअर, बार्किंग डियर, नीलगाय और हॉग डियर की बहुतायत है। इस आधार पर कान्हा टाइगर रिजर्व को बाघों की बढ़ती आबादी के लिये एक आदर्श निवास घोषित किया है।

100 लोगों की गोली मारकर हत्या

अबुजा। नाइजीरिया के नॉर्थ-सेंट्रल बेन्यू स्टेट के येलेवाटा शहर स्थित एक गांव में कम से कम 100 लोगों की गोली मारकर हत्या कर दी गई है। सैकड़ों लोग घायल हैं और दर्जनों लोग अभी भी लापता हैं। एमनेस्टी के मुताबिक, इस सामूहिक हमले में हमलावरों ने गांव के कई परिवारों को उनके घरों में बंद करके जिंदा जला दिया। लोग इतने बुरी तरह जल गए, उनकी पहचान करना मुश्किल हो गया। बेन्यू पुलिस ने हमले की पुष्टि की है, लेकिन यह नहीं बताया कि हत्याएं किसने की और कितने लोग मारे गए हैं। स्थानीय लोगों ने न्यूज एजेंसी स्नक्क को बताया कि हमले में 100 से अधिक लोगों के मरने की आशंका है।

संक्षिप्त समाचार

मप्र में मानसून की एंट्री से पहले आंधी-बारिश

भोपाल। मानसून की एंट्री से पहले मप्र में तेज आंधी और बारिश का दौर जारी है। नर्मदापुरम के सिवनी मालवा में रविवार दोपहर में करीब 40 मिनट तक तेज बारिश हुई। पिपरिया और बड़वानी में भी पानी गिरा। इससे पहले मऊगंज में शनिवार देर रात बिजली गिरने से एक महिला की मौत हो गई, जबकि 6 लोग घायल हो गए। कई जिलों में तेज आंधी चली। उज्जैन में रेलवे ट्रैक पर पेड़ गिरने से कई ट्रेनें प्रभावित रहीं। वहीं, नीमच में टीनशेड उड़ गया। ऐसा ही मौसम रविवार को भी बना रहा। मौसम विभाग ने भोपाल, इंदौर समेत कुल 47 जिलों में तेज आंधी के साथ बारिश होने का अलर्ट जारी किया है। भोपाल में बिजली गिरने से बच्चे की मौत इधर, भोपाल में बिजली गिरने से एक बच्चे की मौत हो गई। हादसा रातीबढ़ इलाके के केकडिया गांव में हुआ। 12 साल का विशाल चौहान खेत में मक्का लगाकर लौट रहा था। मौसम विभाग ने रविवार को भोपाल, इंदौर समेत कुल 47 जिलों में तेज आंधी के साथ बारिश होने का अलर्ट जारी किया है।

मुख्यमंत्री डॉ. यादव ने वरिष्ठ पत्रकार बैस के निधन पर दु:ख व्यक्त किया

भोपाल। मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव ने नया इंडिया समाचार पत्र, भोपाल के स्थानीय संपादक जगदीप सिंह बैस के निधन पर गहन दु :ख व्यक्त किया है। मुख्यमंत्री डॉ. यादव ने स्व. बैस को श्रद्धांजलि अर्पित करते हुए उनके शोकाकुल परिजन के प्रति अपनी संवेदनाएं प्रकट की हैं। मुख्यमंत्री डॉ. यादव ने बाबा महाकाल से दिवंगत आत्मा की शांति के लिए प्रार्थना की है। श्री बैस कुछ समय से अस्वस्थ्य थे और उनका उपचार चल रहा था।

आकाशीय बिजली गिरने से 12 साल के मासूम की मौत

भोपाल। देहात थाना क्षेत्र के रातीबड़ थाना इलाके में दिल दहला देने वाली घटना सामने आई है। यहाँ एक 12 साल के मासूम की आकाशीय बिजली गिरने से मौत हो गई। बताया गया है की किशोर खेत से वापस घर लौट रहा था, इसी दौरान रास्ते में उस पर बिजली गिर गई और उसने मौके पर ही दम तोड़ दिया। घटना की जानकारी देते हुए सामाजिक कार्यकर्ता देवेंद्र तोमर आदिवासी ने बताया कि ग्राम केकड़िया भानपुर पोस्ट रातीबड़ में रहने वाले राम सिंह चौहान मेहनत मजदूरी का काम करते हैं। राम सिंह के परिवार में पत्नी सहित तीन बेटे और एक बेटी है, बड़ा बेटा 12 साल का विशाल चौहान गांव में ही स्थित सरकारी स्कूल में नौवीं कक्षा का छात्र था। रविवार को विशाल अपने साथी बच्चों के साथ खेत पर गया था, और वहां मक्का लग रहा था। इसी दौरान तेज हवा चलने के साथ बारिश होने लगी। बरसात के दौरान विशाल अपने दोस्तों के साथ खेत से निकल कर वापस घर की ओर आने लगा।

हिस्ट्रिशीटर अधेड़ ने फांसी लगाकर की खुदकुशी

भोपाल। निशातपुरा थाना इलाके में एक अधेड़ ने फांसी लगाकर खुदकुशी कर ली। बताया गया है की मृतक का अपराधिक रिकार्ड था। फिलहाल कारणो का खुलासा नहीं हो सका है, जिसकी पुलिस ने जांच शुरू कर दी है। थाना पुलिस के अनुसार 50 वर्षीय मलखान छ: घरा फाटक के पास परिवार सहित रहता था। उसके परिवार में पत्नी के अलावा एक बेटा है। जबकि बड़े बेटे अलग रहते हैं। रोजाना की तरह शनिवार को छोटा बेटा काम पर चला गया था। दोपहर के समय उसकी पत्नी भी मोहल्ले में बैठने चली गई। काफी देर बाद जब पत्नी वापस घर लौटी तो उसे पति का शरीर फंदे पर लटका नजर आया। पत्नि ने तुरंत ही अपने बेटों को जानकारी दी।

स्वास्थ्य विभाग की धीमी गति से चल रही भर्ती प्रक्रिया

एसईबी ने एक साल में केवल एक परीक्षा की आयोजित

भोपाल ■ निस

एक साल पहले 11 जून को कैबिनेट ने स्वास्थ्य विभाग में 46 हजार 491 पदों पर भर्ती के प्रस्ताव को मंजूरी दी थी, बुधवार को 1 साल पूरा हो गया लेकिन अभी तक केवल एक भर्ती की परीक्षा हो पाई है। जबिक 3 साल के भीतर भर्ती पूरी करने का लक्ष्य रखा गया है। हालांकि डिप्टी सीएम स्वास्थ्य मंत्री राजेंद्र शुक्ला हर15 दिन में विभागीय समीक्षा में अधिकारियों को भर्ती प्रक्रिया के संबंध में निर्देश देते हैं। कर्मचारी चयन मंडल (एसईबी) ने फरवरी में नर्सिंग एवं पैरामेडिकल स्टाफ के 2267 पदों पर भर्ती के लिए प्रवेश परीक्षा आयोजित की थी। इसके बाद अभी तक कोई परीक्षा आयोजित नहीं की गई है। जबकि विभाग के अधिकारियों का कहना है कि भर्ती प्रक्रिया तय समय में पूरी कर ली जाएगी। इस पर जोरों से काम चल रहा है।

अस्पतालों में कर्मचारियों और पैरामेडिकल स्टाफ की कमी पूरी करने के लिए स्वास्थ्य विभाग में 46 हजार 491 नए पदों का सृजन कर उन पर भर्ती के प्रस्ताव को कैबिनेट में मंजूरी दी थी। प्रस्ताव के अनुसार अस्पतालों में पैरामेडिकल स्टाफ, तृतीय श्रेणी और चतुर्थ श्रेणी की भर्ती की जानी है। कैबिनेट बैठक में निर्णय लिया गया था कि इनमें से 18,653 पदों की पूर्ति 3 वर्ष में की जाएगी। शेष 27,828 पदों की पूर्ति राष्ट्रीय स्वास्थ्य मिशन के माध्यम से होगी। इसके अलावा कैबिनेट में विशेषज्ञ चिकित्सकों के रिक्त पड़े 1214 पदों में से 607 पद सीधी भर्ती से भरने और शेष पद मप्र लोक सेवा आयोग के माध्यम से भरने का निर्णय लिया गया था। कर्मचारी चयन मंडल ने फरवरी में नर्सिंग और पैरामेडिकल स्टाफ के 2267 पदों पर भर्ती के लिए परीक्षा आयोजित की थी। इसके अलावा स्वास्थ्य विभाग में भर्ती के लिए अन्य कोई परीक्षा नहीं हुई।

प्रदेश अस्पतालों स्टाफ की भारी कमी: प्रदेश के सरकारी अस्पतालों में स्टॉफ की भारी कमी है। प्रदेश के सरकारी अस्पतालों में मरीजों की संख्या बढ़ रही है लेकिन स्टाफ नहीं बढ़ पा रहा है। अस्पतालों में मरीजों की संख्या के अनुपात में डॉक्टरों और पैरामेडिकल स्टाफ नहीं होने से मरीजों को समय पर इलाज नहीं मिल पाता। इससे कई बार मरीजों को मजबूरी में प्रायवेट अस्पतालों में जाना पड़ता है। विधानसभा में सत्ता पक्ष और विपक्ष के विधायक अस्तपालों में डॉक्टरों और पैरामेडिकल स्टाफ की कमी का मुद्दा उठाते रहते हैं।

46491 पदों की कैडरवार रिक्तियां

पद	रिक्तियां
मेडिकल ऑफिसर	518
स्पेशिएलिस्ट	854
नर्सिंग ऑफिसर	4423
लैब टेक्निशियन	894
फिजियोथैरेपिस्ट	85
ओटी टेक्निशियन	626
काउंसलर	51
हॉस्पिटल मैनेजर	33
हॉस्पिटल सुपरिंटेंडेंट	45
ग्रुप डी वर्कर	16985
एएनएम	9366
एलएचवी	165
कम्युनिटी हेल्थ ऑफिसर	10179
कम्प्यूटर ऑपरेटर	336
हॉस्पिटल असिस्टेंट	114
वैक्सीन लॉजिस्टिक असिस्टेंट	1705

तय समय में होंगी सभी परीक्षाएं: एसईबी के डायरेक्टर संकेत मालवीय ने बताया कि सभी विभाग के लिए होने वाली परीक्षाएं तय समय पर की जाएंगी। स्वास्थ्य विभाग की अभी केवल एक परीक्षा आयोजित की गई है।

मूल निवासी प्रमाण पत्र

ऑफलाइन या ऑनलाइन कर सकते हैं आवेदन

भोपाल, निप्र। मप्र में मूल निवासी प्रमाण पत्र प्राप्त करने के लिए आनलाइन या आफलाइन आवेदन किया जा सकता है। ऑनलाइन आवेदन के लिए मध्य प्रदेश ई-डिस्ट्रिक्ट पोर्टल पर जाना होगा और आवश्यक जानकारी भरकर और दस्तावेज अपलोड करके आवेदन करना होगा। ऑफलाइन आवेदन के लिए किसी भी निकटतम लोक सेवा केंद्र, कॉमन सर्विस सेंटर या एमपी ऑनलाइन कियोस्क पर जाकर आवेदन कर सकते हैं। निवासी प्रमाण पत्र, तहसीलदार या कलेक्टर द्वारा प्राधिकृत अधिकारी जारी करते हैं। आवेदन के बाद एक दिन में मूल निवासी प्रमाण पत्र जारी कर दिया जाता है। यह प्रमाण पत्र आवेदक के आधार से रजिस्टर्ड मोबाइल नंबर पर एक दिन में पहुंचता है और आवेदक इसको डाउनलोड कर उपयोग कर सकता है। मूल निवासी प्रमाण पत्र एक महत्वपूर्ण दस्तावेज है, जो यह प्रमाणित करता है कि व्यक्ति किसी विशेष राज्य या स्थान का स्थायी निवासी है। मप्र में निवास प्रमाण पत्र का उपयोग कई सरकारी योजनाओं, शैक्षणिक संस्थानों में प्रवेश, सरकारी नौकरियों में आवेदन और अन्य कानूनी कार्यों में किया जाता है। सरकारी सुविधाओं और योजनाओं के लाभ के लिए भी मूल निवासी प्रमाण पत्र अनिवार्य है। निवासी प्रमाण पत्र बनाने के लिए स्वयं का घोषणा पत्र लगता है और जिसके नाम से आवेदन किया जा रहा है उसके दस्तावेज देने होते हैं।

एम्स की बड़ी सर्जरी, मिली नई जिंदगी

पसलियों में डेढ़ साल से था 2 किलो का ट्यूमर, फेफड़ों पर पड़ रहा था दबाव

भोपाल, निप्र। भोपाल एम्स के डॉक्टरों ने 30 साल के एक युवक की छाती से करीब 2 किलोग्राम वजनी और 20 सेंटीमीटर लंबा ट्यूमर निकालकर उसकी जान बचाई। यह ऑपरेशन बेहद जटिल और जोखिम भरा था, जिसे एम्स की कार्डियोथोरेसिक और वैस्कुलर सर्जरी टीम ने सफलतापूर्वक किया।

मरीज को पिछले डेढ़ साल से छाती के दाहिने हिस्से में लगातार बढ़ती हुई गठान की शिकायत थी। उसने कई अस्पतालों में इलाज कराया, लेकिन आराम नहीं मिला। जब वह भोपाल एम्स पहुंचा, तो जांच में सामने आया कि उसकी छाती में एक बड़ा ट्यूमर है, जो पसलियों को घेरे हुए था और दाहिने फेफड़े पर दबाव बना रहा था। यह स्थिति जानलेवा हो सकती थी।

डॉक्टरों ने लिया बड़ा फैसला: एम्स की सीटीवीएस टीम ने सर्जरी का जोखिम उठाया और ट्यूमर को सफलतापूर्वक बाहर निकाला। यह सर्जरी डॉ. योगेश निवारिया की अगुआई में की गई। उनकी टीम में डॉ. एम. किशन, डॉ. सुरेंद्र सिंह यादव, डॉ. राहुल शर्मा, डॉ. विक्रम वट्टी और डॉ. आदित्य सिरोही शामिल थे। एनेस्थीसिया विभाग के डॉ. हरीश कुमार और प्लास्टिक सर्जरी विभाग के डॉ. दीपक कृष्णा ने भी अहम भूमिका निभाई। ऑपरेशन के बाद मरीज की हालत अब स्थिर है और वह तेजी से ठीक हो रहा है।एम्स भोपाल के निदेशक डॉ. अजय सिंह ने इसे मेडिकल साइंस की एक बड़ी उपलब्धि बताया।

लोक परिवहन सेवाओं के लिए करना होगा और इंतजार

अभी केवल इंदौर व उज्जैन संभाग में हर पूरा हुआ है सर्वे का काम

भोपाल, निप्र। लोक परिवहन सेवाओं को जमीन पर उतारने से जुड़े पहले चरण के सर्वे का काम परिवहन विभाग ने इंदौर व उज्जैन संभाग में लगभग पूरा कर लिया है। अब यहां चिह्नित किए गए मार्गों को फाइनल किया जा रहा है। उधर आठ परिवहन कंपनियों के गठन की प्रक्रिया शुरू कर दी है। मार्गों पर रिहर्सल पूरी होते व कंपनियों के अस्तित्व में आते ही टेंडर प्रक्रिया शुरू कर दी जाएगी। ऐसे में प्रदेश में पब्लिक प्रायवेट पार्टनरशिप (पीपीपी) मोड पर चलने वाली बसों में सफर करने के लिए लोगों को अभी इंतजार करना होगा। परिवहन विभाग की ओर से बसों के संचालन को लेकर राज्य

स्तरीय होल्डिंग कंपनी के गठन की प्रक्रिया जारी है। साथ ही संभावित रूटों का सर्वे किया जा रहा है। सर्वे में उन प्रमुख रूटों की पहचान की जा रही है, जहां यात्रियों का दबाव अधिक है और निजी परिवहन की पहुंच सीमित है। रूट सर्वे के आधार पर बसों का संचालन चरण-वार किया जाएगा।

इंदौर व उज्जैन संभाग में बसों के रूट को चिह्नित करने के लिए अगले चरण के सर्वे का काम जबलपुर व सागर संभागों के जिलों में शुरू होगा। यह मई के अंत तक शुरू हो जाएगा। इसके लिए एजेंसी तय कर दी है। इन संभागों में सर्वे का फोकस सबसे पहले परिवहन सेवा विहीन क्षेत्रों पर होगा। सरकार ने तय किया है कि जिन रूट पर डिमांड होगी, वहीं बसें चलाई जाएंगी। बिना डिमांड के बसों का संचालन नहीं होगा, ताकि बसें चलाने पर घाटा नहीं हो। यही वजह है कि अभी संभावित रूटों का सर्वे किया जा रहा है।

परिवहन मंत्री राव उदय प्रताप सिंह का कहना है कि मुख्यमंत्री सुगम परिवहन सेवा योजना के अंतर्गत बसों के संचालन की प्रक्रिया अभी प्रारंभिक स्टेज में है। रूटों का सर्व किया जा रहा है। कहां, कैसे बसे चलाई जाएं?

संड्री राजस्व में हासिल की बड़ी उपलब्धि

पिछले वर्ष की तुलना में 282 प्रतिशत अधिक राजस्व अर्जन

भोपाल, निप्र। मंडल रेल प्रबंधक देवाशीष त्रिपाठी के मार्गदर्शन में भोपाल मंडल द्वारा चालू वित्तीय वर्ष 2025-26 के प्रारंभिक दो माह ङ्क अप्रैल एवं मई 2025 में संड्री (विविध) मदों से उल्लेखनीय राजस्व अर्जित किया गया है। मंडल को इस अवधि में कुल 25 करोड़ 04 लाख रुपये का संड्री ऑरिजनेटिंग राजस्व प्राप्त हुआ, जो कि गत वर्ष की इसी अवधि में अर्जित 6 करोड़ 55 लाख रुपये की तुलना में लगभग 282 प्रतिशत अधिक है।

वरिष्ठ मंडल वाणिज्य प्रबंधक श्री सौरभ कटारिया ने बताया कि यह उल्लेखनीय वृद्धि रेलवे की संपत्तियों एवं संसाधनों के वाणिज्यिक उपयोग की दिशा में किए गए

योजनाबद्ध प्रयासों का परिणाम है। मंडल स्तर पर विभिन्न विभागों के समन्वय से इस राजस्व में निरंतर वृद्धि सुनिश्चित की जा रही है। उल्लेखनीय है कि संड्री राजस्व के अंतर्गत रेलवे को मिलने वाली वह आय शामिल होती है जो किराए या माल भाड़े से इतर होती है। इसमें रेलवे भूमि का वाणिज्यिक उपयोग, निजी साइडिंग से राजस्व, वन एवं रक्षा विभाग को दी गई जमीन की लाइसेंस फीस, पैंट्री कारों की ढुलाई लागत, अनुपयोगी एवं क्षतिग्रस्त माल की नीलामी, स्क्रैप विक्रय, आवासीय भवन किराया, विश्राम गृह एवं रिटायरिंग रूम की आय, स्टेशन परिसर में पार्किंग शुल्क, खानपान विभाग से प्राप्त शुल्क, विज्ञापन राजस्व एवं अन्य गैर-किराया मदों से प्राप्त आमदनी शामिल होती है। भोपाल मंडल द्वारा आगामी समय में भी इन स्रोतों का अधिकतम उपयोग सुनिश्चित करते हुए राजस्व वृद्धि की दिशा में कार्य किया जाएगा। संड्री रेवेन्यू के क्षेत्र में यह प्रदर्शन मंडल की वाणिज्यिक दक्षता और रणनीतिक सोच को दर्शाता है।

युवा कांग्रेस में चुनाव के लिए वोटिंग 20 जून से

19 जुलाई तक होगी वोटिंग, मेंबर बनने के बाद एक वोटर डाल सकेगा छह वोट

भोपाल, निप्र। प्रदेश में युवा कांग्रेस संगठन चुनाव के लिए सदस्यता लेने और मतदान की तारीख तय हो गई है। प्रदेश में 20 जून की सुबह 9 बजे से मतदान और सदस्यता प्रक्रिया शुरू होगी जो 19 जुलाई की शाम तक चलेगी। इसमें वोटिंग के लिए जो फॉर्मूला तय किया गया है उसके मुताबिक 50 रुपए की सदस्यता फीस जमा कर सदस्य बनने के बाद यूथ कांग्रेस के छह पदों के लिए वोटिंग की जा सकती है। युवा कांग्रेस के जिन पदों के लिए वोटिंग की जाएगी उसमें ब्लाक अध्यक्ष, एसेंबली प्रेसिडेंट, जिला अध्यक्ष व जिला महासचिव, प्रदेश अध्यक्ष व प्रदेश महासचिव के पद शामिल हैं। एक सदस्य छह वोट डालेगा और इसके बाद होने वाली मतगणना के आधार पर परिणाम सामने आएंगे।

युवा कांग्रेस में प्रदेश अध्यक्ष पद के लिए कुल 18 प्रत्याशी चुनाव मैदान में हैं वहीं प्रदेश महासचिव पद के लिए 178 प्रत्याशी घोषित किए गए हैं। चुनाव कार्य से संबद्ध पदाधिकारियों के अनुसार सदस्यता फीस 20 जून से 21 जुलाई को शाम पांच बजे तक स्वीकार की जाएगी। चुनाव के लिए मतदान 20 जून की सुबह 9 बजे से शुरू हो जाएगा तो 19 जुलाई को शाम पांच बजे तक रहेगा। इसके पहले एमपी में युवा कांग्रेस के चुनावों के लिए नामांकनों की स्क्रूटनी के बाद उम्मीदवारों के नामों की लिस्ट जारी हो गई है। 18 उम्मीदवारों के नामांकन स्वीकृत किए गए हैं। राजीव सिंह का नामांकन होल्ड किया गया है, जबकि डॉ दौलत पटेल का नामांकन रिजेक्ट हुआ है।

श्री जिनसहस्रनाम महार्चना विधान भक्तिमय माहौल में संपन्न

दुनिया को विनाश से बचाना हे तो अहिंसा दया और क्षमा धर्म का पालन करना होगा: आर्यिका विज्ञाश्री माताजी

भोपाल, निप्र। सहस्राधिक सहस्रनाम विधान श्रमणी गणिनी आर्यिका गुरु मां विज्ञाश्री माताजी ससंघ के सान्निध्य में अभिरुचि कालोनी भोपाल में जिन सहस्रनाम महार्चना विधान निर्विघ्न संपन्न हुआ। भक्तों ने भक्ति का भरपूर आनंद लेते हुए हर्षोल्लास से विधि - विधान पूर्वक इस महार्चना को संपन्न किया।

माताजी ने भक्तों को धर्मोपदेश देते हुए कहा कि - अगर दुनिया को महाविनाश से बचाना है तो महावीर के रास्ते को अपनाना होगा। हमें महावीर और उनकी अहिंसा को जानना और जीना होगा। आज दुनिया हिंसा के तमाम हथियार जुटाए हुए बैठी है, जो एक दिन महाविनाश का कारण बनेंगे। अगर इस महाविनाश से बचना है तो महावीर ही मात्र एक विकल्प हैं। उनकी अहिंसा, समरसता और विश्व मैत्री से ही सब कुछ ठीक हो सकता है। प्रवक्ता अंशुल जैन ने बताया प्रभु पार्श्वनाथ की परिक्रमा कर अभिषेक पूजा अर्चना की गई। अनुष्ठान के प्रमुख पात्र मनोज सुधा सौ धर्म इंद्र डॉ आभास नेहा जैन, कुबेर महेंद्र सुधा कोठरी, महायज्ञ नायक आदि ने क्रियाएं कर अष्ट द्रव्य अर्पित किए।

प्रतिदिन माताजी के सान्निध्य में सायंकाल शंका समाधान आरती एवं गुरु भक्ति का अवसर भी भक्तों को प्राप्त हो रहा है। इस अवसर पर अध्यक्ष विकास जैन दानिश कुंज, संयोजक ज्ञान चंद्र जैन, वीरेंद अजमेरा, महेंद्र जैन कोठरी , अनिल जैन इंजिनियर, अतुल जैन स्नेही जमुरिया, विनोद इंजीनियर, राजेंद्र चौधरी, आभास जैन, इंद्रकुमार जैन, श्रीमती नेहा जैन, प्रीति सिंघई, मंजू जमुरिया, डॉ कुसुम जैन, भारती जैन, नेहा जैन, रचना, सरिता जैन, वंदना जैन, सहित अनेक लोग मौजूद थे।

अब खाद्य एवं नागरिक आपूर्ति विभाग खुद करेगा पीडीएस की निगरानी

सार्वजनिक वितरण प्रणाली की निगरानी व्यवस्था में होगा बदलाव

भोपाल, निप्र। प्रदेश में सरकार की सख्ती के बाद भी सार्वजनिक वितरण प्रणाली में भ्रष्टाचार और अन्य शिकायतें लगातार आ रही हैं। इसको देखते हुए खाद्य एवं नागरिक आपूर्ति विभाग निगरानी व्यवस्था में बड़ा बदलाव करने जा रहा है। इसके तहत अब पीडीएस की निगरानी खुद खाद्य एवं नागरिक आपूर्ति विभाग करेगा। खाद्य विभाग में नई व्यवस्था लागू करने का प्रस्ताव फिलहाल विभाग की अपर मुख्य सचिव रश्मि अरुण शमी के पास लंबित है। बताया गया कि विभाग पीडीएस निगरानी की व्यवस्था को बदलने के पक्ष में नहीं है, लेकिन मंत्री चाहते हैं कि खाद्य एवं नागरिक आपूर्ति विभाग में सिर्फ विभागीय अधिकारी एवं कर्मचारी रहें। दूसरे विभागों के अधिकारी एवं कर्मचारियों की इसमें भूमिका नही रहे।

गौरतलब है कि खाद्य एवं नागरिक आपूर्ति विभाग सार्वजनिक वितरण प्रणाली को दुरूस्त बनाने में जुटा हुआ है। इसके तहत मप्र सरकार का खाद्य एवं नागरिक आपूर्ति विभाग दशकों पुरानी सार्वजनिक वितरण प्रणाली की निगरानी व्यवस्था में बड़ा बदलाव करते हुए अनुविभागीय अधिकारी, तहसीलदार, नायब तहसीलदार एवं अन्य को बाहर करने जा रहा है। खाद्य विभाग भण्डार गृहों से लेकर जिला भंडार केंद्र एवं राशन दुकानों तक सप्लाई व्यवस्था की पूरी निगरानी अपने हाथों में लेने जा रहा है। इसके लिए खाद्य एवं नागरिक आपूर्ति विभाग के मंत्री गोविंद सिंह राजपूत ने शासन को नोटशीट भेजी है। जिस पर विचार होना है।

हर स्तर पर होगी निगरानी: *यदि सार्वजनिक वितरण प्रणाली की यह नई व्यवस्था लागू होती है तो फिर बड़े गोदामों से राशन के परिवहन होने से लेकर जिला भंडार केंद्रों पर उतरने एवं फिर राशन दुकानों तक पहुंचाने तक की पूरी निगरानी खाद्य विभाग ही करेगा। यानी जिलों में भी अधिकारी प्रदेश स्तर से तय होंगे। खाद्य विभाग का कौनसा अधिकारी भंडार गृहों से माल निकलवाएगा और कौनसा राशन दुकानों तक पहुंचेगा। इसकी जमावट शासन स्तर पर या फिर संचालनालय स्तर से की जाएगी। यह बात अलग है कि खाद्य विभाग में अमले की कमी है। यदि राशन वितरण, भंडारण एवं परिवहन निगरानी व्यवस्था से एसडीएम, तहसीलदार एवं अन्य को हटाया जाता है तो फिर खाद्य एवं नागरिक आपूर्ति विभाग को अधिकारियों की समस्या का सामना करना पड़ेगा। यह भी संभव है कि जिले में राशन वितरण से लेकर भंडारण एवं परिवहन की निगरानी व्यवस्था एक ही अधिकारी को सौंप दी जाए।*

32 लाख श्रमिकों को मिला रोजगार, मजदूरी में 1500 करोड़ रुपये की राशि का भुगतान

गरीबों-किसानों-श्रमिकों की आर्थिक समृद्धि का आधार बनी मनरेगा

भोपाल, निप्र। प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी द्वारा गरीब, महिला, किसान और युवाओं के आर्थिक सशक्तिकरण को लेकर देशभर में चलाए जा रहे अभियान को मध्यप्रदेश सरकार मिशन के रूप में चला रही है। मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव के नेतृत्व में प्रदेश में कमजोर वर्गों के आर्थिक सशक्तिकरण को लेकर लगातार प्रयास किए जा रहे हैं। महत्वाकांक्षी योजनाएं संचालित की जा रही हैं। इसी दिशा में मनरेगा योजना गरीबों किसानों और श्रमिकों की आर्थिक समृद्धि का आधार बनी है। इस योजना के माध्यम से न सिर्फ गरीब, श्रमिकों और किसानों को स्थानीय स्तर पर रोजगार मिला रहा है, बल्कि सिंचाई की उपलब्धता भी बन रही है। योजना के तहत खेत-तालाब, अमृत सरोवर, कुएं, चेक डैम, भूमि समतलीकरण, मेड़बंदी, बागवानी, जल निकायों का निर्माण-जीर्णोद्धार और वर्षा जल संचयन संरचनाओं के निर्माण सहित जल संचयन के अन्य निर्माण कार्य किए जा रहे हैं। मनरेगा योजना से जल गंगा संवर्धन अभियान में अब तक प्रदेश के 32 लाख लोगों को रोजगार मिला है। वर्ष 2025-26 में मजदूरों को अब तक लगभग 1500 करोड़ रुपये की राशि का भुगतान किया गया है।

वृहद स्तर पर किए जा रहे जल संरचना के कार्य

प्रदेश में बारिश के पानी का बड़े स्तर पर संचयन किया जा सके, लोगों को रोजगार मिले, इसके लिए प्रदेश सरकार द्वारा जल गंगा संवर्धन अभियान चलाया जा रहा है। अभियान के अंतर्गत प्रदेश में बड़े स्तर पर जल संरचना के कार्य किए जा रहे है। 14 जून की स्थिति में प्रदेश में 80 हजार 496 खेत तालाब, एक लाख एक हजार 61 कूप रिचार्ज पिट और एक हजार 283 अमृत सरोवरों का निर्माण कराया जा रहा है। इसमें बड़ी संख्या में स्थानीय स्तर पर लोगों को रोजगार मिल रहा है।

22 लाख परिवारों को मिला लाभ: ग्रामीण और शहरी क्षेत्र में निवासरत लोगों को स्थानीय स्तर पर ही रोजगार मिले, इसके लिए केंद्र एवं प्रदेश सरकार द्वारा मनरेगा योजना चलाई जा रही है। मनरेगा योजना में लोगों को स्थानीय स्तर पर 100 दिन का रोजगार उपलब्ध कराया जाता है। प्रदेश में अप्रैल माह से अब तक 22 लाख परिवारों के 32 लाख लोगों को मनरेगा योजना का लाभ मिला है।

कारगर साबित हो रहा जल गंगा संवर्धन अभियान: प्रदेश सरकार द्वारा तीन माह के लिए जल गंगा संवर्धन अभियान चलाया जा रहा है। वह भी ऐसे समय में जब खेती-किसानी का समय नहीं रहता है।

गंदगी फैलाने वालों पर कड़ी कार्रवाई, दो माह में वसूला गया 1 लाख रुपये का जुर्माना

भोपाल, निप्र। मंडल रेल प्रबंधक श्री देवाशीष त्रिपाठी के मार्गदर्शन में भोपाल मंडल के विभिन्न रेलवे स्टेशनों पर स्वच्छता को प्राथमिकता देते हुए यात्रियों को स्वच्छ, सुखद एवं पर्यावरण अनुकूल वातावरण प्रदान करने हेतु लगातार अभियान चलाए जा रहे हैं। स्टेशन परिसर एवं रेलगाड़ियों की नियमित सफाई के साथ-साथ यात्रियों को उद्घोषणाओं, पोस्टरों एवं अन्य माध्यमों से जागरूक किया जा रहा है कि वे रेलवे परिसरों में गंदगी न करें, थूकें नहीं, खुले में कूड़ा न फेंकें तथा धूम्रपान से परहेज़ करें।

वरिष्ठ मंडल वाणिज्य प्रबंधक श्री सौरभ कटारिया ने बताया कि बार-बार चेतावनी और जागरूकता अभियान के बावजूद कुछ लोग लापरवाही बरतते हैं। ऐसे मामलों में रेलवे अधिनियम के अंतर्गत जुर्माना लगाया जाता है। चालू वित्तीय वर्ष के अप्रैल एवं मई 2025 के दो माह में भोपाल मंडल में गंदगी फैलाने के कुल 324 मामलों में कार्रवाई करते हुए 99,970/- का जुर्माना वसूला गया। अकेले मई माह में 152 मामलों में ?43,950/- का जुर्माना वसूला गया।

रेल प्रशासन इन व्यक्तियों से केवल जुर्माना नहीं वसूलता, बल्कि उन्हें स्वच्छता के महत्व और गंदगी से होने वाले नुकसान के बारे में भी समझाइश दी जाती है। ऐसे यात्रियों को यह बताया जाता है कि रेलवे स्टेशन और रेलगाड़ियाँ सार्वजनिक संपत्ति हैं और इनकी स्वच्छता बनाए रखना सभी की जिम्मेदारी है।

भोपाल मंडल रेल प्रशासन यात्रियों से अपील करता है कि वे स्टेशन परिसर को स्वच्छ बनाए रखने में सहयोग करें और रेल प्रशासन के प्रयासों में सहभागी बनें। स्वच्छ भारत अभियान को सफल बनाने हेतु रेल परिसर में गंदगी फैलाने वालों के विरुद्ध ऐसे विशेष अभियान आगे भी निरंतर जारी रहेंगे।

फरार व घायल नक्सलियों की तलाश में जुटे जवान

मुठभेड़ में मारे गए नक्सलियों की पहचान हुई, दलम में एसीएम थे मृत नक्सली

बालाघाट ■ निस

रुपझर थाना क्षेत्र अंतर्गत सोनेवानी चौकी के पचामा-दादर व कटेझिरिया के घने जंगलों में शनिवार को हुई नक्सली मुठभेड़ में मारे गए चारों नक्सलियों की पहचान कर ली गई है। इन पर मध्यप्रदेश, महाराष्ट्र और छत्तीसगढ़ सरकारों द्वारा कुल 56 लाख रुपये का इनाम घोषित था। इन नक्सलियों के खिलाफ मध्यप्रदेश में 102 गंभीर आपराधिक मामले दर्ज है। मृत नक्सली मलाजखंड, टांडा और दर्रेकसा दलम से जुड़े हुए थे। इधर, मुठभेड़ के बाद घायल व फरार नक्सलियों की तलाश में जवान जुटे हुए है। जंगलों में सर्च अभियान जारी है।

पुलिस से मिली जानकारी के अनुसार मुठभेड़ में मारे गए नक्सलियों की पहचान रीता उर्फ तुब्बी श्रीरांगु हिडामी पति चंदू उर्फ देवचंद, रवि, तुलसी उर्फ विमला उर्फ ईमला और सुमन के रूप में की गई है। इनमें से तीन महिला नक्सली थीं। पुलिस सूत्रों के अनुसार, दो नक्सली मलाजखंड दलम, एक टांडा दलम, और एक दर्रेकसा दलम से जुड़े हुए थे। प्रत्येक नक्सली पर तीनों राज्यों में 14-14 लाख रुपये का इनाम घोषित था। इस बड़ी कार्रवाई को सुरक्षा बलों की लंबी रणनीति और सटीक सूचना का नतीजा माना जा रहा है।

पचामा-दादर व कटेझिरिया के जंगल में हुई थी मुठभेड़: शनिवार को पचामा-दादर व कटेझिरिया के जंगल में जवानों का नक्सलियों से आमना-सामना हुआ था। जंगल में जीआरबी डिविजन (गोंदिया, राजनांदगांव, बालाघाट) के नक्सलियों के एक समूह के होने की सूचना मिली थी। सूचना के आधार पर हॉकफोर्स, जिला पुलिस बल और सीआरपीएफ के जवानों द्वारा कार्डन व सर्च ऑपरेशन चलाया गया था। इस दौरान नक्सलियों ने सुरक्षा बलों को देखकर अंधाधुंध फायरिंग कर दी थी। जवानों ने भी अपनी सूझबूझ से जवाबी फायरिंग की।

रीता पर 56 तो रवि पर दर्ज है 23 अपराध

मुठभेड़ में मारे गए नक्सलियों में सबसे अधिक रीता उर्फ तुब्बी श्रीरांगु हिडमी पति चंदू उर्फ देवचंद निवासी नवेझरी तहसील कोरची महाराष्ट्र पर मप्र में 56 अपराध दर्ज है। वहीं रवि निवासी पश्चिम बस्तर छत्तीसगढ़ पर 23, तुलसी उर्फ विमला उर्फ ईमला पर 13 और सुमन पर 10 अपराध दर्ज है। चारों ही मृत नक्सलियों में तीनों राज्यों में 14-14 लाख रुपए का इनाम घोषित है। इन नक्सलियों के पास से ग्रेनेड लांचर, 1 एसएलआर रायफल मय मैगजीन कारतू, .315 रायफल मय कारतूस, एक अन्य रायफल, एक जिंदा हैंड ग्रेनेड, डेटोनेटर, डेटोनेटर वायर, आईईडी निर्माण सामग्री, वॉकी-टॉकी सेट व अन्य संचार के उपकरण, 10 पिट्ठू बैग, 10 बिंडोरी पाउच, नक्सल साहित्य, दैनिक उपयोग की सामग्री, टेंट सहित अन्य सामग्री को जब्त किया गया है।

बोर्ड कक्षाओं की द्वितीय परीक्षा 17 से, 21 केंद्रों में होगा आयोजन

समन्वयक केंद्र से गोपनीय सामग्रियों का किया वितरण

बालाघाट, निप्र। माध्यमिक शिक्षा मंडल के बोर्ड कक्षाओं में अनुत्तीर्ण, पूरक पात्र विद्यार्थियों को उत्तीर्ण होने का एक और मौका मिलेगा। इसके लिए बोर्ड ने दूसरी परीक्षा का आयोजन किया है। इस साल पहली बार मप्र बोर्ड की पूरक परीक्षा के बदले द्वितीय परीक्षा आयोजित की जा रही है। इस संबंध में माध्यमिक शिक्षा मंडल (माशिमं) ने परीक्षा के संबंध में दिशा-निर्देश जारी कर दिए हैं। बोर्ड कक्षा10वीं की परीक्षा 17 से 26 जून के मध्य संपन्न होगी। जबकि 12वीं की परीक्षा 17 जून से 5 जुलाई के मध्य होगी। परीक्षा सुबह 9 से 12 बजे तक निर्धारित परीक्षा केंद्रों पर आयोजित होगी। परीक्षा आयोजन को लेकर जिले में सभी आवश्यक तैयारियां पूरी कर ली गई है।

माशिमं की द्वितीय परीक्षा के आयोजन को लेकर रविवार को समन्वयक केंद्र शासकीय उत्कृष्ट विद्यालय बालाघाट से गोपानीय सामग्री और प्रश्नपत्रों का वितरण किया गया। परीक्षा केंद्र प्रभारियों ने सामग्री को केंद्र से प्राप्त किया। सभी गोपनीय सामग्री को थानों में जमा करा दी जाएगी। परीक्षा के दिन जिस विषय का पर्चा होगा, केंद्र प्रभारी विषयानुसार पेपर थाने से लेकर परीक्षा केंद्र तक जाएंगे। जिले में परीक्षा के लिए 21 केंद्र बनाए गए हैं। विद्यार्थियों को केंद्र पर एक घंटा पहले यानी सुबह 8 बजे तक पहुंचना होगा। परीक्षा शुरू होने के निर्धारित समय से 15 मिनट पहले तक विद्यार्थी को प्रवेश दिया जाएगा। प्रायोगिक परीक्षाएं विद्यार्थियों को आवंटित परीक्षा केंद्र पर 17 जून से 25 जून के बीच संचालित की जाएगी। इस परीक्षा में में वे छात्र भी भाग ले सकेंगे जो मुख्य परीक्षा में अनुपस्थित रहे या किसी विषय में अनुत्तीर्ण हो गए या देर से पहुंचे और परीक्षा नहीं दे सके और श्रेणी सुधार के इच्छुक हैं।

संक्षिप्त समाचार

आत्महत्या के उदेश्य से महिला ने किया फाँसी लगाने का प्रयास

गुना। गुना के थाना म्याना क्षेत्र के खड़ग पुर खैराई गांव में एक महिला ने फांसी लगाकर आत्महत्या करने का प्रयास किया है, पुलिस सहायता की आवश्यकता है। सूचना राज्य स्तरीय पुलिस कंट्रोल रूम डायल-112/100 भोपाल में दिनाँक 15-06-2025 को प्राप्त हुई। सूचना प्राप्ति पर तत्काल थाना म्याना क्षेत्र में तैनात डायल-112/100 वाहन को मदद के लिए रवाना किया गया। डायल-112/100 स्टाफ आरक्षक सचिन रघुवंशी पायलेट पूरण सिंह ने घटना स्थल पर पहुँचकर बताया कि अज्ञात कारणों से 35 वर्षीय महिला ने फांसी लगाने का प्रयास किया था, जिसे परिजनों ने फंदे से नीचे उतार लिया था। डायल-112/100 जवानों द्वारा तत्काल महिला को जिला अस्पताल पहुँचाया गया।

स्वामी श्रीला ने यूरोप में कराया ओशो मेडिटेशन

जबलपुर। यूरोप के सबसे बड़े मेडिटेशन फेस्टिवल्स में ओशो के मेडिटेशन का अभ्यास करते हुए सभी ने असीम आनंद की अनुभूति की। स्विट्जरलैंड के ज्यूरिख में गत दिवस हुए फेस्ट में ओशो होम आश्रम जबलपुर से ओशो अनुयायी स्वामी श्रीला प्रेम पारस ने सभी को ओशो के विशेष ध्यान का अभ्यास करवाया। साथ ही बताया कि ओशो ने किस तरह ध्यान और अध्यात्म का मार्ग दिखाते हुए लोगों के जीवन में उत्साह का संचार किया। इस फेस्ट में जर्मनी, ऑस्ट्रिया और सिंगापुर, स्पेन, यूएसए से लोग शामिल हुए। स्वामी श्रीला प्रेम पारस ने आर्ट ऑफ डेथ मेडिटेशन, ओंकार की अनुभूति, प्रेम और साइलेंस की अनुभूति, माइंड फुलनेस जैसे ध्यान का अभ्यास करवाया। उन्होंने हिमालय के ऋषि मुनियों और विभिन्न गुरुओं द्वारा बताए गए ध्यान की अनुभूति भी लोगों को करवाई।

आईजा के राष्ट्रीय अध्यक्ष हार्दिक हुंडिया बोले, यह विमान हादसा देश के लिए अपूरणीय क्षति

सिरोंज। अभी हाल ही में देश को झकझोरने वाली ऐसी दुर्घटना हुई जिसने पूरे देश झकझोर दिया। कुछ मिनटो में ऐसा बडा हादसा जिसकी किसी को उम्मीद भी नही थी। तो वही विगत दिन पूर्व गुजरात के अहमदाबाद में हुए विमान दुर्घटना में मृत लोगों को ऑल इंडिया जैन जर्नलिस्टस एसोशियएन आईजा द्वारा श्रद्धांजलि सभा का आयोजन किया गया। इस मौके पर आईजा के राष्ट्रीय अध्यक्ष हार्दिक हुंडिया, राष्ट्रीय महामंत्री महावीर श्रीश्रीमाल एंव आईजा के प्रदेश अध्यक्ष राजीव जैन सैनानी आदि ने मृतको को श्रदांजलि अर्पित की। इस मौके पर आईजा ने कैंडल जलाकर मृतको याद किया और मृतको की आत्मा की शांति के लिए दो मिनट का मौन धारण किया गया। साथ ही मृतको के परिजनो को धैर्य के लिए ईश्वर से प्रार्थना की। वही आईजा के राष्ट्रीय अध्यक्ष हार्दिक हुंडिया ने कहा कि अहमदाबाद की दुर्घटना के बाद पूरे देश में शौक का माहौल है वही उन्होंने इसे देश की अपूरणीय क्षति बताया। इस मौके पर आईजा के प्रदेश अध्यक्ष एडवोकेट राजीव जैन सैनानी ने कहा कि अहमदाबाद में हुए हृदय विदारक हवाई हादसे में जिन्होने अपने नागरिकों को खो दिया। उन परिवार के दुख में शामिल हैं और शोक संतप्त परिवारों के प्रति अपनी संवेदना व्यक्त करते हैं। उन्होने कहा कि इस हादसे को साजिश कहे या किसी कि गलती या लापरवाही, ये विमान हादसे मे लगभग 300 निर्दोष लोगों की जान गई ओर घर बेठे उन के परिवार जन जीते जी ही मर गये।

न्यूरोफिजियोथेपिस्ट यंग एचीवर अवार्ड पर डॉ बृजेश यादव ने मारी बाजी

बुदनी, निप्र। राजधानी भोपाल चिरायु मेडिकल कॉलेज में न्यूरोफिजियोथेपिस्ट यंग एचीवर अवार्ड का आयोजन जो एमपी यंगस्टर ने लिया था भाग जिसमें नर्मदा पुरम के डॉक्टर बृजेश यादव ने अवार्ड अपने नाम किया साथी नर्मदा पुरम को नर्मदा पुरम का नाम प्रदेश स्तर पर रोशन किया डॉ यादव जी केसरी क्लिनिक के ओनर है और नर्मदा अपना अस्पताल में ड्यूटी डॉक्टर की पोस्ट पर भी पदस्थ हैं डॉक्टर यादव ने बताया कि इस प्रतियोगिता के लिए मुझे 8 से 10 घंटे प्रैक्टिस करनी पड़ी जब जाकर मुझे यह अवार्ड प्राप्त हुआ है।

यादव कहते हैं कि लहरों से नोखा पर नहीं होती और कोशिश करने वाले की कभी हार नहीं होती इस कारनामे को कर दिखलाया है नर्मदा परम के डॉक्टर बृजेश यादव ने 8 से 10 घंटे मेहनत कर और इस प्रतियोगिता का अवार्ड नर्मदा पुरम का नाम रोशन कर प्राप्त किया है।

शहर के विभिन्न मार्गों सहित नाले-नालियों की कराई गई सफाई

नागरिकों को बेहतर सफाई व्यवस्था उपलब्ध कराने दो पालियों में सफाई कार्य जारी

कटनी, निप्र। नागरिकों को बेहतर सफाई व्यवस्था उपलब्ध कराने के साथ वर्षा काल के दौरान जलभराव की समस्या के निराकरण हेतु निगम प्रशासन द्वारा नगर के मुख्य मार्गो, बाजार क्षेत्रों सहित सार्वजनिक स्थलों की सफाई उपरांत कचरे के उठाव का कार्य दो पालियो में कराया जा रहा है। नगर की सफाई व्यवस्था को दृष्टिगत रखते हुए विगत रात्रि बस स्टेंड क्षेत्र के विभिन्न स्थलों, स्टेशन रोड, सुभाष चैक, कपड़ा बाजार, झंडा बाजार, गोल बाजार में स्वच्छता दूतों के माध्यम से सफाई का कार्य किया जाकर कचरे का उठाव कार्य किया गया। जबकि प्रातः कालीन सफाई व्यवस्था के माध्यम से स्वच्छता दूतों द्वारा नगरीय एवं उपनगरीय क्षेत्रों के विभिन्न प्रमुख मार्गो सहित रोड, डिवाइडर, तिराहों, चैराहों, मुक्तिधाम परिसर की सफाई की जाकर गार्बेज बैग में सूखे कचरे का उठाव कार्य किया गया। इस दौरान उपायुक्त श्री शैलेश गुप्ता द्वारा सफाई व्यवस्था का निरीक्षण कर व्यवस्था को दुरूस्त रखने हेतु आवश्यक दिशा - निर्देश दिए गए।

नालों की सफाई व्यवस्था हेतु अभियान जारी: वर्षा के दौरान सुगम पानी की निकासी हेतु शहर के कई बड़े एवं छोटे नाले एवं नालियों की सफाई का कार्य अभियान चलाकर किया जा रहा है। ताकि वर्षाकाल ने जलभराव की स्थिति निर्मित ना हो।

पश्चिम मध्य रेल पर डिजिटल लेनदेन को मिल रहा बढ़ावा

डिजिटल कैशलेस ट्रांजेक्शन से 13 लाख से अधिक पैसेंजरों से 10 करोड़ रूपये से अधिक का रेलवे राजस्व अर्जित

जबलपुर, निप्र। रेलवे में यात्रियों को अत्याधुनिक डिजिटल तकनीक से कैशलेस ट्रांजेक्शन की सुविधा को बढ़ाया जा रहा है। इसी कड़ी में पश्चिम मध्य रेल द्वारा डिजिटल तकनीक के माध्यम से कैशलेस ट्रांजेक्शन को बढ़ावा दिया जा रहा है। तीनों मण्डलों जबलपुर, भोपाल एवं कोटा में पीआरएस काउंटर्स, यूटीएस काउंटर्स एवं पार्सल कार्यालयों पर पीओएस मशीन से कैशलेस ट्रांजेक्शन किया जा रहा है। इसके अलावा अन्य तरह के डिजिटल तकनीक जैसे भीम/ यूपीआई तथा मोबाइल टिकटिंग के माध्यम से भी कैशलेस ट्रांजेक्शन का उपयोग किया जा रहा है। गौरतलब है कि पश्चिम मध्य रेल के जबलपुर, भोपाल एवं कोटा के पीआरएस, यूटीएस, यूटीएस कम पीआरएस एवं पार्सल के कार्यालयों में लगभग 45 पीओएस मशीनों के माध्यम से डिजिटल कैशलेस ट्रांजेक्शन किया जा रहा है। जिसके परिणामस्वरूप पश्चिम मध्य रेल ने चालू वित्तीय वर्ष के मई माह में पीआरएस एवं यूटीएस से डिजिटल कैशलेस ट्रांजेक्शन से 13 लाख 23 हजार 127 यात्रियों की बुकिंग की गई है, जिससे 10 करोड़ 31 लाख 61 हजार 685 रूपये का रेलवे राजस्व अर्जित किया है। मई माह में पीआरएस एवं यूटीएस से पीओएस मशीन, भीम/यूपीआई एवं मोबाईल टिकटिंग ऐप के माध्यम से डिजिटल कैशलेस ट्रांजेक्शन कि जानकारी इस प्रकार है। कैशलेस भुगतान से पमरे में तीनों मण्डलों द्वारा आरक्षण कार्यालय (पीआरएस) में पीओएस मशीन से 2818 यात्रियों को बुक करके 16 लाख 56 हजार 627 रूपये का राजस्व अर्जित किया। वहीं भीम ऐप/ यूपीआई (यूनिफाइड पेमेंट्स इंटरफेस) प्रणाली का उपयोग कर 92875 यात्रियों से 4 करोड़ 17 लाख 45 हजार 968 रूपये का राजस्व अर्जित किया।

मोदी सरकार के नेतृत्व में विकसित भारत का यह अमृत काल:अंकुर शुक्ला

नगर भाजपा पातालेश्वर मंडल में आयोजित हुई विकसित भारत संकल्प सभा आयोजित

छिंदवाड़ा, निप्र। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी की सरकार के 11 वर्ष पूर्ण होने पर रविवार को भाजपा नगर पातालेश्वर मंडल में विकसित भारत संकल्प सभा आयोजित की गई। नगर निगम क्षेत्र वार्ड क्रमांक 18 सुकलूढाना में आयोजित भव्य कार्यक्रम में सम्बोधित करते हुए भाजपा मंडल अध्यक्ष अंकुर शुक्ला ने बताया कि प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के नेतृत्व में केंद्र की एनडीए सरकार ने पिछले 11 वर्षो में सबका साथ, सबका विकास, सबका विश्वास के मंत्र के साथ देश के गरीब, वंचित और आम नागरिकों के कल्याण हेतु अभूतपूर्व कार्य किए हैं।मोदी सरकार की जनकल्याणकारी योजनाओं ने न केवल करोड़ों लोगों का जीवन स्तर सुधारा है, बल्कि उन्हें सम्मानपूर्वक जीवन जीने का अधिकार भी दिलाया है। समाज के प्रत्येक वर्ग तक इन योजनाओं का लाभ पहुंचा है। अंत्योदय का उत्थान एवं गरीब कल्याण विशेष रूप से पिछले 11 वर्षों में देश के कोने-कोने में देखने को मिला है। कार्यक्रम में प्रमुख वक्ता नगर निगम सभापति प्रमोद शर्मा द्वारा बताया गया कि मोदी सरकार के नेतृत्व में किसानों,महिलाओं, युवाओं के विकास के साथ ही, देश की सुरक्षा भी सशक्त हुई है। देश की आम जनता का पूर्ण विश्वास मोदी जी के नेतृत्व वाली सरकार में देखने को मिल रहा है। कार्यक्रम का शुभारंभ पंडित दीनदयाल उपाध्याय एवं डॉ आंबेडकर के चित्र पर माल्यार्पण कर हुआ। कार्यक्रम के अंत में भाजपा नगर मंडल अध्यक्ष अंकुर शुक्ला द्वारा उपस्थित समस्त हितग्राहियों एवं भाजपा नेताओं को विकसित भारत बनाने हेतु संकल्प दिलाया गया।

कांग्रेस पार्षद अनवर कादरी का नाम भी लव जिहाद के मामले में शामिल

इन्दौर। लव जिहाद मामले में पकड़ाए आरोपियों के बाद फाइनेंसर के रूप में कांग्रेस पार्षद अनवर कादरी का भी नाम आने के चलते पुलिस ने उसे भी आरोपी बनाया है। बता दें कि शुक्रवार रात हिन्दू संगठन के कार्यकर्ताओं ने दो मुस्लिम युवकों को सुपर कॉरिडोर से हिंदू युवतियों के साथ आपत्तिजनक स्थिति में पकड़ा था पूछताछ में पहले दोनों ने अपना हिंदू नाम बताया लेकिन सख्ती के बाद सही नाम उगलते आरोपी साहिल ने वीडियो में कहा कि उसे पार्षद अनवर कादरी ने दो लाख देकर हिंदू युवती से शादी कर देह व्यापार में उतारने की बात कही थी। वहीं आरोपी अल्ताफ ने एक लाख रुपए और हिंदू युवती से शादी करने का बताया था। मामले में दोनों युवतियों की शिकायत पर बाणगंगा थाने में दोनों युवकों के खिलाफ मामला दर्ज कर लिया गया था। आरोपी साहिल ने कार शोरूम में कार्य करना तथा आरोपी अल्ताफ ने पेंटर होना भी बताया था। मामले में कांग्रेस पार्षद अनवर कादरी का नाम आने के बाद भाजपा नगराध्यक्ष सुमित मिश्रा ने अपने सोशल अकाउंट एक्स पर कांग्रेस पार्षद अनवर कादरी द्वारा लव जिहाद के लिए फंडिंग करने पर पुलिस आयुक्त संतोष कुमार सिंह से मांग की थी कि ऐसे नेताओं पर कड़ी कार्रवाई करें। मिश्रा ने एक्स पर लिखा कि राजनीतिक अस्तित्व बचाने के लिए कांग्रेस लव जिहाद पर उतर आई है?

7 साल बेड़ियों में जकड़ा रहा जैद हो गया ठीक

डांस देख थिरकने लगा और आया टर्निंग पाइंट, तब था हिंसक, अब खुद करता है अपने काम

इंदौर, निप्र। इंदौर में खजराना थाने के सामने 7 सालों तक बेड़ियों में जकड़े रहे युवक जैद अली के जीवन में बड़ा बदलाव आया है। 6 महीने पहले उसकी बेड़ियों और जंजीरों को हथोड़ी-छैनी से तोड़कर बाणगंगा मेंटल हॉस्पिटल में एडमिट किया था। वहां वह शुरुआती दौर में काफी हिंसक रहा। ट्रीटमेंट के बाद उसकी मानसिक स्थिति में काफी सुधार हुआ है। एक संस्था में डेढ़ माह तक उसकी काउंसलिंग भी की। अब वह सामान्य जीवन जीने लगा है।

इलाज के अलावा उसे सुबह से लेकर रात तक की दिनचर्या में ढाला गया। हिंसक बातों, माहौल से दूर रखा गया। मनोरंजन, संगीत, सुकून वाला माहौल दिया गया। उसकी जिंदगी में मोड़ तब आया जब एक डांस के दृश्य के दौरान उसके भी पैर थिरकने लगे।

यहीं से उसकी जिंदगी में असली बदलाव आया और गृहस्थ जीवन में ढलने लगा। मां भी जहां पहले जबरदस्त हिंसक थी अब बेटे को खुश देख डॉक्टरों और काउंसलर्स को दुआएं देती हैं।

पहले जानिए लीजिए क्या है पूरा मामला: इंदौर के 30 वर्षीय जैद को खजराना थाने के सामने खुले में मां ने 7 साल तक बेड़ियों में जकड़ कर रखा था। उसका मानसिक संतुलन ठीक नहीं था। इतने सालों में हर मौसम चाहे सर्दी हो या गर्मी या फिर बरसात, वह ऐसे ही बेड़ियों में बंधा रहा।

चौंकाने वाली बात है कि यह सब थाने से 100 मीटर की दूरी पर हो रहा था लेकिन पुलिस, समाज, राहगीर और रहवासी इसे नजरअंदाज करते रहे। सूचना मिलने के बाद इंदौर के एनजीओ ने %प्रवेश% ने उस पर नजर रखी और 24 जनवरी को उसका रेस्क्यू किया था।

संस्था, पुलिस को ऐसा करना पड़ा था सामना: तब रेस्क्यू टीम और पुलिस को काफी मशक्कत करनी पड़ी थी। उसकी मां को तब पैनिक अटैक आए थे वह काफी हिंसक हो गई थी।

सने तब खूब झूमा-झटकी, बदसलूकी और हंगामा किया था।

तब टीम ने उससे बेड़ियों की चाबी छीनी और तालों को खोलने की कोशिश की लेकिन जंग के कारण नहीं खुले थे।

अस्थियां विसर्जित करने आए थे

दो दोस्तों को बचाकर नर्मदा नदी में डूबा कृष्णा, खोज जारी, एक की मौत

ओमकारेश्वर, निप्र। ओंकारेश्वर में नर्मदा नदी में दो अलग-अलग घटनाओं में चार युवक डूब गए। अपने दोस्तों के साथ परिवार के सदस्य की अस्थियां विसर्जित करने आए कृष्णा उन्हें बचाकर नदी में डूब गए। अब उनकी तलाश की जा रही। वहीं, एक युवक की डूबने से मौत हो गई।

खंडवा जिले की तीर्थनगरी ओंकारेश्वर में रविवार का दिन एक बार फिर नर्मदा नदी में हुए हादसों के नाम रहा। अलग-अलग घाटों पर हुई दो घटनाओं में चार युवक नदी में डूब गए। स्थानीय नाविकों ने दो को बचा लिया, लेकिन एक युवक की मौत हो गई और एक अब भी लापता है।

जिसकी तलाश की जा रही है।

दोस्तों की जान बचाकर डूबा कृष्णा: जानकारी के अनुसार, पहली घटना नर्मदा-कावेरी संगम घाट पर घटी, जहां महाराष्ट्र के मालेगांव (जिला नासिक) से आए कृष्णा पवार (32) अपने दो दोस्तों के साथ परिवार के सदस्य की अस्थियां विसर्जित करने पहुंचे थे। घाट पर पानी कम होने के कारण तीनों युवक नदी के गहरे पानी में चले और अचानक डूबने लगे। कृष्णा पवार ने अपने दो दोस्तों को तो बचा लिया, लेकिन खुद वह नर्मदा नदी में डूब गए। स्थानीय नाविकों ने तुरंत दोनों युवकों को बाहर निकाल लिया, लेकिन कृष्णा डूब गए। घटनास्थल पर मौजूद गोताखोरों की टीम उनकी तलाश में जुटी हुई है।

हर साल आते हैं लाखों श्रद्धालु : ओंकारेश्वर में नर्मदा नदी के घाटों पर हो रही घटनाओं को लेकर श्रद्धालुओं और स्थानीय नागरिकों में नाराजगी है। उन्होंने कहा कि ओंकारेश्वर देश का एक प्रमुख ज्योतिर्लिंग तीर्थ है, जहां सालभर लाखों श्रद्धालु नर्मदा स्नान के लिए आते हैं। इसके बाद भी घाटों पर न तो लाइफगार्ड हैं, न चेतावनी संकेत और न ही बैरिकेडिंग या निगरानी दल की तैनाती की गई है।

इधर, आध्यात्मिक यात्रा बनी आखिरी यात्रा

दूसरी घटना ओंकारेश्वर बांध के समीप ब्रह्मपुरी घाट पर हुई। जहां जयपुर के रहने वाले अनिल मीणा (25) स्नान करते समय गहरे पानी में चले गए। इस दौरान वह डूबने लगे, लेकिन स्थानीय नाविकों ने उन्हें बाहर निकाला और अस्पताल पहुंचाया। जांच के बाद डॉक्टरों ने उन्हें मृत घोषित कर दिया। जानकारी के अनुसार, अनिल जयपुर की एक फाइनेंस कंपनी में कार्यरत थे और छुट्टियों में ओंकारेश्वर आए थे। उनकी आध्यात्मिक यात्रा आखिरी यात्रा बन गई।

महिला की लापरवाही से कार में लगी आग

इंदौर, निप्र। कनाड़िया क्षेत्र के संचार नगर में 1 जून की सुबह मेडिकल संचालक गौरव जैन की कार में अचानक लगी आग का राज खुल गया है। मामले में पुलिस ने प्रशांत सागर बिल्डिंग के डी ब्लॉक के फ्लैट नंबर 204 में रहने वाली रजनी पाहवा के खिलाफ आगजनी का केस दर्ज किया है। महिला ने खुले में कचरा फेंककर आग लगाई थी, जिससे कार में आग लगी और वह पूरी तरह से जल गई।

जानकारी के अनुसार, कालूखेड़ा निवासी गौरव जैन अपनी पत्नी और नवजात बच्चों के इलाज के लिए इंदौर आए थे। उन्होंने अपनी कार (स्ख्व13-ष्ट-7794) संचार नगर स्थित अपने भाई विशाल जैन के फ्लैट की पार्किंग में खड़ी की थी, लेकिन अगली सुबह कार में अचानक आग लग गई। दमकल ने आग पर काबू तो पा लिया, लेकिन तब तक कार पूरी तरह जलकर खाक हो चुकी थी। पुलिस इसे सामान्य घटना मानकर चल रही थी, तभी प्रत्यक्षदर्शी महिला सामने आ गई।

चश्मदीद के कथन से बदली जांच की दिशा: उसी बिल्डिंग में रहने वाली एक अन्य महिला के कथन ने पुलिस की जांच की दिशा ही बदल दी। यह महिला ईद के मौके पर शहर से बाहर गई थी, जब वह लौटकर आई, तो पता चला कि विशाल जैन के भाई की कार जल गई। उसने परिवार को बताया कि उस दिन सुबह उसने रजनी पाहवा को कार के पास कचरा फेंककर जलाते हुए देखा था।

अनमोल वचन

महान सौंदर्य, अत्यधिक ताकत, बहुत धन का वास्तव में कुछ खास उपयोग नहीं है। एक सच्चा हृदय सबसे ऊपर है।

बेंजामिन फ्रेंकलिन

हमेशा याद रखो कि आपका अपना सफल होने का संकल्प ही किसी भी चीज से ज्यादा महत्वपूर्ण है।

अब्राहम लिंकन

हिंदी सिखाने और सीखने की व्यावहारिक समस्याएं और संभावित

विदेशों में हिंदी सिखाने की सबसे बड़ी समस्या प्रशिक्षित और प्रमाणित हिंदी शिक्षकों की कमी है। बहुत से देशों में हिंदी शिक्षा प्रवासी समुदाय के स्वयंसेवी प्रयासों पर निर्भर होती है, जहाँ शिक्षक शुद्धतापूर्वक पढ़ाने के लिए न तो पर्याप्त प्रशिक्षण प्राप्त कर पाते हैं और न ही उन्हें संस्थागत सहयोग मिलता है। कई बार स्थानीय विश्वविद्यालयों में हिंदी को पढ़ाने के लिए केवल भाषा जानना ही योग्यता मान ली जाती है।

डॉ. शैलेश शुक्ला

हिंदी भाषा केवल भारत की नहीं, बल्कि वैश्विक सांस्कृतिक विरासत का महत्वपूर्ण हिस्सा बन चुकी है। वर्तमान में हिंदी विश्व की तीसरी सबसे अधिक बोली जाने वाली भाषा है। लगभग 60 करोड़ लोग हिंदी बोलते हैं, जिनमें से करोड़ों प्रवासी और विदेशी नागरिक हैं। अमेरिका, इंग्लैंड, फिजी, मॉरीशस, सूरीनाम, नेपाल, दक्षिण अफ्रीका और ऑस्ट्रेलिया जैसे देशों में हिंदी भाषी समुदायों की मौजूदगी के कारण वहाँ हिंदी के सिखने और सिखाने की मांग तेजी से बढ़ी है।

फिर भी, हिंदी को एक अंतरराष्ट्रीय स्तर की भाषा के रूप में स्थायित्व प्रदान करने के लिए केवल उसकी सांख्यिकीय उपस्थिति पर्याप्त नहीं है। ज़रूरत है सुव्यवस्थित, तकनीक-सक्षम, रोजगार-उन्मुख और सांस्कृतिक रूप से अनुकूलित शिक्षण व्यवस्था की। इस लेख में हम विस्तार से उन व्यावहारिक समस्याओं का अध्ययन करेंगे जो विदेशों में हिंदी सिखाने और सीखने के मार्ग में बाधा बनती हैं और साथ ही संभावित समाधानों की चर्चा भी करेंगे।

विदेशों में हिंदी सिखाने की सबसे बड़ी समस्या प्रशिक्षित और प्रमाणित हिंदी शिक्षकों की कमी है। बहुत से देशों में हिंदी शिक्षा प्रवासी समुदाय के स्वयंसेवी प्रयासों पर निर्भर होती है, जहाँ शिक्षक शुद्धतापूर्वक पढ़ाने के लिए न तो पर्याप्त प्रशिक्षण प्राप्त कर पाते हैं और न ही उन्हें संस्थागत सहयोग मिलता है। कई बार स्थानीय विश्वविद्यालयों में हिंदी को पढ़ाने के लिए केवल भाषा जानना ही योग्यता मान ली जाती है, जबकि भाषा शिक्षण एक वैज्ञानिक प्रक्रिया है जिसके लिए विषय विशेषज्ञता, भाषाशास्त्र की समझ, और पद्धतिगत प्रशिक्षण आवश्यक होता है।

इस स्थिति का समाधान तभी संभव है जब भारत सरकार या विश्व हिंदी सचिवालय जैसे संस्थान वैश्विक स्तर पर हिंदी शिक्षकों के लिए प्रमाणित प्रशिक्षण कार्यक्रम प्रारंभ करें। यह Global Hindi Teacher Certification Programme न केवल शिक्षकों को प्रशिक्षित करेगा, बल्कि उन्हें अंतरराष्ट्रीय स्तर पर मान्यता भी प्रदान करेगा। साथ ही, विदेशों में स्थित भारतीय दूतावासों को भी यह उत्तरदायित्व दिया जाना चाहिए कि वे स्थानीय स्तर पर ऐसे शिक्षकों की पहचान कर उन्हें समय-समय पर आवश्यक प्रशिक्षण उपलब्ध कराएं।

हिंदी सीखने वाले विदेशी छात्रों की भाषा पृष्ठभूमि, संस्कृति, और उद्देश्य भारत के छात्रों से भिन्न होते हैं। लेकिन वर्तमान में जो पाठ्यपुस्तकें और पाठ्यक्रम उपयोग में लाए जा रहे हैं, वे अधिकतर भारतीय छात्रों को ध्यान में रखकर बनाए गए हैं। इससे विदेशी विद्यार्थियों के लिए न तो भाषा सीखना सुगम होता है, न ही उनकी रुचि लंबे समय तक बनी रह पाती है। उदाहरण के लिए, भारतीय व्याकरण की गहन संरचनात्मक पढ़ाई शुरुआती विदेशी छात्रों के लिए बोझिल हो सकती है।

इसके अतिरिक्त, कई देशों में आधुनिक शिक्षण उपकरणों जैसे इंटरैक्टिव सामग्री, ऑडियो-विजुअल सहायता, ऑनलाइन अभ्यास, आदि की भी भारी कमी है। परिणामस्वरूप शिक्षण पारंपरिक ढाँचे में सीमित रह जाता है जो आज के युवाओं के लिए आकर्षक नहीं है। इस समस्या के समाधान के लिए एक बहुस्तरीय और लचीला पाठ्यक्रम तैयार किया जाना चाहिए जो विभिन्न स्तरों (शुरुआती, मध्यवर्ती, उन्नत) और उद्देश्य (सांस्कृतिक, रोजगारपरक, शैक्षणिक) के अनुसार अनुकूलित हो। इस कार्य में भारतीय भाषाविज्ञान संस्थानों, तकनीकी विशेषज्ञों और विदेशी भाषा विश्वविद्यालयों की साझेदारी होनी चाहिए। इससे सामग्री की गुणवत्ता और प्रसंगिकता दोनों बढ़ेगी।

आज का युग डिजिटल युग है और भाषा शिक्षा भी इससे अछूती नहीं रह सकती। लेकिन हिंदी भाषा सिखाने के डिजिटल माध्यम अब भी सीमित और अपर्याप्त हैं। हिंदी सीखने के लिए कुछ ऐप्स (जैसे ष्ठह्वशद्यद्बठ्ठद्द, ॥द्बठ्ठस्त्रद्ब, ॥द्बठ्ठस्त्रद्ब, आदि) उपलब्ध हैं, पर उनकी गुणवत्ता, व्यापकता और गहराई अभी विकसित देशों की भाषाओं के समान स्तर तक नहीं पहुँच पाई है। इसके अलावा, हिंदी में अच्छे ऑडियोबुक, इंटरैक्टिव वेबसाइट्स, वर्चुअल रियलिटी आधारित भाषा शिक्षण प्लेटफॉर्म या स्ह्लह्व्ह्ल कोर्स बहुत ही कम हैं। इसका एक बड़ा कारण यह भी है कि हिंदी भाषा को तकनीकी निवेश के लायक नहीं माना जाता, जिससे स्टार्टअप या डिजिटल कंटेंट निर्माता इस दिशा में ध्यान नहीं देते।

इस चुनौती का समाधान एक ॥द्बठ्ठस्त्रद्ब ष्ठद्बद्दद्बह्लड्डद्य स्द्बह्यद्बद्वशठ्ठ की स्थापना से हो सकता है, जिसमें सरकार, प्रौद्योगिकी कंपनियाँ, स्टार्टअप्स और भाषा शिक्षाविद मिलकर हिंदी के लिए उन्नत डिजिटल समाधान तैयार करें। इसमें द्ब आधारित अनुवाद, स्वचालित उच्चारण मूल्यांकन, संवादात्मक चैटबॉट, और ऑडियो-वीडियो आधारित पाठ शामिल किए जाएँ। इससे विदेशों में हिंदी सीखने वाले विद्यार्थियों को अधिक रुचिकर और सहज अनुभव मिलेगा।

भाषा की शिक्षा तभी व्यावहारिक बनती है जब वह जीवन में किसी उपयोग से जुड़ी हो। विदेशी विद्यार्थियों के लिए हिंदी सीखना एक रोचक अनुभव हो सकता है, लेकिन यदि इसका करियर में कोई प्रत्यक्ष लाभ न हो तो उनमें दीर्घकालिक रूचि बनाए रखना कठिन हो जाता है। हिंदी को वैश्विक मंच पर केवल सांस्कृतिक या साहित्यिक भाषा के रूप में प्रस्तुत करने की बजाय इसे व्यवसाय, पर्यटन, मीडिया, अनुवाद, और तकनीकी संवाद की भाषा के रूप में स्थापित करना आवश्यक है। उदाहरण के लिए, भारत में क्चक्कह्र सेक्टर, ट्रेवल और टूरिज्म, योग-आयुर्वेद सेवाओं और डिजिटल मार्केटिंग में काम करने वाले विदेशी युवाओं के लिए हिंदी का ज्ञान एक अतिरिक्त योग्यता हो सकता है।

यदि अंतरराष्ट्रीय विश्वविद्यालयों में हिंदी को इन क्षेत्रों से जोड़ते हुए पाठ्यक्रम तैयार किए जाएँ तो यह हिंदी को कैरियर उन्मुख बना सकता है। इसके साथ-साथ भारतीय कंपनियों और सरकारी विभागों को भी ऐसे कर्मचारियों की आवश्यकता महसूस करानी चाहिए जो हिंदी और अंग्रेजी दोनों में दक्ष हों। इससे हिंदी का वैश्विक औपचारिक उपयोग भी बढ़ेगा।

इन सभी समस्याओं का समाधान केवल व्यक्तिगत या संस्थागत प्रयासों से संभव नहीं है। इसके लिए एक समग्र और समन्वित नीति की आवश्यकता है जिसे वैश्विक हिंदी नीति (त्रद्यशड्ढड्डद्य ॥द्बठ्ठस्त्रद्ब क्कशद्यद्बष्4) कहा जा सकता है।

सम्पादकीय

ईरान के जवाबी हमले से घबराया इजराइल, नेतन्याहू बंकर में

ईरान और इजराइल के बीच युद्ध तेज हो गया है, यह टकराव इतिहास में एक नया अध्याय लिखने जा रहा है। इजराइल ने ईरान पर सुनियोजित रूप से कई परमाणु ठिकानों पर हमले किए। रिफाइनरी, एयरबेस, न्यूक्लियर ठिकानों से लेकर रेजिडेंशियल इलाकों मे इजराइल ने ईरान के कई इलाकों में भारी तबाही मचाई थी। जैसे ही रात का अंधेरा फैला, ईरान ने इजरायल के ऊपर जवाबी कार्रवाई की। ईरान के हमले से इजराइल कांप उठा। इजराइल को इस तरह के हमले की जरा भी उम्मीद नहीं थी। खासकर हाइफा पर हुए मिसाइल हमलों ने इजरायल के आर्थिक और सैन्य ढांचे को हिलाकर रख दिया। हाइफा पर भारत के अडानी समूह का नियंत्रण है। जहां इजराइल की सबसे बड़ी रिफाइनरी और प्रमुख पोर्ट स्थित हैं। हाइफा मे अब चारो ओर आग धधक रही है। पूरा हाईफा आग में झुलस रहा है। इससे अडानी समूह को भारी नुकसान हुआ है। वहीं इजराइल को भी भारी नुकसान उठाना पड़ा है। ईरान ने पहली बार हाइपरसोनिक मिसाइल का प्रयोग किया। जिससे इजराइल के एयर डिफेंस सिस्टम की नाकामी उजागर हो गई है। इस हमले में इजरायल की कई इमारतें धराशायी हो गई हैं। सैकड़ों लोग घायल हुए हैं। इजराइल के सभी क्षेत्रों में भय का माहौल देखने को मिल रहा है। इन हमलों से घबराए प्रधानमंत्री नेतन्याहू बंकर में जाकर छिप गये है। ईरान के जवाबी हमले इजराइल के लिए यह स्पष्ट संकेत है। ईरान के साथ यह लड़ाई अब आसान नहीं है। इजराइल कई वर्षों से हिजबुल्ला, हमास जैसे संगठनों से लड़ता आया है। ईरान का यह जो जवाबी हमला था, उसके सामने अब इजरायल पहली बार असहज हो गया है। अभी तक यह माना जाता था कि इजराइल का मुकाबला करने की स्थिति किसी के पास नहीं है। इजराइल के पास बाहरी हमलो को रोकने और दूसरे देशों में हमले करने की जो तकनीकी है। उसका कोई भी देश मुकाबला नहीं कर सकते हैं। ईरान के इस हमले से यह धारणा अब टूट गई है। अमेरिका की 7.4 अरब डॉलर की आपात मदद और मिसाइल आपूर्ति के बावजूद इजराइल के लिए यह युद्ध अब आसान नहीं रहा। ईरान ने पहली बार हाइपरसोनिक मिसाइल का प्रयोग किया। जिससे इजराइल के एयर डिफेंस सिस्टम की नाकामी उजागर हो गई है। इस हमले में इजरायल की कई इमारतें धराशायी हो गई हैं। सैकड़ों लोग घायल हुए हैं। इजराइल के सभी क्षेत्रों में भय का माहौल देखने को मिल रहा है। इन हमलों से घबराए प्रधानमंत्री नेतन्याहू बंकर में जाकर छिप गये है। ईरान के जवाबी हमले इजराइल के लिए यह स्पष्ट संकेत है। ईरान के साथ यह लड़ाई अब आसान नहीं है। चीन और रूस का खुला समर्थन ईरान को मिल रहा है। जिससे यह टकराव वैश्विक राजनीतिक लड़ाई में बदलता जा रहा है। भारत ऐतिहासिक रूप से ईरान का सहयोगी रहा है। भारत और ईरान के बीच हजारों वर्ष पुराने संबंध हैं। इस युद्ध में कूटनीतिक रूप से भारत निष्क्रिय और असमंजस की स्थिति में दिखाई दे रहा है। भारत की चुप्पी और ईरान से दूरी, चीन को मध्य-पूर्व में ताकतवर शक्ति के रूप में स्थापित कर रही है। भारत को समझना होगा, संतुलित और गुटनिरपेक्ष विदेश नीति ही भारत की पहचान रही है। वर्तमान में भारत का इजरायल के प्रति एकतरफा झुकाव न केवल भारत की विश्वसनीयता को नुकसान पहुंचाएगा। हमारी क्षेत्रीय भूमिका को भी वैश्विक स्तर पर कमजोर करेगा। इसका फायदा चीन उठा रहा है। जरूरत इस बात की है, भारत स्पष्ट रुख अपनाए। वर्तमान में अमेरिका और इजरायल जिस तरह से एकजुट होकर सारी दुनिया के देशों को धमका रहे हैं। अमेरिका के राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप जिस तरह से सारी दुनिया के देशों को टैरिफ बार के जरिए कंट्रोल करना चाहते थे। उसको लेकर अमेरिका का विरोध सारी दुनिया में बढा है। अमेरिका के मुकाबले चीन सबसे सशक्त भूमिका में नजर आने लगा है। पिछले दो दशक में चीन ने बिना किसी विवाद में पड़े, अपने व्यापार और कारोबार को तेजी के साथ बढ़ाया है। एशियाई देशों में समझौते के माध्यम से बहुत बड़े भूभाग पर चीन ने कब्जा किया है। चीन आर्थिक सामरिक और कूटनीति मे बड़ा शक्तिशाली हुआ है। भारत ही एक ऐसा देश है जो चीन के मुकाबले में खड़ा हो सकता है। चीन की कोशिश हमेशा भारत को आगे बढ़ने से रोकने की होती है। डोनाल्ड ट्रंप जिस तरीके की दादागिरी कर रहे हैं। उसको रोकने के लिए अब चीन और रूस जैसे शक्तिशाली देश ईरान के समर्थन में आकर खड़े हो गए हैं। जिसके कारण ईरान की स्थिति मजबूत हुई है। भारत की ईरान को लेकर चुप्पी, इजराइल के प्रति असाधारण प्रेम, पिछले दो वर्षों से फिलिस्तीन पर इजराइल के हमले से लाखों लोगों की मौत पर भारत की अनदेखी से भारत वैश्विक मंच पर बहुत कमजोर हुआ है। भारत के अपने पड़ोसी देशों के साथ संबंध खराब हुए हैं। ईरान जैसे देश के साथ हमारे वह रिश्ते नहीं रहे, जो पहले थे। युद्ध के खिलाफ, मानवता और कूटनीति का संतुलन भारत को हमेशा विशिष्ट बनाता रहा है। कुछ वर्षों में भारत वैश्विक स्तर पर काफी कमजोर हो गया है। चीन का प्रभाव बड़ी तेजी के साथ बढा है। ऐसी स्थिति में भारत को अपनी विदेश नीति, पड़ोसियों के साथ संबंध तथा दो सांड़ों की लड़ाई में भारत को कैसे सुरक्षित रखना है। इसके लिए सोच समझकर निर्णय लेने होंगे। चुप्पी साधने से कोई मामला हल नहीं होगा। जिस तरह की वैश्विक स्थितियां बन रही हैं उसमें तीसरे विश्व युद्ध की आशंका व्यक्त की जाने लगी है। ऐसी स्थिति में भारत की भूमिका अभी भी बहुत महत्वपूर्ण हो सकती है। भारत सरकार को इस दिशा में ध्यान देने की जरूरत है।

माता-पिता की सेवा तुल्य कोई पुण्य नहीं-जीवन का सुख इनके श्रीचरणों में

साथियों बात अगर हम वर्तमान परिपेक्ष्य की करें तो हमारे बड़े बुजुर्गों का ध्यान रखनें की जवाबदारी व जिम्मेदारी युवा वर्ग की अधिक है जिन्हें भारतमाता की गोद से मिले संस्कारों को प्राथमिकता से सजग होकर रेखांकित करना अनिवार्य है। बड़े बुजुर्गों की सेवा का उन्हें मान-सम्मान देकर अत्यधिक पुण्य कमाना है। क्योंकि जब कोई बुजुर्ग निशब्द तुम्हारा तुम्हारे झुके सिर पर अपनी कंपकंपाती उंगलियां फिरादे तो समझो वरदान खुशी और आशीर्वाद एकसाथ तुम्हें यूं ही मिल गया।

किशन सनमुखदास भावनानी

भारत आदि-अनादि काल से ही संस्कारों की खान रहा है। यहां की मिट्टी में ही गॉड गिफ्टेड संस्कारों की ऐसी अदृश्य शक्ति समाई हुई है कि मानवजन्म से ही संस्कारों की प्रतिभा मानवीय जीवों में समाहित हो जाती है इसमें कोई दो राय नहीं है!! परंतु जीव की उम्र बढ़ने के साथ-साथ पाश्चात्य संस्कृति की ललक अनेक अपवाद स्वरूपी मनीषियों में समाहित हो जाती है,जो बड़े बुजुर्गों का सम्मान तो नहीं परंतु अनादर करने पर उतारू हो जाते हैं? जिससे समाज में यह दूषित भावना पनपने का संदेह बना रहता है। इसलिए हम आज के युग में देख रहे हैं कि शासन-प्रशासन सामाजिक संस्थाएं, बुद्धिजीवी वर्ग, बड़े बुजुर्गों का सम्मान सुनिश्चित करने हमारी हजारों वर्ष पुरानी परंपरा, धरोहर और वैचारिक शक्तिबल को संरक्षित, सुरक्षित करने के लिए अनेक वेबिनार, कार्यक्रम, अभियान चलाए जा रहे हैं। साथियों बात अगर हम वर्तमान परिपेक्ष्य की करें तो हमारे बड़े बुजुर्गों का ध्यान रखनें की जवाबदारी व जिम्मेदारी युवा वर्ग की अधिक है जिन्हें भारतमाता की गोद से मिले संस्कारों को प्राथमिकता से सजग होकर रेखांकित करना अनिवार्य है। बड़े बुजुर्गों की सेवा का उन्हें मान-सम्मान देकर अत्यधिक पुण्य कमाना है। क्योंकि जब कोई बुजुर्ग निशब्द तुम्हारा तुम्हारे झुके सिर पर अपनी कंपकंपाती उंगलियां फिरादे तो समझो वरदान खुशी और आशीर्वाद एकसाथ तुम्हें यूं ही मिल गया क्योंकि बड़े बुजुर्गों में ईश्वर अल्लाह का एक रूप समाहित होता है।

साथियों बात अगर हम वरदान खुशी और आशीर्वाद की करें तो वैश्विक स्तरपर भारत सबसे पुरानां आध्यात्मिकता में गहरीआस्था रखने वाला देश है यहां आध्यात्मिकता का विस्तार तेजी से हुआ है जो एक अच्छी बात है परंतु मेरा मानना है कि उसी तेजी के साथ मनीषियों की आस्था माता-पिता, बड़े बुजुर्गों के मान सम्मान सेवाभाव के प्रति अपेक्षाकृत कम होकर संकुचित होने के संकेत हाल के पश्चात संस्कृति की घुसपैठ के चलते मिल रहे हैं।

कई परिवार टूट रहे हैं, वृद्धाआश्रमों में बुजुर्गों की तादाद बढ़ रही है आखिर ऐसा क्यों ? मैंने अनेक ऐसे मनीषियों को भी देखा है जो अपने माता-पिता बड़े बुजुर्गों से तो अलग रहते हैं, उनकी सेवा खुशी का ध्यान नहीं परंतु आध्यात्मिकता क्षेत्र में उनके नामपर बहुत बड़े सेवा भावी होंनें और आस्था का डंका बजता है यह देख मुझे बहुत हैरानी होती है!!!

साथियों बात अगर हम ऐसे बड़े बुजुर्गों की करें जिनको अपनों ने ठुकराया है तो मैंने स्वयंम कुछ बुजुर्गों से बात की तो उनका बड़प्पन देखिए कि अपने दुख दर्द बांटने की अपेक्षा उन्होंने अपनों की तारीफ ही की!!! वाह क्या बात है!!! आप ईश्वर अल्लाह के तुल्य हैं कहकर अनायास ही मेरे हाथ उनके चरणों में झुक गए तो उनकी आंखों में आंसू आ गए।

साथियों ऐसे अनेक पीड़ित हर मेट्रोसिटी, शहर, गांव में हैं ऐसे किस्से हमें अपने शहरों में भी ज़रूर देखने को मिलते होंगे जिसे हम सब को मिलकर इस स्थिति को बदलना की ओर कदम बढ़ाना ही होगा।

साथियों बात अगर हम बड़े बुजुर्गों के वरदान खुशी और आशीर्वाद की करें तो मेरा मानना है कि इनकी आशीर्वाद वरदान इस सृष्टि में सबसे बड़ा है इसके तुल्य किसी आध्यात्मिक आस्था में आशीर्वाद वरदान नहीं होंगे बस हम मनीषियों को यह बात अपने हृदय व मस्तिष्क में फिट करनी होगी।

साथियों बात अगर हम नई पीढ़ी, युवकों की करें तो, बूढ़े व्यक्ति के पास स्मृतियां, जवान के पास कल्पनाएं हैं, यदि घर-घर दोनों का मेल बने तो कमाल हो जायेगा। धरती पर स्वर्ग उतर आयेगा! जबकि नई पीढ़ी को चाहिए माता-पिता के उत्तम गुणों के वारिस बनें, अपने बड़ों को मान दें, क्योंकि वृद्धों का जो वर्तमान है, वही युवाओं का भविष्य है। इसलिए यदि नई पीढ़ी अपने बड़े-बुजुर्गों का आशीर्वाद वरदान लेंने, उनका देवताओं की तरह पूजन करने, मिलकर रहने, सहयोग करने की सोच अपना ले, तो घरों के अन्दर प्रेम, सद्भाव जाग जाएगा और धरती में स्वर्ग उतर आयेगा।

साथियों जरूरत है युवा-वर्ग माँ-बाप की अवहेलना न करे। बड़ों के प्रति सम्मान की भावना रहे। क्योंकि बूढ़ी आंखों में जब आंसू आते हैं, हृदय पर जब व्यंग बाण लगते हैं, शरीर काम नहीं करता और नींद आती नहीं तो ऐसे में व्यक्ति का जीना कठिन हो जाता है। वैसे भी बड़े-बुजुर्ग हमारी अमूल्य सम्पत्ति हैं। उनके पास अनुभवों का खजाना है, अत: उनके अनुभवों का लाभ उठाएं। कभी भूलकर भी उनसे अपशब्द न कहें। साथ ही अपने बच्चों को बड़ों के पास बैठने का अवसर दिया करें, क्योंकि उनके आशीर्वादों से बच्चे फलते-फूलते हैं। अन्य लोग स्वयं भी बुजुर्गों के पास दो मिनट बैठकर उनकी बात सुनें, उनका हाल-चाल पूछें। जिस व्यक्ति के सिर पर माँ-बाप का साया है, वह धन्य है। घर में बड़े बुजुर्गों का होना बहुत सौभाग्य माना जाता है और माँ-बाप की सेवा करने वाली सन्तान श्रेष्ठ। बच्चे को माता-पिता से आशीर्वाद माँगना नहीं पड़ता, अपने आप हृदय से मिल जाता है और माँ-बाप के हृदय से निकले हुए।

आईएसआई का चेहरा हैं यूनुस

बी पी गौतम

बांग्लादेश में अंतरिम सरकार के मुख्य सलाहकार मोहम्मद यूनुस के क्रिया-कलापों से अब स्पष्ट हो गया है कि वे पाकिस्तान और आईएसआई का चेहरा हैं। बांग्लादेश अब, उस राह पर चल रहा है, जिस राह पर कट्टरपंथी और आईएसआई चलाना चाहती थी, इसीलिये 1949 में गठित हुई, उस आवामी लीग को प्रतिबंधित कर दिया गया है, जिसने 1971 में मुक्ति संग्राम का नेतृत्व किया था और मुक्ति संग्राम के दौरान बांग्लाभाषियों की हत्या एवं महिलाओं का यौन उत्पीड़न करने वाली जमात-ए-इस्लामी से प्रतिबंध हटा दिया गया है, साथ ही फांसी की सजा पा चुके एटीएम अजहरुल इस्लाम को दोष मुक्त कर दिया गया है एवं मोहम्मद यूनुस चीन की गोद में बैठने को उतावले दिखाई दे रहे हैं। उदारवादी बांग्लादेश को कट्टरपंथी देश बनाने का प्रयास किया जा रहा है, जिससे मोहम्मद यूनुस का चेहरा बेनकाब हो गया है, वे अलोकप्रिय होते जा रहे हैं, इसलिये वे जहां भी जाते हैं, वहां उनके विरुद्ध जमकर प्रदर्शन किये जाते हैं, इस स्टोरी में बांग्लादेश में चल रही गतिविधियों पर ही चर्चा कर रहे हैं बीपी गौतम... ब्रिटेन में हुआ यूनुस का जोरदार विरोध बांग्लादेश में अंतरिम सरकार के मुख्य सलाहकार मोहम्मद यूनुस को ब्रिटेन के लंदन में प्रदर्शनकारियों के गुस्से का सामना करना पड़ा। सैकड़ों ब्रिटिश बांग्लादेशी मोहम्मद यूनुस के होटल के बाहर जमा हो गये और यूनुस गो बैक के नारे लगाने लगे। अवामी लीग की यूके शाखा और अन्य संबंधित संगठनों से जुड़े प्रदर्शनकारियों ने मोहम्मद यूनुस के प्रशासन पर मानवाधिकारों के उल्लंघन, लिंचिंग, हत्याओं और बांग्लादेश में कानून व्यवस्था बर्बाद करने का आरोप लगाया। प्रदर्शनकारियों ने तख्तियां पकड़ी हुई थीं, जिन पर लिखा था कि यूनुस भीड़तंत्र के निर्माता, जिहादियों को मुक्त करने और देशभक्तों को जेल में डालने वाले हैं, उनके इस्तीफे की मांग भी की गई। प्रदर्शनकारियों ने यूनुस के खिलाफ नारे लगाये और उनके पुतले को जूतों की माला पहनाई। मोहम्मद यूनुस और उनके प्रेस सचिव शफीकुल आलम की तस्वीरें कूड़ेदान में डाल दी गईं। अवामी लीग समर्थकों ने सड़कों पर बैनर और पोस्टर लेकर शेख हसीना के समर्थन में नारे लगाये। यूनुस के प्रेस सचिव शफीकुल आलम को भी भारी विरोध का सामना करना पड़ा है, उन्हें प्रदर्शनकारियों से बचने के लिये पिछले दरवाजे से होटल से बाहर निकलना पड़ा लेकिन, प्रवासी बांग्लादेशियों ने उनके साथ दुर्व्यवहार करना शुरू कर दिया और पीछा करने की कोशिश की, वह ब्रिटिश पुलिस सुरक्षा से घिरे होने के कारण किसी तरह बच पाये, इसके पहले जापान दौरे के दौरान मोहम्मद यूनुस को इसी तरह के विरोध प्रदर्शन का सामना करना पड़ा था। यूनुस की लोकप्रियता बांग्लादेश में भी लगातार कम होती दिख रही है। अंतरिम सरकार और बांग्लादेश की सेना के अंदर तनाव बढ़ गया है, कई लोगों ने पिछले साल शेख हसीना को हटाये जाने के बाद देश को बेहतर बनाने के लिये पर्याप्त प्रयास न करने के लिये यूनुस को दोषी ठहराया है। शेख हसीना के बोलने पर भी है यूनुस को आपत्ति मोहम्मद यूनुस ने बुधवार को कहा कि प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने पूर्व प्रधानमंत्री शेख हसीना को भारत की धरती से राजनीतिक बयान देने पर रोक लगाने की उनकी मांग को अनसुना कर दिया। युनूस ने कहा कि जब अप्रैल में बैंकॉक में बिम्सटेक शिखर सम्मेलन के दौरान द्विपक्षीय बैठक हुई थी तो, उन्होंने भारतीय धरती से शेख हसीना को राजनीतिक बयान देने से रोकने के लिये पीएम मोदी से अपील की थी। लंदन के चैटम हाउस में बातचीत के दौरान यूनुस ने कहा कि भारत से शेख हसीना के प्रत्यर्पण के प्रयास जारी रहेंगे, उन्होंने कहा कि भारत से हम बहुत अच्छा रिश्ता रखना चाहते हैं, वह हमारा पड़ोसी है।

खास बात

केसीआर आये जनता के सामने

तेलंगाना के पूर्व मुख्यमंत्री चंद्रशेखर राव पिछले कई महीनो से सार्वजनिक कार्यक्रमों में नहीं आ रहे थे। हाल ही में वह कोलावरम बांध परियोजना से जुड़े मामले की जांच में शामिल हुए। इसके लिए पार्टी ने बड़े पैमाने पर इंतजाम किए थे।भारी भीड़ जुटाई गई थी। जांच एजेंसी को उन्होंने सरकार के फैसले को सही बताया। कई महीनो के बाद के चंद्रशेखर राव भारी भीड़ के साथ अवतरित हुए हैं। परिवार में जो झगड़ा चल रहा है। भाई बहन के बीच के झगड़े को सुलझाने का प्रयास कर रहे हैं। पार्टी और परिवार को जो नुकसान हुआ है। उसके बाद अब समझौता ही एकमात्र रास्ता बचा है। चंद्रशेखर की पार्टी भारत राष्ट्रीय समिति एक बार पुन : सक्रिय होगी।

भाजपा राष्ट्रीय अध्यक्ष पद के चुनाव की तारीख पर तारीख

भारतीय जनता पार्टी राष्ट्रीय अध्यक्ष के चुनाव के लिए संगठन द्वारा बार-बार तारीख पर तारीख का ऐलान किया जा रहा है। हर बार बिना किसी कार्रवाई के तारीख बढ़ जाती है। राष्ट्रीय अध्यक्ष का कार्यकाल लोकसभा के चुनाव तक के लिए बढ़ाया गया था। इसके बाद कहा गया था,21 जुलाई तक पार्टी को नया राष्ट्रीय अध्यक्ष मिल जाएगा। उसके बाद पूरा साल निकल गया। राष्ट्रीय अध्यक्ष का चुनाव नहीं हुआ।संगठन ने अप्रैल 2025 की तारीख तय की थी। वह भी निकल गई है। इसके बाद कहा गया की 9 जून तक पार्टी को नया अध्यक्ष मिल जाएगा। 9 जून की तारीख भी निकल गई है। अब कहा जा रहा है, संसद सत्र के पहले भाजपा का राष्ट्रीय अध्यक्ष चुन लिया जाएगा। भाजपा तुरंत निर्णय लेने की बात करती है। लंबे समय तक भाजपाअपने राष्ट्रीय अध्यक्ष को ही नहीं चुन पाई।

राज्यों के प्रदेश अध्यक्ष भी नहीं चुन पा रही है भाजपा ?

भारतीय जनता पार्टी के प्रदेश अध्यक्षों के चुनाव नहीं हो पाए हैं। जिसके कारण राष्ट्रीय अध्यक्ष का भी चुनाव नहीं हो पा रहा है।अब कहा जा रहा है, 21 जून 2025 तक भाजपा के आधे से अधिक राज्यों के चुनाव करा लिए जाएंगे। अभी केवल 14 राज्यों के चुनाव हुए हैं। उत्तर प्रदेश, महाराष्ट्र, गुजरात, मध्य प्रदेश, पश्चिम बंगाल, तेलंगाना, झारखंड इत्यादि राज्यों के चुनाव नहीं हो पा रहे हैं। यहां पर भाजपा नेताओं के बीच आम सहमति नहीं बन पा रही है। इसके कारण बार-बार राष्ट्रीय अध्यक्ष के लिए तारीख पर तारीख देनी पड़ रही हैं। राष्ट्रीय अध्यक्ष के नाम पर भी संघ और भाजपा संगठन के बींच सहमति नहीं बन पा रही है। जिसके कारण प्रदेश और केंद्रीय संगठन के चुनाव टलते चले आ रहे हैं। मोदी और शाह की जोड़ी की मुसीबतें लगातार बढ़ती चली जा रही हैं। जिसके कारण राष्ट्रीय अध्यक्ष का चुनाव भाजपा के गले में हड्डी की तरह अटक गया है।

डिप्टी स्पीकर का चुनाव कराना ही होगा ?

पिछले दो कार्यकाल में प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने लोकसभा में डिप्टी स्पीकर का चुनाव नहीं होने दिया। तीसरे कार्यकाल में भी डिप्टी स्पीकर का चुनाव अभी तक नहीं हुआ है।इसको लेकर कांग्रेस ने अब शंखनाद कर दिया है। कांग्रेस अध्यक्ष मल्लिकार्जुन खड़गे ने प्रधानमंत्री को चिट्ठी लिखकर संविधान के प्रावधानों का हवाला दिया है परंपरा के अनुसार डिप्टी स्पीकर का पद विपक्ष को मिलना चाहिए, यह भी मांग कर दी है। डिप्टी स्पीकर तो सरकार को चुनना ही पड़ेगा। यह अलग बात है, यह पद वह विपक्ष को दे। या सरकार अपने ही किसी सहयोगी दल को देकर अपना डिप्टी स्पीकर बना ले। कांग्रेस इस समय आक्रामक मुद्रा में है। वह डिप्टी स्पीकर का चुनाव कराकर ही मानेगी।

चिंतन-मनन

उपाय भी ठीक से हो

एक सास ने बहू से कहा, बहूरानी! मैं अभी बाहर जा रही हूं। एक बात का ध्यान रहे, घर में अंधेरा न घुसने पाए। बहू बहुत भोली थी। सास चली गई, सांझ होने को आई। उसने सोचा कि अंधेरा कहीं घुस न जाए, सारे दरवाजे बंद कर दिए। सब खिड़कियां बंद कर दीं। दरवाजे के पास लाठी लेकर बैठ गई। सोचा- दरवाजा खुला नहीं है, कोई खिड़की खुली है, कहीं भी कोई छेद नहीं। आएगा तो दरवाजा खटखटाएगा, लाठी लिए बैठी हूं, देखती हूं कैसे अन्दर आएगा। पूरी व्यवस्था कर दी। अंधेरा गहराने लगा। सोचा, कहां से आ गया! कहीं भी तो कोई रास्ता नहीं है। हो न हो दरवाजे से ही आ रहा है। अन्धकार को पीटना शुरू कर दिया। काफी पीटा कि निकल जाओ मेरे घर से! मेरी सास की मनाही है कि तुम्हें भीतर घुसना नहीं है! खूब लाठियां बजाई। लाठी टूटने लगी। हाथ छिल गए। लहूलुहान हो गए। अंधेरा तो नहीं गया। परेशान हो गई। सास आई। दरवाजा खोला। कहा, यह क्या किया? मैंने कहा था कि अंधेरे को मत आने देना घर में। वह बोली, देखो, मेरे हाथ देख लो। लहूलुहान हो गए। लाठी टूट गई। मैंने बहुत समझाया, बहुत रोका, पर इतना जिद्दी है कि माना ही नहीं और यह तो घुस ही गया। सास ने सिर पर हाथ रखा। कहा, बहूरानी! अंधेरे को ऐसे मिटाया जाता है? क्या अंधेरा ऐसे मिटता है? समझी नहीं तुम बात को। सास ने दीया जलाया, अंधेरा समाप्त हो गया। उपाय के बारे में हमारी जानकारी सही नहीं होती तो हम प्रयत्न तो करते हैं, परिश्रम करते हैं, पर अंधेरा मिटता नहीं।

राशिफल

शुभ संवत 2082, शाके 1947, सौम्य गोष्ठ, आषाढ़ कृष्ण पक्ष, ग्रीष्म ऋतु, गुरु अस्त, पश्चिमे शुक्रोदय पूर्वे तिथी पंचमी, सोमवासरे, घनिष्ठा नक्षत्रे, वैश्य योगे, तैतिल करणे, मकर की चंद्रमा, कुंभ की चंद्र, दोपहर बाद सौर आषाढ़ मास प्रारंभ, पंचक प्रारंभ दिन के 13/26 जातकर्म, नामाकरण, तथापि पश्चिम दिशा की यात्रा शुभ तथा उत्तम होगी।

आज जन्म लिए बालक का फल: आज जन्म लिया बालक योग्य, बुद्धिमान, जिद्दी-हठी, स्वाभिमानी, कुशल वक्ता-अधिवक्ता, सेना का सिपाही, कमाण्डर, ब्रिगेडियर, सेना नायक, दस्ता नायक, कुशल कारीगर होगा।

मेष- धन लाभ एवं योजनाएं फलीभूत हों, कार्य कुशलता से पूर्ण संतोष अवश्य होगा, ध्यान रखें।

वृष- मनोवृत्ति संवेदनशील रहे, आशानुकूल सफलता का हर्ष होगा, समय स्थिति का ध्यान रखें।

मिथुन- मनोबल उत्साह वर्धक रहे, व्यावसायिक क्षमता में वृद्धि होगी, कार्यकुशलता से संतोष होगा।

कर्क- मनोबल संवेदनशील रहे, भाग्य का सितारा साथ देगा, बिगड़े हुए कार्य अवश्य ही बनेंगे।

सिंह- धन लाभ, आशानुकूल सफलता का हर्ष, कार्य कुशलता से संतोष व्यावसाय अनुकूल होगा।

कन्या- इष्ट मित्रों से मान-प्रतिष्ठा, प्रभुत्व वृद्धि, समय पर सोचे कार्य पूर्ण हो जायेंगे

तुला- कुटुम्ब की समस्याओं में धन व्यय होगा तथा भ्रमणशील स्थिति बनी रहेगी।

वृश्चिक- आर्थिक योजना पूर्ण होगी, सफलता के साधन बने, इष्ट मित्र सुख वर्धक होंगे, कार्य बनेंगे।

धनु- धन लाभ, अधिकारियों से मेल मिलाप होगा, कार्य कुशलता स्थिति अच्छी सुलभ हो जायेगी।

मकर- कार्यवृत्ति में सुधार, स्थिति में नियंत्रण रखें, स्त्री वर्ग से हर्ष-उल्लास अवश्य ही होगा।

कुम्भ- विशेष कार्य स्थिगित रखें, मानसिक उद्विघ्नता बनेगी, कार्य अवरोध संभव होगा।

मीन- प्रयास सफल हों, इष्ट मित्र सहायक रहेंगे, दैनिक कार्य उत्तम, सफलता अवश्य मिलेगी।

पीएल गौतमाचार्य

दैनिक पंचांग

16 जून 2025 को सूर्योदय के समय की ग्रह स्थिति

ग्रह स्थिति		लग्नारंभ समय	
सूर्य	मिथुन में	मिथुन	05.14 बजे से
चंद्र	मकर में	कर्क	07.28 बजे से
मंगल	सिंह में	सिंह	09.44 बजे से
बुध	मिथुन में	कन्या	11.56 बजे से
गुरु	मिथुन में	तुला	14.06 बजे से
शुक्र	मेष में	वृश्चिक	16.21 ब.से
शनि	मीन में	धनु	18.37 बजे से
राहु	कुंभ में	मकर	20.42 बजे से
केतु	सिंह में	कुंभ	22.29 बजे से
राहुकाल		मीन	00.02 बजे से
7.30 से 9.00		मेष	01.32 बजे से
बजे तक		वृष	03.12 बजे से

सोमवार 2025 वर्ष का 167 वा दिन
दिशाशूल पूर्व **ऋतु** वर्षा।
विक्रम संवत् 2082 **शक संवत्** 1947
मास आषाढ़ (दक्षिण भारत में ज्येष्ठ)
पक्ष कृष्ण
तिथि पंचमी 15.32 बजे को समाप्त।
नक्षत्र धनिष्ठा 01.14 बजे रात्र को समाप्त।
योग वैधृति 11.07 बजे को समाप्त।
करण तैतिल 15.32 बजे तदनन्तर गर 03.13 बजे रात्र को समाप्त।
चन्द्रायु 19.9 घण्टे
रवि क्रान्ति उत्तर 23°21'
सूर्य उत्तरायन
कलि अहर्गण 1872377
जूलियन दिन 2460842.5
कलियुग संवत् 5125
कल्पारंभ संवत् 1972949123
सृष्टि ग्रहारंभ संवत् 1955885123
वीरनिर्वाण संवत् 2551
हिजरी सन् 1446
महीना जिल्हेज **तारीख** 19

दिन का चौघड़िया			रात का चौघड़िया		
अमृत	05.53 से	07.22 बजे तक	चर	05.43 से	07.14 बजे तक
काल	07.22 से	08.50 बजे तक	रोग	07.14 से	08.45 बजे तक
शुभ	08.50 से	10.19 बजे तक	काल	08.45 से	10.17 बजे तक
रोग	10.19 से	11.48 बजे तक	लाभ	10.17 से	11.48 बजे तक
उद्वेग	11.48 से	01.17 बजे तक	उद्वेग	11.48 से	01.19 बजे तक
चर	01.17 से	02.45 बजे तक	शुभ	01.19 से	02.51 बजे तक
लाभ	02.45 से	04.14 बजे तक	अमृत	02.51 से	04.2 बजे तक
अमृत	04.14 से	05.43 बजे तक	चर	04.22 से	05.53 बजे तक

चौघड़िया शुभाशुभ- शुभत्व श्रेष्ठ शुभ, अमृत व लाभ, **मध्यम** चर, **अशुभ** उद्वेग, रोग व काल। सभी समय भारतीय मानक समय की मध्य रेखा बिन्दु के आधार पर है अत: आप अपने स्थानीय समयानुसार ही देखें। ■ Jagrutidaur.com, Bangalore

कोयल की तरह ही चातक देती है दूसरों के घोंसलों में अंडे

माथे पर किलंगी और काले सफ़ेद पंख चातक पक्षी की खासियत होते हैं। प्राचीन साहित्य में चातक का यह विवरण उसके पारिस्थितिकी व्यवहार से काफी मेल खाते हैं। यह मौसम इसका प्रजनन काल भी है। प्रजनन के इस समय में नर दिनभर तरह तरह की कोकिल ध्वनियों से लगातार मादा को आकर्षित करने की कोशिश करते हैं। इस मौसम की शुरुआत में ये पक्षी उत्तर भारत के विभिन्न क्षेत्रों में प्रवास करते हैं।

हल्के नीले रंग के होते हैं अंडे

कोयल की तरह चातक पक्षी भी अन्य पक्षियों के घोंसलों में अपने अंडे देती है। जून से अगस्त तक चलने वाले प्रजनन काल की शुरुआत में मादाएं मेज़बान पक्षियों के घोंसलों की तलाश में रहती हैं। इन चातक के अंडे भी गैगई पक्षी के अंडों के समान हल्के, नीले रंग व छोटे आकार के होते है। गैगई, जिन्हें 7-10 के झुंड में घूमने के कारण लोक भाषा में सातभाई या बहन भी कहा जाता है, चातक के बहुत ही चहेते होते हैं। मादा चातक अक्सर अंडे देते वक्त मेजबान के अंडों को क्षतिग्रस्त कर देती हैं। पंखों के विकास होने तक गैगई अपने व चातक के चूजों में भेद नहीं कर पाती और सबका भरण-पोषण समान रूप से करती हैं।

भारत में होती हैं दो प्रजातियां

भारत में चातक की दो विशिष्ट उप प्रजातियां पाई जाती हैं। एक क्लैमेटर जैकोबिनस जैकोबिनस और दूसरी उत्तर भारत से आने वाली उप-प्रजाति क्लैमेटर जैकोबिनस पिका होती है। इनका मुख्य भोजन कीट-पतंगे होते हैं, लेकिन कभी कभी फलों को भी खूब चाव से खाते हैं।

प्यासा मर जाएगा पर इधर-उधर का पानी नहीं पीता चातक

धरती पर मौजूद हर जीव को जिंदा रहने के लिए दाना-पानी तो चाहिए ही. कीड़े-मकोड़ो की बात नहीं कर रहा. कम से कम इंसानों, पशु-पक्षियों वगैरह के लिए तो हवा के बाद दूसरी सबसे जरूरी चीज है पानी. खाने के बगैर तो इंसान कुछ दिन जिंदा रह सकता है लेकिन पानी के बगैर तो प्यार से ही मर जाएगा. पक्षियों के साथ भी ऐसा ही है. लेकिन आज हम एक ऐसे पक्षी के बारे में बात करने जा रहे हैं, जो प्यास के मारे मर जाएगा, लेकिन इधर-उधर का पानी पीना इसे मंजूर नहीं! आप सोच रहे होंगे, ये भला कैसा पागलपन है... लेकिन इस पक्षी की तो यही कहानी है. गर्मियों में अक्सर हम पशुओं के लिए छतों पर और आंगन में किसी बर्तन में पानी रख देते हैं. तमाम पक्षी आकर वे पानी पी लेंगे, लेकिन चातक पक्षी प्यासा होने के बावजूद ऐसा नहीं करेगा. चातक पक्षी केवल बारिश का ही पानी ही पिया करता है. यह चिड़िया किसी झील, तालाब, नदी वगैरह का पानी नहीं पीती है. भले ही वह प्यासा ही मर क्यों न जाए, लेकिन यह बारिश के अलावा कोई पानी नहीं पीती. चातक पक्षी, केवल बारिश के पानी से ही अपनी प्यास बुझाता है. ऐसा कहा जाता है कि यह पक्षी बहुत प्यासा है और इसे बिल्कुल साफ पानी के झील में भी छोड़ दिया जाए, तो भी यह पानी नहीं पिएगा. इस स्थिति में पानी पीने के लिए ये अपनी चोंच भी नहीं खोलेगा. बारिश के अलावा यह किसी भी दूसरे सोर्स से पानी नहीं पीता है. चातक कीटभक्षी पक्षी होता है. कीट-फतंगों के अलावा इसे फल खाते भी देखा गया है. चातक पक्षी की एक अलग बात ये भी है कि ये दूसरे पक्षियों के घोसले में अपने अंडे दिया करते हैं. ये पक्षी बुलबुल ओर बब्बलर जैसे पक्षियों के घोंसले में अपने अंडे देते हैं. चातक पक्षी मुख्य तौर पर एशिया और अफ्रीका महाद्वीप का पक्षी है. बात करें भारत की तो ये पक्षी उत्तराखंड में पाया जाता है. गढ़वाल में इसे चातक की बजाय चोली बुलाया जाता है. इसे मारवाड़ी/राजस्थानी में मघवा और पपिया भी कहा जाता है.

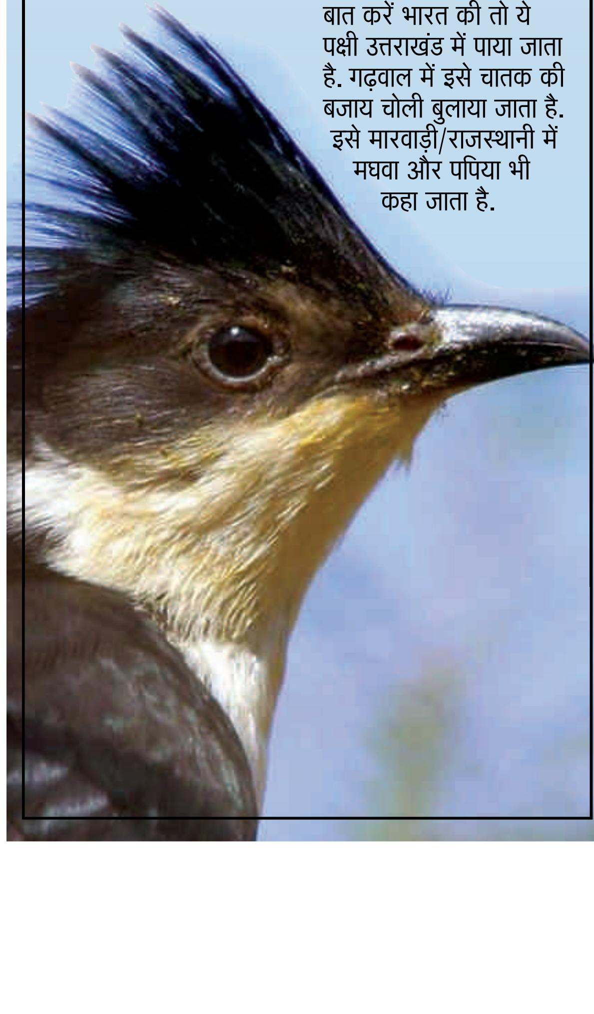

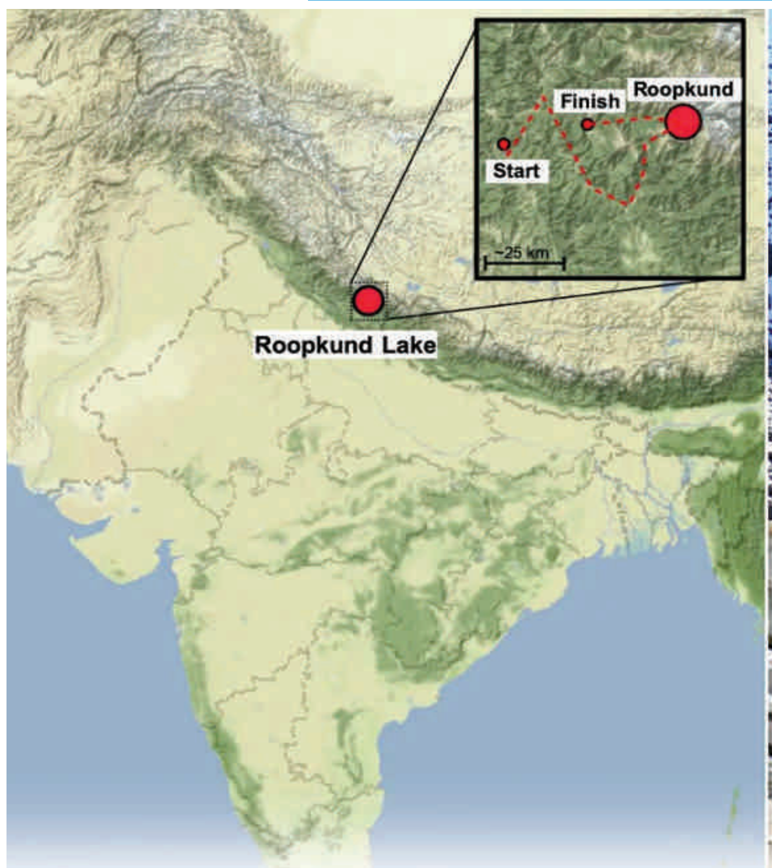

भारत की कंकालों वाली झील का रहस्य

भारत के हिस्से में आने वाले हिमालयी क्षेत्र में बर्फीली चोटियों के बीच स्थित रूपकुंड झील में एक अरसे से इंसानी हड्डियां बिखरी हैं. रूपकुंड झील समुद्रतल से क़रीब 16,500 फीट यानी 5,029 मीटर की ऊंचाई पर मौजूद है. ये झील हिमालय की तीन चोटियों, जिन्हें त्रिशूल जैसी दिखने के कारण त्रिशूल के नाम से जाना जाता है, के बीच स्थित है.त्रिशूल को भारत की सबसे ऊंची पर्वत चोटियों में गिना जाता है जो कि उत्तराखंड के कुमाऊं क्षेत्र में स्थित हैं.

आधी सदी से अनसुलझी है पहेली रूपकुंड झील को कंकालों की झील कहा जाता है. यहां इंसानी हड्डियां जहां-तहां बर्फ़ में दबी हुई हैं. साल 1942 में एक ब्रिटिश फॉरेस्ट रेंजर ने गश्त के दौरान इस झील की खोज की थी. तकरीबन आधी सदी से मानवविज्ञानी और वैज्ञानिक इन कंकालों का अध्ययन कर रहे हैं. वहीं, बड़ी संख्या में पर्यटक यहां आते हैं और ये झील उनकी जिज्ञासा का कारण बनी हुई है. साल के ज़्यादातर वक़्त तक इस झील का पानी जमा रहता है, लेकिन मौसम के हिसाब से यह झील आकार में घटती - बढ़ती रहती है. जब झील पर जमी बर्फ़ पिघल जाती है तब ये इंसानी कंकाल दिखाई देने लगते हैं. कई बार तो इन हड्डियों के साथ पूरे इंसानी अंग भी होते हैं जैसे कि शरीर को अच्छी तरह से संरक्षित किया गया हो. अब तक यहां 600 से 800 लोगों के कंकाल पाए गए हैं. पर्यटन को बढ़ावा देने के लिए उत्तराखंड की सरकार इसे रहस्यमयी झील के तौर पर बताती है.

कंकालों वाली झील

गुज़री आधी सदी से ज्यादा वर्षों से वैज्ञानिकों ने इस झील में पड़े कंकालों का अध्ययन किया है और कई अनसुलझी पहेलियों को सुलझाने की कोशिश की है. उनके सामने कई सवाल थे. मसलन, ये कंकाल किन लोगों के हैं? इन लोगों की मौत कैसे हुई? ये लोग कहां से यहां आए थे? इन मानव कंकालों को लेकर एक पुरानी कहानी यह बताई जाती है कि ये कंकाल एक भारतीय राजा, उनकी पत्नी और उनके सेवकों के हैं. 870 साल पहले ये सभी लोग एक बर्फ़ीले तूफ़ान का शिकार हो गए थे और यहीं दफ़न हो गए थे.

कंकालों को लेकर कई थ्योरी

एक अन्य थ्योरी के मुताबिक़, इनमें से कुछ कंकाल भारतीय सैनिकों के हैं जो कि 1841 में तिब्बत पर कब्ज़ा करने की कोशिश कर रहे थे और जिन्हें हराकर भगा दिया गया था. इनमें से 70 से ज़्यादा सैनिकों को हिमालय की पहाड़ियों से होते हुए वापस लौटना पड़ा और रास्ते में उनकी मौत हो गई. एक अन्य कहानी के अनुसार माना जाता है कि यह एक कब्रगाह हो सकती है जहां किसी महामारी के शिकार लोगों को दफ़नाया गया होगा. इस इलाक़े के गांवों में एक प्रचलित लोकगीत गाया जाता है. इसमें बताया जाता है कि कैसे यहां पूजी जाने वाली नंदा देवी ने एक 'लोहे जैसा सख़्त तूफ़ान' खड़ा किया जिसके कारण झील पार करने वालों की मौत हो गई और वे यहीं झील में समा गए.

महिलाओं के कंकाल भी मौजूद

कंकालों को लेकर किए गए शुरुआती अध्ययनों से पता चला है कि यहां मरने वाले अधिकतर लोगों की ऊंचाई सामान्य से अधिक थी. इनमें से ज़्यादातर मध्यम आयुवर्ग के थे जिनकी उम्र 35 से 40 साल के बीच रही होगी. इनमें उम्रदराज़ महिलाओं के भी कंकाल हैं लेकिन बच्चों का कोई भी कंकाल नहीं है. इन सभी का स्वास्थ्य अच्छा रहा होगा. साथ ही आमतौर पर ये माना जाता है कि ये कंकाल एक ही समूह के लोगों के हैं जो कि नौवीं सदी के दौरान किसी अचानक आई किसी आपदा के दौरान मारे गए थे. पांच साल तक चले एक हालिया अध्ययन में कहा गया है कि ये सभी कयास शायद सच नहीं हैं. इस अध्ययन में भारत समेत जर्मनी और अमेरिका के 16 संस्थानों के 28 सह-लेखक शामिल रहे हैं. वैज्ञानिकों ने जेनेटिक रूप से और कार्बन डेटिंग के आधार पर झील में मिले 38 इंसानी अवशेषों का अध्ययन किया. इनमें 15 महिलाओं के अवशेष शामिल हैं. इनमें से कुछ 1,200 साल पहले के हैं. अध्ययनकर्ताओं ने पाया है कि मरे हुए लोग जेनेटिक रूप से अलग-अलग हैं और उनकी मौतों के बीच में 1,000 साल तक का अंतर है. अध्ययन की मुख्य लेखिका ईडेओइन हार्ने हार्वर्ड यूनिवर्सिटी में पीएचडी की छात्र हैं. वे कहती हैं, इससे वे थ्योरी ख़ारिज हो गईं जिनमें कहा गया था कि किसी एक तूफ़ान या आपदा में ये सभी मौतें हुई हैं. वे कहती हैं, अभी भी यह साफ नहीं है कि रूपकुंड झील में आख़िर क्या हुआ था. लेकिन, हम यह बात ज़रूर कह सकते हैं कि ये सभी मौतें किसी एक घटना में नहीं हुई हैं. इससे भी ज़्यादा दिलचस्प यह है कि जेनेटिक स्टडी से पता चला है कि ये लोग अलग-अलग मूल के थे. मसलन, इसमें एक समूह के लोगों के जेनेटिक्स मौजूदा वक्त में दक्षिण एशिया में रहने वाले लोगों जैसे ही हैं, जबकि दूसरे समूह के लोगों के जेनेटिक्स मौजूदा वक्त के यूरोप के लोगों से मिलते-जुलते हैं. ख़ासतौर पर ये यूनान के द्वीप क्रीट में रहने वाले लोगों जैसे हैं. हार्न कहती हैं, जेनेटिक्स के आधार पर इनमें से कुछ इस उपमहाद्वीप के उत्तरी हिस्से के लोगों से मिलते-जुलते हैं, जबकि, अन्य दक्षिण हिस्से में बसे समूहों से मिलते-जुलते हैं.

तो, ऐसे में क्या अलग-अलग समूहों के लोग कुछ सौ वर्षों के अंतराल पर छोटे जत्थों में इस झील के दौरे पर गए थे? क्या इनमें से कुछ किसी एक घटना में मारे गए? यह झील किसी ट्रेड रूट पर नहीं पड़ती है, यानी व्यापार के लिए इस्तेमाल किए जाने वाले रास्तों का हिस्सा नहीं थी. इस जगह पर न तो कई हथियार मिले और न ही व्यापार का कोई सामान ही मिला है. जेनेटिक अध्ययनों से इनमें से किसी में प्राचीन बैक्टीरियल जीवाणु का भी पता नहीं चला, जिससे यह माना जा सके कि किसी ख़ास बीमारी की वजह से ये लोग मारे गए थे.

क्या तीर्थयात्रा पर आए थे लोग?

झील के रास्ते में पड़ने वाले एक तीर्थस्थल से शायद इस बात का स्पष्टीकरण मिलता है कि लोग आख़रि इस इलाक़े की यात्रा पर क्यों आए होंगे. अध्ययनों की मानें तो 19वीं सदी के आख़रि तक इस इलाक़े में तीर्थयात्रा के कोई पुख्ता प्रमाण नहीं मिलते हैं. लेकिन, 8वीं और 10वीं सदी के स्थानीय मंदिरों में मिले शिलालेख इशारा करते हैं कि यहां उस दौर में लोग तीर्थयात्रा पर जाया करते थे. ऐसे में वैज्ञानिकों का मानना है कि इस जगह पर कुछ कंकाल उन लोगों के हो सकते हैं जिनकी मौत किसी तीर्थयात्रा के दौरान हुई होगी. लेकिन, पूर्वी भूमध्यसागरीय इलाक़े के लोग भारत के हिमालय की इन ऊंची पहाड़ियों पर मौजूद झील पर क्या करने गए थे? इस बात की उम्मीद कम जान पड़ती है कि यूरोप के लोग इतना लंबा सफर तय करके एक हिंदू तीर्थ यात्रा में हिस्सा लेने के लिए रूपकुंड पहुंचे होंगे. तो क्या ये हो सकता है कि पूर्वी भूमध्यसागरीय पूर्वजों की जेनेटिक रूप से अलग आबादी पीढ़ियों से इस इलाके में रह रही हो? हार्ने कहती हैं, हम अभी भी इन सब सवालों का जवाब ढूंढने की कोशिश कर रहे हैं.

नर कंकालों से भरा है पानी, होती हैं कई रहस्यमयी घटनाएं

सोचिए आप पहाड़ों के बीच किसी सुंदर झील घूमने के लिए गए हैं और अचानक आपको वहां पर कई सारे नर कंकाल दिख जाएं तो क्या करेंगे आप? हिमालय की रूपकुंड झील की कहानी कुछ ऐसी ही है। साल 1942 में यहां पर ब्रिटिश के फॉरेस्ट गार्ड को सैकड़ों नर कंकाल मिले थे। इस दौरान झील पूरी तरह मानवों के कंकाल और हड्डियों से भरी थी। इतने सारे कंकालों और हड्डियों को देख ऐसा आभास होता था कि शायद पहले यहां पर जरूर कुछ न कुछ बहुत बुरा हुआ था।
शुरुआत में इसे देख कई लोगों ने यह कयास लगाया कि हो न हो यह सभी नर कंकाल जापानी सैनिकों के होंगे, जो द्वितीय विश्व युद्ध के दौरान भारत में ब्रिटेन पर आक्रमण करने के लिए हिमालय के रास्ते घुसते वक्त मर गए होंगे। उस वक्त जापानी आक्रमण के भय से ब्रिटिश सरकार ने फौरन इन नर कंकालों की जांच के लिए एक वैज्ञानिकों की टीम को बुलाया। जांच के बाद पता चला कि ये कंकाल जापानी सैनिकों के नहीं थे, बल्कि ये नर कंकाल तो और भी ज्यादा पुराने हैं। इसके बाद समय समय पर इन कंकालों का परीक्षण होता रहा। इन परीक्षणों के आधार पर वैज्ञानिकों के मत अलग-अलग सामने निकलकर आए। कई वैज्ञानिकों का कहना है कि वर्षों पहले यहां पर कई लोगों की मृत्यु हिमस्खलन के चलते हुई तो दूसरे वैज्ञानिकों का कहना है कि इन लोगों की मौत किसी महामारी के कारण हुई। रूपकुंड झील में नर कंकाल क्यों हैं? और कैसे हैं? इस पर वैज्ञानिकों का मत एकसमान नहीं है।
हालांकि 2004 में हुए एक अध्ययन ने रूपकुंड झील से जुड़े कई चौंकाने वाले खुलासे किए। इस अध्ययन के जरिए यह पता चला कि ये कंकाल 12वीं से 15वीं सदी के बीच के थे। डीएनए जांच के बाद कई नई चीजें सामने निकलकर आईं। यह भी पता चला कि इन कंकालों का संबंध अलग-अलग भौगोलिक जगहों से था। अंत में वैज्ञानिकों ने बताया कि काफी समय पहले इन लोगों की मृत्यु किसी भारी गेंद जैसे आकार की चीजों का सिर पे गिरने से हुई थी।
आपको जानकर आश्चर्य होगा कि हिमालय पर्वत पर रहने वाली महिलाओं के एक प्रसिद्ध लोकगीत में एक माता का वर्णन आता है। लोकगीत के मुताबिक ये देवी माता बाहर से आए लोगों पर गुस्सा करती थीं, जो यहां आकर पहाड़ की सुंदरता में खलल डालते थे। इसी गुस्से में उन्होंने भारी भरकम ओलों की बारिश करवाई, जिसके कारण कई लोगों की जानें गईं थी। गौरतलब बात है कि 2004 में हुए रिसर्च में यही बात सामने निकल कर आई थी कि अचानक हुई भयंकर ओलावृष्टि से इन लोगों की जानें गई होंगी।
वहीं आज भी इस रूपकुंड झील के कई रहस्य झील के भीतर ही दफन हैं। झील में प्रवेश करने पर सख्त प्रतिबंध है। लोगों का कहना है कि यहां पर अक्सर कई सारी रहस्यमय घटनाएं होती हैं।

इस रहस्यमयी मंदिर में जाने के नाम से ही थरथर कांपने लगते हैं लोग

पूजा-पाठ और भूत प्रेत से छुटकारा पाने के लिए लोग मंदिर जाते हैं लेकिन हमारे देश में एक ऐसा मंदिर है जिसमें जाने से लोग कतराते हैं. कहा जाता है कि मंदिर के अंदर जाने पर भूतों और पिशाचों को डरने लगता है. **लेकिन यह मंदिर ऐसा है जहां जाने से** उल्टा लोग ही डर जाते हैं. दरअसल, हिमाचल प्रदेश के चंबा में एक छोटे से कस्बे भरमोर में एक मंदिर है. ये मंदिर देखने में तो काफी छोटा है, लेकिन इसकी ख्याति दूर-दूर तक फैली हुई है. इस मंदिर के बारे में कहा जाता है कि लोग इस मंदिर के अंदर जाने की गलती कभी नहीं करते हैं. और भक्त मंदिर के बाहर से ही प्रार्थना कर चले जाते हैं. दरअसल, यह मंदिर मृत्यु के देवता यमराज का है. यही वजह है कि लोग इस मंदिर के पास जाने से भी डरते हैं. यह दुनिया का एकमात्र ऐसा मंदिर है जो यमराज को समर्पित है. लोगों का कहना है कि इस मंदिर को यमराज के लिए ही बनाया गया था. इसलिए इसके अंदर उनके अलावा और कोई भी प्रवेश नहीं कर सकता है. गांव के लोगों का कहना है कि इस मंदिर में चित्रगुप्त के लिए भी एक कमरा बनाया गया है, जिसमें वो इंसानों के अच्छे-बुरे कामों का लेखा-जोखा एक किताब में रखते हैं. ऐसा माना जाता है कि, मनुष्यों की मृत्यु के बाद, पृथ्वी पर उनके द्वारा किए गये कार्यों के आधार पर उनके लिए स्वर्ग या नर्क का निर्णय लेने का अधिकार चित्रगुप्त के ही पास है. यानि भगवान चित्रगुप्त ही मृत्यु के बाद इंसान के स्वर्ग या नरक में जाने का निर्णय लेते हैं. कहा जाता है कि इस मंदिर के अंदर चार छिपे हुए दरवाजे हैं जो कि सोने, चांदी, तांबे और लोहे के बने हुए हैं. माना जाता है कि जो लोग ज्यादा पाप करते हैं, उनकी आत्मा लोहे के गेट से अंदर जाती है और जिसने पुण्य किया हो, उसकी आत्मा सोने के गेट के अंदर जाती है.

संक्षिप्त समाचार

राष्ट्रीय रोल बॉल स्पर्धा के लिए मुरादाबाद के चार खिलाड़ी झारखंड के लिए रवाना

मुरादाबाद। जनपद मुरादाबाद के चार रोल बॉल खिलाड़ी 5 वीं फेडरेशन कप राष्ट्रीय रोल बॉल प्रतियोगिता के लिए रविवार को झारखंड के लिए रवाना हो गए। जिला रोल बॉल संघ के सचिव शाहवेज़ अली ने रविवार को बताया कि मुरादाबाद के शिवओम सैनी, गोविंद गौर, सचिन सैनी और खेतान सैनी 16 जून से 21 जून तक झारखंड के रांची के स्टेडियम में आयोजित होने वाली राष्ट्रीय स्तर रोल बॉल प्रतियोगिता में प्रतिभाग करेंगे। शाहवेज़ अली ने आगे बताया कि 5 वीं फेडरेशन कप राष्ट्रीय रोल बॉल प्रतियोगिता में देशभर से टॉप 10 राज्यों की टीमें प्रतिभाग करेंगी, जिसमे उत्तर प्रदेश,महाराष्ट्र, राजस्थान, केरल, कर्नाटक, झारखंड, जम्मू कश्मीर, पंजाब, उड़ीसा, चंडीगढ़ की टीमें शामिल है। इस अवसर पर जिला रोलबॉल संघ के अध्यक्ष गौरव गुप्ता, डॉ विनोद कुमार, डॉ जी कुमार, डॉ अजय शर्मा, डॉ गरिमा शर्मा ने खिलाड़ियों को शुभकामनाएं दीं और बेहतर प्रदर्शन करने की कामना की।

युवा अक्षत रघुवंशी की बल्लेबाजी के फैन हुए वेंकटेश अय्यर, बांधे तारीफों के पुल

ग्वालियर। मध्य प्रदेश टी20 लीग (एमपीएल) 2025 के पांचवें मुकाबले में इंदौर पिंक पैंथर्स ने जबलपुर रॉयल लायंस को 6 रन से हराकर सीजन की शानदार शुरुआत की। मैच के बाद टीम के कप्तान वेंकटेश अय्यर ने युवा बल्लेबाज अक्षत रघुवंशी की जमकर तारीफ की। अय्यर ने कहा कि का असली हीरो अक्षत है। जिस तरह से उसने पूरे मैदान में शॉट्स लगाए, वह काबिले-तारीफ है। 21 साल की उम्र में मैंने इससे बेहतर टैलेंट नहीं देखा। मैं उसकी तरक्की के लिए दुआ करता हूं, भविष्य में वह बहुत आगे जाएगा। अक्षत रघुवंशी ने मैच में 46 गेंदों पर 76 रनों की शानदार पारी खेली, जिसमें 7 चौके और 5 छक्के शामिल थे। उनकी इस पारी ने इंदौर को 20 ओवर में सात विकेट पर 183 रन तक पहुंचाया। जवाब में जबलपुर की टीम 20 ओवर में आठ विकेट खोकर 177 रन बना सकी। सलामी बल्लेबाज सिद्धार्थ पाटीदार ने 40, धर्मेश पटेल ने 55 रन और राहुल बाथम ने 58 रन बनाए। इनके अलावा अन्यकोई बल्लेबाज प्रभाव नहीं छोड़ सका इंदौर पिंक पैंथर्स की ओर से स्पिनर मिहिर हिरवानी ने 3 विकेट लिए। कप्तान वेंकटेश अय्यर ने भी गेंदबाजी में योगदान देते दो विकेट लिए। कुलवंत खेजरोलिया और पी. निरवानी ने एक-एक विकेट लिए। अय्यर ने आगे कहा, मेरे लिए की सबसे बड़ी बात मेरी गेंदबाजी थी। काफी समय बाद गेंद डाली, अनुभव अच्छा रहा। टूर्नामेंट की अहमियत पर अय्यर ने कहा कि एमपीएल मध्य प्रदेश के खिलाड़ियों के लिए बहुत बड़ा प्लेटफॉर्म है।

इस खिलाड़ी ने मैदान पर उतरते ही रिकार्ड बना दिया

हॉकी के दिग्गज खिलाड़ी मनप्रीत सिंह ने इतिहास में दर्ज कराया अपना नाम

एंटवर्प ■ एजेंसी

भारतीय हॉकी टीम के दिग्गज खिलाड़ी मनप्रीत सिंह रविवार को ऑस्ट्रेलिया के खिलाफ मैदान पर उतरते ही अपना नाम इतिहास में दर्ज कर लिया है। बेल्जियम के एंटवर्प में खेले जा रहे एफआईएच हॉकी प्रो लीग 2024-25 मुकाबले में हॉकी आइकन मनप्रीत 400वीं बार भारत की जर्सी पहनकर मैदान में उतरे और अपना नाम उन दिग्गजों की विशिष्ट सूची में शामिल कर लिया, जिन्होंने अटूट स्थिरता और दिल से विश्व मंच पर अपनी उपस्थिति दर्ज कराई है।

पंजाब के 33 वर्षीय मिडफील्डर मनप्रीत सिंह अब पूर्व कप्तान और वर्तमान हॉकी इंडिया के अध्यक्ष डॉ. दिलीप टिर्की (412 कैप) से पीछे दूसरे सबसे ज्यादा मैच खेलने वाले भारतीय पुरुष खिलाड़ी हैं।

इस उपलब्धि पर भावुक मनप्रीत ने कहा कि मुझे अभी भी याद है कि मुझे अपने डेब्यू मैच में कैसा महसूस हुआ था। 400 मैच में यहां खड़े होना, मेरी

कल्पना से परे है। यह उपलब्धिहर उस कोच के साथ साझा करता हूं जिसने मुझे आगे बढ़ाया, हर उस साथी खिलाड़ी के साथ जिसने मेरा साथ दिया और हर उस प्रशंसक के साथ जिसने मुझ पर तब विश्वास किया, जब मुझे इसकी सबसे ज़्यादा जरूरत थी। मैं अभी भी सीख रहा हूं, अभी भी बढ़ रहा हूं और मैं आज भी उसी जोश के साथ खेलता हूं जैसा कि मैं 19 साल की उम्र में खेलता था।

हॉकी इंडिया के अध्यक्ष और ऑल-टाइम कैप्स सूची में मनप्रीत से आगे एकमात्र भारतीय खिलाड़ी डॉ. दिलीप टिर्की ने इस उपलब्धि की सराहना की और कहा कि बहुत कम एथलीट इस स्तर की स्थिरता और धीरज हासिल करते हैं। मनप्रीत अपने सबसे परिवर्तनकारी दशक में भारतीय हॉकी की रीढ़ रहे हैं। उनकी फिटनेस, नेतृत्व और दबाव में संयम उन्हें सबसे अलग बनाता है। हमें उन्हें इस विरासत को इतनी शालीनता से आगे बढ़ाते हुए देखकर गर्व होता है।

हॉकी इंडिया के महासचिव भोला नाथ सिंह ने कहा कि 400 कैप्स केवल एक संख्या नहीं है- यह खेल के प्रति त्याग, अनुशासन और समर्पण पर बनी विरासत है। मनप्रीत ने भारत की जर्सी पहनने में पेशेवरता और गर्व का मानक स्थापित किया है। वह भारतीय हॉकी के सच्चे राजदूत और रोल मॉडल रहे हैं।

2011 में 19 वर्षीय जोशीले खिलाड़ी के रूप में पदार्पण से लेकर भारतीय मिडफील्ड की धड़कन बनने तक, मनप्रीत का करियर भारतीय हॉकी के पुनरुत्थान को दर्शाता है। उन्होंने अब तक अपने करियर में कई उपलब्धि अपने नाम की है। उनके द्वारा हासिल की गई उन्हीं उपलब्धियों की झलक इस प्रकार है।

एफआईएच हॉकी प्रो लीग ऑस्ट्रेलिया ने भारतीय टीम को 2-1 से हाराया

लंदन ■ एजेंसी

भारतीय महिला हॉकी टीम को रविवार को लंदन के ली वैली हॉकी एंड टेनिस सेंटर में एफआईएच हॉकी प्रो लीग 2024-25 (महिला) मैच में ऑस्ट्रेलिया महिला हॉकी टीम ने 2-1 से हरा दिया। भारतीय टीम के लिए एकमात्र गोल वैष्णवी विट्ठल फाल्के (3वें मिनट) ने किया, जबकि ऑस्ट्रेलिया के लिए एमी लॉटन (37वें मिनट) और लेक्सी पिकरिंग (60वें मिनट) ने गोल किए।

मुकाबले में भारतीय महिला टीम ने शुरुआत अच्छी की और तीसरे मिनट में ही पहला गोल करके 1-0 आगे हो गई। भारत ने दबाव बनाना जारी रखा और लगातार आक्रमण किया। ऑस्ट्रेलिया ने दूसरे क्वार्टर में अपने प्रदर्शन में सुधार किया और गोल करने के अच्छे मौके बनाने शुरू किए। दोनों टीमों ने गेंद पर कब्ज़ा जमाया और मिडफील्ड में एक-दूसरे से भिड़ंत की, लेकिन दोनों ओर से कोई गोल नहीं आया। तीसरे क्वार्टर में ऑस्ट्रेलिया का दबदबा रहा और उसने भारतीय डिफेंस के लिए मुश्किलें खड़ी कर दीं। खेल के 37वें मिनट में ऑस्ट्रेलिया की एमी लॉटन के शानदार गोल की बदौलत वे बराबरी करने में सफल रहीं। मैच के अंतिम क्वार्टर में दोनों टीमें बराबरी पर थीं। भारतीय टीम को कई पेनाल्टी कॉर्नर मिले, लेकिन उसे भुना नहीं पाए। मैच खत्म होने में 34 सेकंड बचे थे कि ऑस्ट्रेलिया ने पेनाल्टी कॉर्नर को गोल में बदलकर मैच में 2-1 से जीत दर्ज की।

मीडिया कप वॉलीबॉल प्रतियोगिता : टीम रेड ने फाइनल मुकाबले में टीम येलो को हराया

रांची ■ एजेंसी

रांची यूनिवर्सिटी के ग्राउंड में रविवार को वॉलीबाल मीडिया कप का आयोजन रांची प्रेस क्लब की ओर से किया गया। मंत्री और अन्य गणमान्य अतिथियों ने खिलाड़ियों से परिचय प्राप्त कर प्रतियोगिता की शुरुआत कराई।

इसके पूर्व मीडिया कप वॉलीबॉल के दूसरे दिन मुख्य अतिथि के रूप में कैबिनेट मंत्री योगेंद्र प्रसाद, विशिष्ट अतिथि के रूप में मीडिया पार्टनर प्रशांत उनिकृष्णन, संदीप उनिकृष्णन रांची विश्वविद्यालय के स्पोर्ट्स कन्वेनर राजेश गुप्ता, इंटरनेशनल रेफरी राजेश सिंह, इंडियन वॉलीबॉल एसोसिएशन के कार्यसमिति सदस्य उत्तम राज, अंतरराष्ट्रीय रेफरी संजय कुमार, वासुदेव चटर्जी फाउंडेशन के राजीव चटर्जी, रांची ज़िला वॉलीबॉल एसोसिएशन के सचिव संजय ठाकुर, खेलो इंडिया के टेक्नीकल हेड उपेंद्र गुप्ता ने फाइनल मैच सह समापन समारोह का संयुक्त रूप से उद्घाटन किया।

इस मौके पर मंत्री योगेंद्र प्रसाद ने कहा कि खेल के मैदान में कलकारों को खेलते देखना एक सुखद अनुभव है। उन्होंने दोनों टीमों को शुभकामनाएं दी। दूसरे दिन भी सभी मैन ऑफ द मैच प्लेयर्स को डीआईजी चन्दन सिन्हा की घोषणा के

अनुरूप 5-5 हज़ार रुपये की पुरस्कार राशि प्रदान की गई।

टूर्नामेंट में दूसरे दिन रविवार को तीन मुकाबले खेले गए पहले मुकाबले में टीम रेड ने टीम येलो को 18-25, 25-5, 15-4 से हराया। वहीं रोमांचक फाइनल मुकाबले में टीम रेड ने टीम येलो को 14-25, 25-18, 15-9 से हरा मीडिया कप वॉलीबॉल टूर्नामेंट में पहली बार चैंपियन बनने का गौरव हासिल किया। इससे पहले लगातार तीन वर्षो से टीम येलो ही चैंपियन थी। मैन ऑफ द मैच और टूर्नामेंट ऑफ द प्लेयर का पुरस्कार टीम रेड के प्रमोद सिंह को दिया गया। वहीं टूर्नामेंट में बेस्ट स्मैशर के रूप में आरजे अरविंद, बेस्ट सप्लायर के रूप में पंकज सिंह, बेस्ट सर्विसर के रूप में अभिषेक सिन्हा, बेस्ट लिफ्टर के रूप में राजेश सिंह, बेस्ट डिफेंडर के रूप में मोनू कुमार को पुरस्कार दिया गया।

टूर्नामेंट के प्रायोजक के रूप में वासुदेव चटर्जी स्मृति फाउंडेशन और मीडिया सपोर्ट पार्टनर के रूप में द भास्कर टाइम्स के संदीप उनिकृष्णन और प्रशांत उनिकृष्णन ने अपना सहयोग दिया। पूरे टूर्नामेंट का लाइव टेलीकास्ट विक्की कुमार की टीम ने किया। जिसे यूट्यूब पर देखा जा सकता है

टूर्नामेंट में रेफरी की भूमिका संजय ठाकुर और उनकी टीम ने बखूबी निभाई। टूर्नामेंट में भाग लेने वाले सभी 74 खिलाड़ियों को भी रांची प्रेस क्लब द्वारा स्मृति चिन्ह और गिफ्ट दे कर सम्मानित किया गया।धन्यवाद ज्ञापन प्रेस क्लब के अध्यक्ष सुरेन्द्र लाल सोरेन ने किया। टूर्नामेंट के दूसरे दिन भी प्रतियोगिता को सफल बनाने में रांची प्रेस क्लब के अध्यक्ष सुरेन्द्र लाल सोरेन, उपाध्यक्ष धर्मेंद्र गिरी, सचिव अमरकांत, संयुक्त सचिव, रतनलाल, कोषाध्यक्ष कुबेर सिंह, कार्यकारिणी के सदस्य सह स्पोर्ट्स कन्वेनर मोनू, सहित अन्य मौजूद थे।

संक्षिप्त समाचार

हीरो फिनकॉर्प ने आईपीओ पूर्व दोर में 260 करोड़ जुटाए

नई दिल्ली। हीरो मोटोकॉर्प की वित्तीय सेवा इकाई हीरो फिनकॉर्प ने अपने नए आरंभिक सार्वजनिक निर्गम (आईपीओ) पूर्व नियोजन दौर में 260 करोड़ रुपये जुटाए हैं। इससे नए निर्गम का आकार 2,100 करोड़ रुपये से घटकर 1,840 करोड़ रुपये रह गया है। अब कुल आईपीओ 3,408 करोड़ रुपये है। इसमें मौजूदा निवेशकों की ओर से 1,568 करोड़ रुपये की बिक्री पेशकश (ओएफएस) शामिल है। पहले आईपीओ का कुल आकार 3,668 करोड़ रुपये था। कंपनी को मई में आईपीओ के लिए भारतीय प्रतिभूति एवं विनिमय बोर्ड (सेबी) की मंजूरी मिली थी। आईपीओ दस्तावेजों के अनुसार, नए शेयरों की बिक्री से प्राप्त राशि का इस्तेमाल कंपनी का पूंजी आधार बढ़ाने के लिए किया जाएगा, ताकि भविष्य की कर्ज गतिविधियों के लिए कोष की जरूरतों को पूरा किया जा सके।

अमेरिका ने आव्रजन नीतियां ठीक से लागू नहीं कीं : मॉर्गन

न्यूयॉर्क। जेपी मॉर्गन चेस के चेयरमैन और मुख्य कार्यपालक अधिकारी (सीईओ) जेमी डिमन ने योग्यता आधारित आव्रजन के लिए समर्थन जताते हुए कहा है कि अमेरिका ने आव्रजन नीतियों को ठीक से लागू नहीं किया है। उन्होंने कहा कि अमेरिका अपरिहार्य है। यह अपरिहार्य नहीं है क्योंकि हम बेहतर हैं। यह अपरिहार्य है क्योंकि हमारे पास दुनिया की सबसे अच्छी सेना है, दुनिया का सबसे समृद्ध राष्ट्र है, दुनिया की सबसे अच्छी अर्थव्यवस्था है, सबसे अच्छी प्रौद्योगिकी है, उस प्रौद्योगिकी की जड़ें हैं, हमारे पास जो आजादी हैं। यही वह है जो लोगों को यहां खींच कर लाया है। उनकी टिप्पणी पिछले सप्ताह सैन फ्रांसिस्को में डेटा प्लस एआई समिट-2025 में डेटाब्रिक्स के सीईओ और सह-संस्थापक अली घोडसी के साथ बातचीत के दौरान आई। डिमन ने कहा कि अमेरिका की भूमिका अपरिहार्य है। वह भूमिका आर्थिक है, वह सैन्य है, वह शिक्षा है, वह लोगों को यहां आने, यहां रहने की इच्छा रखने, और अधिक योग्यता की अनुमति दे रही है। यही सबसे महत्वपूर्ण बात है।

बोइंग ने विमान हादसे के बाद चीन को 787-9 विमान दिया

वाशिंगटन। अहमदाबाद में हुए विमान हादसे के दो दिन बाद अमेरिकी विमान निर्माता कंपनी बोइंग ने चीन को एक नया 787-9 विमान सौंपा। इससे पहले अहमदाबाद में बोइंग 787-8 ड्रीमलाइनर विमान दुर्घटनाग्रस्त हुआ था, जिसमें 275 लोगों की मौत हुई थी। चीनी मीडिया के अनुसार बोइंग और जुनयाओ एयरलाइंस ने इस डिलीवरी पर टिप्पणी करने से इनकार किया है। इसके बाद 9 जून को शियामेन एयरलाइंस के लिए भी एक बोइंग 737 मैक्स विमान चीन पहुंचा। मई में चीन ने विमान खरीदी पर लगाई थी रोक एक महीने पहले चीन ने अपनी एयरलाइन कंपनियों को बोइंग से नए विमानों की डिलीवरी नहीं लेने के आदेश दिए थे।

ब्याज दरों में कटौती के बाद हुआ निवेशकों का भरोसा मजबूत

नई दिल्ली ■ एजेंसी

विदेशी निवेशकों का भारतीय रिजर्व बैंक (आरबीआई) द्वारा ब्याज दरों में कटौती के बाद भरोसा मजबूत हुआ। यही वजह हैक कि विदेशी पोर्टफोलियो निवेशकों (एफपीआई) ने इस सप्ताह भारतीय शेयर बाजारों में 3,346.94 करोड़ रुपए का निवेश किया।

नेशनल सिक्योरिटीज डिपॉजिटरी लिमिटेड (एनएसडीएल) के आंकड़ों के अनुसार, एफपीआई सप्ताह के पहले तीन कारोबारी सत्रों, 9 जून से 13 जून के दौरान भारतीय इक्विटी बाजार में सक्रिय खरीदार रहे। बाजार में सकारात्मक माहौल मुख्य रूप से आरबीआई द्वारा रेपो दर को 50 आधार अंकों से घटाकर 5.5 प्रतिशत करने के फैसले से जुड़ा था, जिसे कई लोगों ने आर्थिक विकास को समर्थन देने और बाजार में लिक्विडिटी में सुधार के स्पष्ट संकेत के रूप में देखा। बाजार विशेषज्ञों का मानना है कि ब्याज दरों में इस आश्चर्यजनक कटौती ने विदेशी निवेश को आकर्षित करने में बड़ी भूमिका निभाई है, क्योंकि यह केंद्रीय बैंक के विकास समर्थक दृष्टिकोण को दर्शाता है।

6 जून को मौद्रिक नीति समिति (एमपीसी) के निर्णय का निवेशकों ने स्वागत किया है। निवेशकों ने इसे अर्थव्यवस्था को मजबूत करने और कॉर्पोरेट आय में सुधार के लिए समय पर उठाया गया महत्वपूर्ण कदम माना। एक ओर जहां वैश्विक कारक बाजार की गतिविधियों को प्रभावित करना जारी रखते हैं, वहीं दूसरी ओर भारत अपनी मजबूत बुनियादी बातों, नीति समर्थन और बढ़ती अर्थव्यवस्था के कारण विदेशी निवेश के लिए एक आकर्षक गंतव्य बना हुआ है।

विदेशी निवेशकों ने मई में भारतीय शेयर बाजार में 19,860 करोड़ रुपए निवेश किए, जिससे यह विदेशी निवेश के लिए साल का अब तक का सबसे अच्छा महीना बन गया। इस बीच, बाजार विश्लेषकों के अनुसार, इस सप्ताह भारतीय इक्विटी बाजार में उतार-चढ़ाव देखा गया और यह आखिरी कारोबारी दिन लाल निशान पर समाप्त हुआ। हालांकि सप्ताह की शुरुआत अमेरिका-चीन व्यापार वार्ता में प्रगति के कारण सकारात्मक रही, लेकिन इजरायल द्वारा ईरान की न्यूक्लियर साइट्स पर हमले करने के बाद यह आशावाद जल्दी ही खत्म हो गया। इस घटना ने वैश्विक निवेशकों के बीच सतर्कता की लहर पैदा कर दी, जिससे वे सोने और अमेरिकी बॉन्ड जैसी सुरक्षित परिसंपत्तियों की ओर बढ़ गए।

भारत में विदेशी निवेश के मोर्चे पर सिंगापुर का दबदबा

भारत में सिंगापुर द्वारा प्रत्यक्ष विदेशी निवेश (एफडीआई) के बढ़ते मोर्चे पर एक नजर खींची जा रही है। वित्तीय वर्ष 2024-25 में सिंगापुर ने भारत में कुल 14.94 अरब डॉलर का एफडीआई किया, जो कुल विदेशी निवेश का लगभग 19 फीसदी है। यह सिंगापुर को भारत में सबसे बड़ा एफडीआई निवेशक बनाता है। सरकारी आंकड़ों के मुताबिक, इस वित्तीय वर्ष में कुल एफडीआई 14 फीसदी की वृद्धि से 81.04 अरब डॉलर तक पहुंच गया। वित्तीय वर्ष 2024-25 में सिंगापुर ने भारत में कुल 14.94 अरब डॉलर का एफडीआई किया यह निवेश भारतीय अर्थव्यवस्था के सकारात्मक संकेत के रूप में खड़ा है और देश के विकास के लिए महत्वपूर्ण है। सिंगापुर ने वर्ष 2018-19 से ही भारत में एफडीआई का बड़ा स्रोत बनाया है और 2023-24 में निवेश में 27 फीसदी की वृद्धि दर्ज की गई है। माना जा रहा है कि सरकारी नीतियों का असर भी इस में दिख रहा है। स्पष्ट रूप से, एफडीआई से सिंगापुर की भरोसेमंद भूमिका का महत्वपूर्ण हिस्सा है और निवेशकों के भरोसे को सुनिश्चित करता है।

भारत के पर्यटन उद्योग विकास में तेजी से विदेशी मुद्रा आय में भी वृद्धि की संभावना: रिपोर्ट

नई दिल्ली। भारतीय पर्यटन उद्योग के विकास में तेजी से बढ़ोतरी के साथ-साथ विदेशी मुद्रा आय में भी काफी वृद्धि की संभावना है। एक रिपोर्ट के अनुसार, 2024 में विदेशी मुद्रा आय दर बढ़ी है और यह दर 2030 तक 4.5 लाख करोड़ को पार कर सकती है। इस बढ़ती दर से सकल घरेलू उत्पाद (जीडीपी) में पर्यटन का हिस्सा भी सात प्रतिशत से अधिक हो सकता है।

भारत में पर्यटन के विकास से न केवल रोजगार की स्थिति मजबूत हो रही है, बल्कि अर्थव्यवस्था में भी सकारात्मक प्रभाव दिख रहा है। पर्यटन मंत्रालय के अनुसार भारतीय पर्यटन शीर्ष देशों में एक प्रमुख स्थान हासिल कर रहा है और मानव समृद्धि विकास में महत्वपूर्ण योगदान दे रहा है।

विशेषज्ञों का कहना है कि भारत के पर्यटन क्षेत्र के इस विकास से ग्राहक और उद्योग दोनों ही फायदा उठा रहे हैं।

आगामी वर्षों में इस क्षेत्र में नए यात्रा रुझान उभरकर आ रहे हैं, जो इनोवेटिव ट्रैवल बिजनेस के लिए महत्वपूर्ण अवसर प्रदान कर रहे हैं। इसके साथ ही, सरकार के पर्यटकों के समर्थन के प्रयास से भारत एक प्रीमियम वैश्विक पर्यटन केंद्र के रूप में विकसित हो रहा है।

साथ ही पर्यटन उद्योग में प्रौद्योगिकी के संचालन से ग्राहकों को अधिक सुविधाएं प्रदान की जा रही हैं, जिससे उनकी संतुष्टि में वृद्धि हो रही है। आने वाले समय में सभी सेवाएं पूरी तरह से बहाल होने से पर्यटन क्षेत्र की आर्थिक स्थिति में और भी सुधार हो सकता है।

अमेरिका में बिकने वाले 97 फीसदी आईफोन भारत में बने

नई दिल्ली ■ एजेंसी

एपल ने अमेरिका में बिकने वाले अपने आईफोन की विपरीत स्थिति में सततता बनाए रखने के लिए भारत में नेटवर्क को मजबूत कर लिया है। रिपोर्ट्स के मुताबिक मार्च से मई 2025 के बीच, भारत से जितने भी आईफोन एक्सपोर्ट किए गए, उनमें से 97 फीसदी अमेरिका को भेजे गए हैं। एपल ने इन आईफोन को अमेरिका के लिए भारत में बनाने का निर्णय लिया है। मई महीने में ही भारत से क़रीब 1 बिलियन डॉलर के आईफोन अमेरिका भेजे गए ताजा आंकड़ों के अनुसार सिर्फ मई महीने में ही भारत से क़रीब 1 बिलियन डॉलर के आईफोन अमेरिका भेजे गए हैं। इससे पता चलता है कि एपल अब अमेरिकी बाजार के लिए भारत में आईफोन की मानवाहन कर रही है। डोनाल्ड ट्रम्प ने 23 मई को कहा था कि यदि एपल अमेरिका में आईफोन नहीं बनाती, तो उस पर 25 फीसदी का टैरिफ लगाया जाएगा। ट्रम्प ने सोशल मीडिया पर एक ट्वीट में इसकी धमकी दी थी, जिसमें उन्होंने एपल के सीईओ टिम कुक को भी इस बारे में सूचित किया था।

इससे पहले भारतीय बाजार में बिकने वाले 50 फीसदी आईफोन को अमेरिका भेजा जाता था। यह नया क़दम दरअसल एपल के लिए महत्वपूर्ण है, क्योंकि यह कंपनी को ट्रम्प की डाकू पॉलिसी का सामना करने के लिए उसकी आत्मनिर्भरता को मजबूत करने की जरूरत है।

टॉप 10 में शामिल 8 कंपनियों का मार्केट कैप 1.65 लाख करोड़ गिरा, एचडीएफसी बैंक को सबसे ज्यादा नुकसान

नई दिल्ली ■ एजेंसी

घरेलू शेयर बाजार में पिछले कारोबारी सप्ताह के दौरान हुई खरीद-बिक्री के कारण देश की टॉप 10 मोस्ट वैल्यूड कंपनियों में से 8 कंपनियों के मार्केट कैप में 1.65 लाख करोड़ रुपये से अधिक की गिरावट दर्ज की गई। इनमें सबसे अधिक नुकसान एचडीएफसी बैंक को हुआ। दूसरी ओर, टॉप 10 में शामिल 2 कंपनियों के मार्केट कैप में इस सप्ताह 37 हजार करोड़ रुपये से अधिक की बढ़ोतरी हो गई। इनमें सबसे अधिक फायदा टाटा कंसलटेंसी सर्विसेज (टीसीएस) को हुआ।

इस सप्ताह के कारोबार के दौरान सिर्फ टाटा कंसलटेंसी सर्विसेज (टीसीएस) और इंफोसिस के मार्केट कैप में 37,793.36 करोड़ रुपये की बढ़ोतरी हुई। दूसरी ओर, एचडीएफसी बैंक, रिलायंस इंडस्ट्रीज, भारती एयरटेल, आईसीआईसीआईसीआई बैंक, स्टेट बैंक ऑफ इंडिया (एसबीआई), भारतीय जीवन बीमा निगम (एलआईसी), बजाज फाइनेंस और हिन्दुस्तान यूनिलीवर के मार्केट कैप में 1,65,501.49 करोड़ रुपये की गिरावट आ गई।

9 जून से 13 जून के बीच हुए कारोबार के दौरान एचडीएफसी बैंक का मार्केट कैप 47,075.97 करोड़ रुपये की गिरावट के साथ 14,68,777.88 करोड़ रुपये के स्तर पर पहुंच गया। इसी तरह आईसीआईसीआई बैंक का मार्केट कैप 30,677.44 करोड़ रुपये घट कर 10,10,375.63 करोड़ रुपये के स्तर पर आ गया।

संक्षिप्त समाचार

फेक फेसबुक आईडी से सावधान रहें: उपायुक्त

पूर्वी सिंहभूम। पूर्वी सिंहभूम जिले के उपायुक्त कर्ण सत्यार्थी के नाम से किसी अज्ञात व्यक्ति की ओर एक फर्जी फेसबुक आईडी बनाई गई है। यह फेक प्रोफाइल आम नागरिकों को भ्रमित करने और संभावित साइबर अपराध को अंजाम देने के उद्देश्य से बनाई गई प्रतीत हो रही है। रविवार को पूर्वी सिंहभूम जिला प्रशासन ने इस मामले को गंभीरता से लेते हुए नागरिकों से सतर्क रहने की अपील की है। प्रशासन ने स्पष्ट किया है कि यह कार्य साइबर अपराध की श्रेणी में आता है और इसकी जांच साइबर सेल, जमशेदपुर की ओर से की जा रही है। यदि किसी व्यक्ति को इस फर्जी आईडी से फ्रेंड रिक्वेस्ट, असामान्य या संदिग्ध संदेश प्राप्त होता है, तो वे तुरंत उस आईडी को रिपोर्ट एवं ब्लॉक करें। साथ ही, इस संबंध में सूचना तत्काल साइबर सेल या जिला सूचना एवं जनसंपर्क कार्यालय को दें। प्रशासन ने नागरिकों को आगाह किया है कि वे किसी भी सोशल मीडिया प्रोफाइल से प्राप्त संदेशों पर आंख मूंदकर विश्वास न करें और किसी भी प्रकार की व्यक्तिगत जानकारी साझा करने से पहले उसकी सत्यता की पुष्टि अवश्य करें।

जसुपा बिहार की सभी 243 सीटों पर लड़ेगी चुनाव : किशोर

पटना। बिहार बदलाव यात्रा पर निकले जन सुराज पार्टी के संस्थापक प्रशांत किशोर ने आज मुजफ्फरपुर में कहा कि उनकी पार्टी बिहार की सभी 243 सीटों पर चुनाव लड़ेगी। इसमें से 90 प्रतिशत ऐसे उम्मीदवार होंगे जिन्होंने कभी चुनाव नहीं लड़ा है। उन्होंने राहुल गांधी को चुनौती देते हुए कहा कि अगर कांग्रेस में दम है, तो वह बिहार में अकेले चुनाव लड़कर दिखाएं। पत्रकार वार्ता में प्रशांत किशोर ने कहा कि उनकी पार्टी केवल उन्हीं लोगों को उम्मीदवार बनाएगी जो किसी राजनीतिक दल से पहले नहीं जुड़े रहे हों और जो जनसुराज आंदोलन में सक्रिय रूप से भाग ले रहे हों। उन्होंने दावा किया कि 90 प्रतिशत टिकट ऐसे ही लोगों को दिए जाएंगे। उन्होंने कहा कि उम्मीदवार बनने के लिए लोगों से 21000 रुपये लेकर नामांकन प्रक्रिया चलाई जा रही है। प्रशांत ने कांग्रेस-राजद नेतृत्व पर तीखे प्रहार करते हुए कहा कि राजद सुप्रीमो लालू यादव की तबीयत खराब है, तो कई लोग तेजस्वी यादव के पीछे झोला उठाने में जुट गए हैं। उन्होंने तर्क दिया कि ये वही लोग हैं जो किसी विचारधारा के नहीं, बल्कि अवसरवाद की राजनीति के प्रतीक बन चुके हैं। उन्होंने राहुल गांधी को चुनौती देते हुए कहा, फ्अगर कांग्रेस में वाकई दम है, तो बिहार में अकेले चुनाव लड़कर दिखाए। उन्होंने राहुल के प्रसिद्ध नारे डरो मत पर तंज करते हुए कहा, हम भी राहुल गांधी से कहते हैं, डरो मत, अकेले आओ मैदान में।

मिनेसोटा में 'नो किंग्स' रैलियां रद्द, दो विधायकों पर हमले के बाद प्रशासन सतर्क

सेंट पॉल (मिनेसोटा)। मिनेसोटा में 'नो किंग्स' आंदोलन के तहत शनिवार को होने वाली सभी रैलियां उस वक्त रद्द कर दी गईं जब दो डेमोक्रेटिक सांसदों और उनके जीवनसाथियों पर जानलेवा हमला हुआ। राज्य पुलिस की ओर से सुरक्षा कारणों से लोगों से प्रदर्शन में शामिल न होने की अपील की गई थी। राज्य पेट्रोल की कर्नल क्रिस्टिना बोगोयेविक ने कहा कि अत्यधिक सतर्कता के दृष्टिकोण से लोगों को रैलियों से दूर रहने की सलाह दी गई। उन्होंने बताया कि भले ही पुलिस के पास इस बात के कोई प्रत्यक्ष प्रमाण नहीं हैं कि प्रदर्शन लक्षित हो सकते हैं, लेकिन संदिग्ध की कार से 'नो किंग्स' से जुड़े फ्लायर बरामद हुए हैं। शनिवार तड़के ब्रुकलिन पार्क स्थित अपने घर में मिनेसोटा की पूर्व हाउस स्पीकर मेलिसा हॉर्टमैन और उनके पति की गोली मारकर हत्या कर दी गई। वहीं, एक अन्य राज्य सीनेटर जॉन हॉफमैन और उनकी पत्नी पर भी चैंपलिन स्थित उनके घर में गोलियां चलाई गईं, जिससे वे दोनों गंभीर रूप से घायल हो गए।

कोई भी शराब सेहत के लिए पूरी तरह सुरक्षित नहीं

लंदन। भारत में 15 से 49 वर्ष की उम्र के 22.4 प्रतिशत पुरुष और 0.7 प्रतिशत महिलाएं शराब का सेवन करती हैं। राष्ट्रीय पारिवारिक स्वास्थ्य सर्वेक्षण के मुताबिक, यह प्रतिशत अलग-अलग राज्यों में भिन्न है, जिसमें अरुणाचल प्रदेश, गोवा और तेलंगाना में पुरुषों द्वारा शराब पीने की दर सबसे अधिक पाई गई है। जब समाज का एक बड़ा वर्ग शराब का सेवन कर रहा हो, तो यह जानना भी जरूरी हो जाता है कि शराब के कौन-से प्रकार स्वास्थ्य की दृष्टि से अपेक्षाकृत कम नुकसानदायक हो सकते हैं। हालांकि कोई भी शराब पूरी तरह सुरक्षित नहीं है, फिर भी एल्कोहॉल कंटेंट के आधार पर कुछ विकल्प तुलनात्मक रूप से 'बेहतर' माने जा सकते हैं। बीयर को एल्कोहॉल की मात्रा कम होने के कारण एक हल्का विकल्प माना जाता है। इसमें कुछ खनिज और विटामिन्स भी होते हैं, लेकिन ज़्यादा मात्रा में सेवन से वजन बढ़ सकता है और लीवर को नुकसान हो सकता है। साइडर, जो सेब से बनती है और 4-7 प्रतिशत एल्कोहॉल युक्त होती है, स्वाद में हल्की और फाइबर युक्त होती है।

अहमदाबाद में एअर इंडिया विमान दुर्घटना

हादसे में मारे गए यात्रियों के बीमा मुआवजे के लिए हेल्पडेस्क शुरू

अहमदाबाद ■ एजेंसी

अहमदाबाद में एअर इंडिया विमान दुर्घटना में मारे गए यात्रियों के बीमा और मुआवजा का भुगतान करने के लिए जिला प्रशासन के सहयोग से सिविल अस्पताल में हेल्प डेस्क शुरू की गई है। साथ ही युद्ध स्तर पर राहत और बचाव कार्य किए जा रहे हैं। स्वास्थ्य विभाग ने ट्रॉमा सेंटर में 100 स्वास्थ्यकर्मियों सहित कुल 855 से अधिक स्टाफ को राहत-बचाव कार्य में लगाया है।

मुख्यमंत्री भूपेंद्र पटेल के निर्देश पर संबंधित जिलों के कलेक्टरों ने विमान दुर्घटना में मृतकों के परिजनों से संपर्क कर वैधानिक उत्तराधिकारियों को बीमा या मुआवजे की सहायता दिलाने के लिए लेखा अधिकारियों, अन्य अधिकारियों को नोडल अधिकारी के रूप में नियुक्त किया है। जिला प्रशासन इस कार्य में प्रभावित लोगों की हरसंभव सहायता कर रहा है। बीमा क्लेम प्रक्रिया को सुचारू बनाने के लिए अस्पताल में संयुक्त काउंटर (जॉइंट सेल) स्थापित करने का आदेश दिया गया था। जनरल इंश्योरेंस काउंसिल की ओर से न्यू इंडिया एश्योरेंस कंपनी को लीड जनरल इंश्योरर और लाइफ इंश्योरेंस काउंसिल की ओर से एचडीएफसी लाइफ को लीड लाइफ इंश्योरर नियुक्त किया गया है।

जिला प्रशासन के सहयोग से सिविल अस्पताल में न्यू इंडिया एश्योरेंस, एचडीएफस लाइफ और एलआईसी के हेल्पडेस्क बनाए गए हैं, ताकि मृतकों और अन्य प्रभावित लोगों के बीमा दावे आसानी और शीघ्रता से प्रक्रिया में लाए जा सकें और उन्हें उचित मार्गदर्शन मिल सके। साथ ही परिजनों को संबंधित बीमा कंपनियों के नोडल अधिकारियों की जानकारी भी दी जा रही है। बीमा कंपनियों को यात्री सूची और अन्य आवश्यक जानकारी प्रदान कर जिला प्रशासन क्लेम शीघ्र निपटाने के प्रयास कर रहा है। डीएनए सैंपलिंग के लिए कुल 12 टीमें शिफ्टवार कार्यरत हैं, जो मिलान की प्रक्रिया में लगी हैं। साथ ही परिजनों को मानसिक सहारा देने के लिए

काउंसलिंग की भी व्यवस्था की गई है। स्वास्थ्य विभाग ने ट्रॉमा सेंटर में 100 स्वास्थ्यकर्मियों सहित कुल 855 से अधिक स्टाफ को राहत-बचाव कार्य में लगाया है। अब तक मृतकों के 250 रिश्तेदारों से ब्लड सैंपल लिए गए, जिनमें से 62 डीएनए मिलान किये जा चुके हैं। इनमें से 27 शव परिजनों को सौंपे जा चुके हैं। इसके अतिरिक्त बिना डीएनए मिलान वाले 8 शव कल परिजनों को सौंपे गए। इस प्रकार अब तक कुल 35 शव सौंपे जा चुके हैं। वर्तमान में केवल 3 मृतकों के परिजनों के सैंपल लेना बाकी है, जो अभी यूके में रह रहे हैं और अगले 2-3 दिनों में सैंपल देने आने वाले हैं।

शव सौंपने की प्रक्रिया के लिए जिला प्रशासन ने 250 से अधिक नोडल और सहायक नोडल अधिकारियों की नियुक्ति की है। इसके साथ ही प्रक्रिया की निगरानी के लिये सुपरवाइजर अधिकारियों को भी नियुक्त किया गया है। इन अधिकारियों के जरिये परिजनों से संपर्क कर शव की सुपुर्दगी, अंतिम संस्कार स्थल तक एम्बुलेंस और पुलिस एस्कॉर्ट सहित आवश्यक दस्तावेज़ और बरामद वस्तुओं की सुपुर्दगी तक सभी चरणों में सहायता प्रदान की जा रही है।

एअर इंडिया की टीम भी सिविल अस्पताल में 24×7 मौजूद है। जैसे-जैसे परिजन आ रहे हैं, उनके लिए आवश्यक हवाई यात्रा की व्यवस्था निःशुल्क की जा रही है। साथ ही राज्य के सड़क एवं भवन विभाग इनके रहने व यातायात की भी व्यवस्था कर रहा है। विभिन्न हेल्पलाइन और कंट्रोल रूम के माध्यम से अब तक लगभग 1700 कॉल प्राप्त हुए हैं, जिन पर समुचित समन्वय और कार्रवाई की जा रही है।

प्रधानमंत्री मोदी के नेतृत्व में 11 वर्षों में देश के हर क्षेत्र का सर्वांगीण विकास हुआ : सेठ

रांची ■ एजेंसी

केंद्रीय रक्षा राज्य मंत्री संजय सेठ ने रविवार को कहा कि प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी के सेवा, सुशासन और गरीब कल्याण के 11 वर्ष पूर्ण हुए हैं। उन्होंने कहा प्रधानमंत्री के नेतृत्व में इन 11 वर्षों में देश के हर क्षेत्र का सर्वांगीण विकास हुआ है। गरीब, किसान, महिला, नौजवान, विद्यार्थी सहित संपूर्ण परिवार के कल्याण और उत्थान के लिए मोदी सरकार ने कार्य किया है।

केंद्रीय रक्षा राज्य मंत्री सेठ रांची महानगर कार्यालय में सेवा सुशासन और गरीब कल्याण के 11 वर्ष पूर्ण होने पर रविवार को प्रेस वार्ता को संबोधित कर रहे थे।

उन्होंने कहा कि परिवार के साथ राष्ट्र की भी उत्तरोत्तर प्रगति हो, इस दिशा में प्रधानमंत्री के नेतृत्व में लंबी लकीर खींची गई है। इंफ्रास्ट्रक्चर के क्षेत्र में कई बड़े कार्य हुए हैं। रांची को भी मोदी सरकार ने अनेक उपलब्धियां दीं। चाहे रातू रोड का एलिवेटेड कॉरिडोर हो। चाहे रांची के आधा दर्जन रेलवे स्टेशनों का अमृत स्टेशन के तहत विकास, दर्जनों रेलवे अंडरपास और ओवर ब्रिज, वंदे भारत सहित कई नई ट्रेन, पूर्वी भारत का सबसे बड़ा पुस्तकालय की सौगात, भारतमाला परियोजना, रांची बोकारो एक्सप्रेस वे ऐसे कई कार्य हुए, जिससे झारखंड के विकास को नई गति प्रदान हुई है।

केंद्रीय मंत्री ने कहा कि झारखंड भी देश के विकास के साथ कदम से कदम मिलाकर चल रहा है। कल्पना से परे झारखंड के कई गांव मुख्य सड़कों से जुड़े। कई परिवारों को बिजली मिली। निश्शुल्क इलाज मिला। मुफ्त अनाज मिला। गरीबों को पक्के छत मिले। मोदी सरकार का कार्यकाल विकसित भारत की मजबूत नींव रखने वाला कार्यकाल है। साथ ही मोदी के 11 साल के उपलब्धियां की प्रदर्शनी भी लगाई गई, जिसका उद्घाटन केंद्रीय रक्षा राज्य मंत्री संजय सेठ और विधायक सी पी सिंह ने संयुक्त रूप से किया।

इस अवसर पर रांची महानगर के महामंत्री बलराम सिंह, जितेंद्र वर्मा प्रमुख रूप से मौजूद रहे।

विमान हादसे में मारे गये लोगों की याद में प्रार्थना करते लंदन के लोग

लंदन में इंटरनेशनल शक्ति सेंटर में लोग एयर इंडिया विमान हादसे में मारे गये लोगों की याद में प्रार्थना करते हुए।

भारी बारिश के कारण नेपाल के 35 जिलों में बाढ़ का अलर्ट जारी

काठमांडू ■ एजेंसी

नेपाल के मौसम विभाग ने 35 जिलों में बाढ़ का अलर्ट जारी किया है। राजधानी काठमांडू सहित देशभर में बीती रात से हो रही लगातार बारिश के बाद मौसम विभाग ने येलो अलर्ट जारी करते हुए लोगों से सतर्क रहने की अपील की है।

मौसम विभाग के मुताबिक नेपाल के धनकुटा, भोजपुर, उदयपुर, सिंधुली, खोटांग, ललितपुर, भक्तपुर, काभ्रे, लमजुंग, कास्की, पर्वत, बागलुंग, कैलाली और कंचनपुर में अगले 24 घंटे में भारी बारिश के साथ ही नदियों में बाढ़ आने की संभावना है। इन जिलों में रहने वाले लोगों से सतर्कता बरतने की अपील की गई है। इसी तरह अछाम, मोरंग, सुनसरी, धनुषा, काठमांडू, ओखलढुङ्गा, मकवानपुर, गुल्मी, पाल्पा, गोरखा, तनहुं, सल्यान, म्याग्दी, बझांग, डोटी, डडेलधुरा, बांके और बर्दिया सहित आसपास के जिलों में नदियों का जलस्तर खतरे के निशान से ऊपर आने के कारण सतर्कता बरतने की अपील की गई है। अगले 24 घंटे में नेपाल की प्रमुख नदियां कोसी, नारायणी, कर्णाली, महाकाली में जलस्तर के खतरे के निशान से ऊपर आने की चेतावनी भी दी गई है। इन नदियों के आसपास के जिलों में तटीय इलाके में रहने वाले लोगों को सावधानी बरतने और सुरक्षित स्थान पर जाने का सुझाव दिया गया है।

कांग्रेस जिला अध्यक्षों के सभी आवेदकों का पूरा ट्रैक रिकार्ड होगा चेक: बीवी श्रीनिवास

रोहतक ■ एजेंसी

संगठन सृजन अभियान के तहत रोहतक पहुंचे युवा कांग्रेस के पूर्व राष्ट्रीय अध्यक्ष बीवी श्रीनिवास ने कहा जिला अध्यक्ष को लेकर कांग्रेस कार्यकर्ताओं में जबरदस्त उत्साह है, अब तक उन्हें 30 आवेदन रोहतक शहरी और ग्रामीण से प्राप्त हुए हैं। उन्होंने कहा कि अध्यक्ष पद के लिए कांग्रेस ने जो मानदंड तय किए हैं उन्हीं के अनुसार कार्य पूरा होगा।

पूर्व राष्ट्रीय अध्यक्ष बीवी श्रीनिवास ने कहा अभी 20 जून तक वह रोहतक का दो बार दौरा और करेंगे। रविवार को कार्यकताओं की बैठक के दौरान उन्होंने कहा कि सभी कार्यकर्ताओं से वह निजी रूप से मिलने के लिए भी तैयार हैं। कार्यकर्ता चाहे तो उनसे फोन पर भी बात कर सकते हैं, श्रीनिवास ने अपना निजी फोन नंबर भी मंच के माध्यम से सार्वजनिक किया, उन्होंने कहा कि बहुत सारे कार्यकर्ता उनके दिल्ली स्थित आवास पर भी आकर उनसे मिले हैं। कांग्रेस में इस अभियान को लेकर जबरदस्त उत्साह है,

प्रधान पद के लिए लगातार आवेदनों की संख्या बढ़ रही है। उन्होंने कहा कि कांग्रेस की राष्ट्रीय अध्यक्ष मल्लिकार्जुन खड़गे एवं राहुल गांधी की सोच के अनुसार संगठन निर्माण का कार्य तेजी से शुरू हुआ है।

इसी महीने के अंत तक सभी लिस्ट फाइनल कर दी जाएंगी। इससे पहले कार्यकर्ताओं को संबोधित करते हुए विधायक भारत भूषण बत्तरा ने कहा कांग्रेस को बहुत लंबे समय से संगठन की आवश्यकता थी, यह इंतजार अब समाप्त होने जा रहा है। कांग्रेस का संगठन बनेगा और जिन्हें जो भी दायित्व मिलेगा सब उनका सहयोग करेंगे। बत्तरा ने कहा कि संगठनात्मक प्रक्रिया को आगे बढ़ाने के लिए जो भी प्रभारी कांग्रेस के रहे सभी ने अच्छा कार्य किया। इस अवसर पर विभिन्न कार्यकर्ताओं ने अपने आवेदन फॉर्म भर के पर्यवेक्षक बीवी श्रीनिवास को सौंपे। इस अवसर पर पर्यवेक्षक पूर्व विधायक बलबीर वाल्मीकि, बलजीत कौशिक, मनोज नाछर, संगठन महासचिव जयदीप धनखड़, पूर्व विधायक संत कुमार, चक्रवर्ती शर्मा, कांग्रेस डेलीगेट बलराज बल्ले, मोनू शर्मा, पार्षद विजय गोयल, महिला कांग्रेस अध्यक्ष निर्मल बल्हारा भी मौजूद रही।

पुतिन ने की इजरायल ईरान युद्ध रोकने की मांग, ट्रंप से भी हुई चर्चा

ईरान के खामेनेई ने कहा कि उनका देश बलपूर्वक जवाब देगा

मॉस्को ■ एजेंसी

मध्यस्थ देश ओमान ने इस बात की पुष्टि की है कि अमेरिका और ईरान के बीच इस सप्ताह के अंत में प्रस्तावित छठे दौर की परमाणु वार्ता को रद्द कर दिया गया है। वहीं, ब्रिटिश प्रधानमंत्री सर कीयर स्टारमर और ट्रंप दोनों ने इस बात पर सहमति जताई कि संकट का समाधान कूटनीति और संवाद के माध्यम से किया जाना चाहिए।

ईरान और इजरायल के बीच बढ़ते सैन्य संघर्ष के बीच अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप और रूसी राष्ट्रपति व्लादिमीर पुतिन ने फोन पर बातचीत कर इस बात पर सहमति जताई कि यह युद्ध अब समाप्त होना

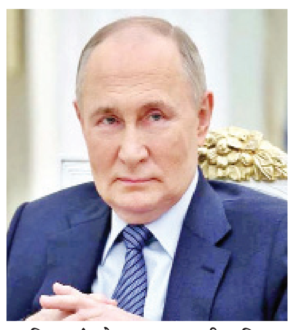

चाहिए। ट्रंप ने यह जानकारी शनिवार को ट्रुथ सोशल पर दी और बताया कि पुतिन ने उन्हें जन्मदिन की बधाई देने के साथ-साथ ईरान-इजरायल संकट पर लंबी बातचीत की। अमेरिकी राष्ट्रपति ने कहा, पुतिन ने मुझे फोन किया, उन्होंने जन्मदिन की शुभकामनाएं दीं। लेकिन इससे भी ज्यादा महत्वपूर्ण बात यह थी हम दोनों इस बात सहमत हुए कि यह युद्ध खत्म होनी चाहिए। आपको बता दें कि रूसी राष्ट्रपति खुद युक्रेन के खिलाफ करीब तीन वर्षों से युद्ध लड़ रहे हैं। भारत और अमेरिका सहित दुनिया के कई देशों ने उनसे युद्ध समाप्त करने की अपील की है इजरायल ने अपनी सैन्य कार्रवाई के तहत ईरान पर बड़े पैमाने पर हवाई हमले किए, जिनमें ईरानी रिवोल्यूशनरी गार्ड्स के प्रमुख जनरल हुसैन सलामी और सशस्त्र बलों के चीफ ऑफ स्टाफ जनरल मोहम्मद बाघेरी की मौत हो गई। प्रधानमंत्री बेंजामिन नेतन्याहू ने इन हमलों को ईरानी परमाणु खतरे को पीछे धकेलने की कार्रवाई बताया और दावा किया कि ईरान का परमाणु कार्यक्रम इस स्तर पर पहुंच चुका था कि वहां से वापस नहीं आया जा सकता था।

ईरान के सुप्रीम लीडर अयातुल्ला अली खामेनेई ने शुक्रवार को कहा कि उनका देश बलपूर्वक जवाब देगा और इसके बाद ईरान ने तेल अवीव सहित कई ठिकानों पर मिसाइल हमले किए।

विज्ञान एवं प्रौद्योगिकी के क्षेत्र में हुए बड़े नीतिगत बदलाव

अब विश्वविद्यालय आसानी से खरीद सकेंगे विशिष्ट शोध उपकरण : जितेंद्र सिंह

नई दिल्ली ■ एजेंसी

देश में नवाचार और अनुसंधान को बढ़ावा देने के उद्देश्य से केंद्र सरकार ने रविवार को विज्ञान एवं प्रौद्योगिकी क्षेत्र में कई बड़े नीतिगत बदलावों की घोषणा की। विज्ञान एवं प्रौद्योगिकी मंत्री डॉ. जितेंद्र सिंह ने राष्ट्रीय मीडिया केंद्र में प्रेस वार्ता के दौरान इन सुधारों की जानकारी दी। उन्होंने कहा कि इन निर्णयों से शोधकर्ताओं, वैज्ञानिकों और अकादमिक संस्थानों को लंबे समय से चली आ रही अड़चनों से राहत मिलेगी।

डॉ. सिंह ने बताया कि अब विश्वविद्यालयों के कुलपतियों और वैज्ञानिक संस्थानों के निदेशकों को यह

अधिकार होगा कि वे विशिष्ट शोध उपकरणों की गैर-जीईएम माध्यम से भी खरीद कर सकें। पहले केवल सरकारी ई-मार्केटप्लेस से खरीद की अनिवार्यता थी, भले ही वहां आवश्यक वस्तु उपलब्ध न हो। इसके अलावा, सामान्य वित्तीय नियमों में भी संशोधन किया गया है। अब प्रत्यक्ष खरीद की सीमा एक लाख रुपये से बढ़ाकर दो लाख रुपये कर दी गई है। विभागीय समितियों द्वारा की जाने वाली खरीद की सीमा एक लाख से दस लाख रुपये के स्थान पर अब दो लाख से पच्चीस लाख रुपये होगी। वहीं सीमित निविदा और खुली निविदा की सीमा पचास लाख रुपये से बढ़ाकर एक करोड़ रुपये कर दी गई है। संस्थानों के प्रमुख अब दो सौ करोड़ रुपये तक की वैश्विक निविदाएं भी स्वीकृत कर सकेंगे।

डॉ. सिंह ने कहा, हमने फाइलों के बोझ को कम करने का प्रयास किया है। यह विश्वास पर आधारित व्यवस्था है। उन्होंने यह भी स्पष्ट किया कि यह स्वतंत्रता जिम्मेदारी के साथ दी गई है और इसका उपयोग ईमानदारी से किया जाना चाहिए।

डॉ. जितेंद्र सिंह ने कहा कि इन नीतियों से देश की नवाचार क्षमता को मजबूती मिलेगी और अंतरराष्ट्रीय स्तर पर भारत की पहचान एक नवाचार-प्रेरित अर्थव्यवस्था के रूप में स्थापित होगी। उन्होंने यह भी कहा कि जैसे अंतरिक्ष और परमाणु क्षेत्र में उदारीकरण से सकारात्मक परिणाम सामने आए, वैसे ही अनुसंधान क्षेत्र में भी यह सुधार क्रांतिकारी सिद्ध होंगे। यह सुधार प्रधान वैज्ञानिक सलाहकार के कार्यालय द्वारा आयोजित विस्तृत विचार-विमर्श के बाद सामने आए हैं। देश के 13 आईआईटी और प्रमुख अनुसंधान संस्थानों की राय इन निर्णयों में शामिल की गई थी। प्रधानमंत्री की आर्थिक सलाहकार परिषद की एक हालिया रिपोर्ट और पीएसए कार्यालय की प्रस्तुति ने यह दिखाया कि पारदर्शिता सुनिश्चित करने के लिए बनाए गए नियम किस प्रकार अनुसंधान में बाधा बन रहे थे।

धर्मशाला। धर्मशाला के ट्रैकिंग स्थल त्रियुंड से लापता इजरायली नागरिक सैमुअल वेंगरिनोविच को एक सप्ताह बाद रविवार को थाथरी क्षेत्र में ढूंढ लिया गया है। राहत की खबर यह है कि वह पूरी तरह से सुरक्षित है। बीते एक सप्ताह से लापता सैमुअल रविवार को थाथरी में लोगों ने जंगल में एक झाड़ी के नीचे बैठा हुआ देखा। इसकी सूचना पुलिस को दी गई। इसके बाद पुलिस ने रेस्क्यू टीम के साथ सैमुअल का रेस्क्यू किया।

अखिल भारतीय अग्रवाल महासभा ने किया नर्मदांचल पत्रकार संघ के अध्यक्ष प्रफुल्ल तिवारी का सम्मान

अखिल भारतीय अग्रवाल महिला महासभा की प्रदेशाध्यक्ष बनने पर भारती भी हुईं सम्मानित

नर्मदापुरम, निप्र। शहर में रविवार को नेहरू पार्क में अखिल भारतीय अग्रवाल महासभा द्वारा नर्मदांचल पत्रकार संघ के नवनियुक्त अध्यक्ष और वरिष्ठ पत्रकार प्रफुल्ल तिवारी का शाल श्रीफल और मोमेंटो से सम्मान किया गया। इस मौके पर अखिल भारतीय अग्रवाल महिला महासभा की भारती अग्रवाल का प्रदेशाध्यक्ष बनने पर सम्मान हुआ। कार्यक्रम में सुरेश अग्रवाल सहित सभी सामाजिक लोगों ने फूल माला पहनाकर वरिष्ठ पत्रकार प्रफुल्ल तिवारी का सम्मान किया । इस मौके पर अखिल भारतीय अग्रवाल महिला महासभा प्रदेश अध्यक्ष भारती अग्रवाल ने कहा की समाज की बात रखने के लिए मीडिया एक अच्छा माध्यम होता है। सभी पत्रकार समाज को एक नई दिशा देते हैं। मीडिया का जीवन में बड़ा महत्व होता है। उन्होंने कहा कि आज हम वरिष्ठ पत्रकार प्रफुल्ल तिवारी का सम्मान कर उनके उज्जवल भविष्य की कामना करते हैं। वहीं वरिष्ठ पत्रकार श्री तिवारी ने कहा कि भारती अग्रवाल को अखिल भारतीय महिला महासभा की प्रदेश अध्यक्ष बनने पर शुभकामनाएं दीं । श्री तिवारी ने कहा कि अग्रवाल समाज एक अग्रणी समाज है । इस समाज की महिलाओं में हल्दी कुमकुम सहित अन्य सामाजिक और पारिवारिक कार्यक्रम शुरू किए। इसके साथ ही शहर में अनेक सराहनीय कार्य और तीज त्यौहार भी समाज द्वारा किए जाते हैं।

इस मौके पर सुरेश अग्रवाल, चंद्र प्रकाश , मनीष अग्रवाल , अजय , सत्यनारायण , दिनेश गोयल, उमंग अग्रवाल , हेमंत , अतुल, सीबी खरे , दयाराम फौजदार, गोविंद चौधरी, भारती अग्रवाल, अनीता गुप्ता ,शोभना गर्ग, संतोष अग्रवाल, कुसुम अग्रवाल, सरिता अग्रवाल, दीप्ति अग्रवाल, रीता अग्रवाल, अंजू अग्रवाल , नूतन अग्रवाल, रेखा अग्रवाल, सुधा अग्रवाल, राधा अग्रवाल , आशा अग्रवाल सहित अन्य सामाजिक लोग शामिल हुए।

धरती आबा जनजातीय उन्नत ग्राम अभियान

30 जून तक किया जाएगा जागरूकता एवं लाभ संतृप्ति शिविरों का आयोजन

नर्मदापुरम, निप्र। भारत सरकार के जनजातीय कार्य मंत्रालय द्वारा जनजातीय समुदायों के सर्वांगीण सशक्तिकरण हेतु प्रधानमंत्री जनजातीय न्याय महाअभियान एवं धरती आबा जनजातीय उन्नत ग्राम अभियान प्रारंभ किया गया है। इसके अंतर्गत आज से आरंभ होकर 30 जून 2025 तक जागरूकता एवं लाभ संतृप्ति शिविरों का आयोजन किया जा रहा है। इस अभियान का उद्देश्य जनजातीय हितग्राहियों तक व्यक्तिगत लाभकारी योजनाओं का अधिकतम लाभ पहुंचाना है। अभियान के अंतर्गत नर्मदापुरम जिले में जिला स्तरीय एवं ग्राम स्तर पर शिविरों का आयोजन किया जाएगा।

मुख्य विशेषताएँ: शिविरों का आयोजन ग्राम स्तर/ब्लॉक स्तर पर किया जाएगा जिससे अधिकारी सीधे जमीन स्तर पर पहुंच कर लाभ दिला सकें। लाभार्थियों को विभिन्न योजनाओं का लाभ एक ही स्थान पर उपलब्ध कराया जाएगा।

लाभार्थी निम्न योजनाओं का लाभ इन शिविरों के माध्यम से उठा सकेंगे: आयुष्मान भारत कार्ड, जाति प्रमाण पत्र, मूल निवास प्रमाण पत्र, हितग्राही प्रोफाइल पंजीयन, किसान क्रेडिट कार्ड, पीएम,किसान निधि, जनधन खाता, सामाजिक सुरक्षा पेंशन (वृद्धावस्था, विधवा, दिव्यांग), मातृत्व एवं पोषण योजना (एमपीएसवाई/ आईएसएसवाई), महिला सशक्तिकरण मुद्रा योजना, महिला एवं बाल कल्याण योजनाएं (आईसीडीएस, एमबीवीवाई, टीकाकरण) योजनाओं से संबंधित समस्याओं का समाधान किया जाएगा।

शिविरों का संचालन स्थानीय प्रशासन एवं विभागीय अधिकारियों की सक्रिय भागीदारी से किया जाएगा, ताकि लाभार्थियों को त्वरित और समुचित लाभ प्राप्त हो सके। शिविरों की समुचित योजना व क्षेत्र में व्यापक संपर्क सुनिश्चित करने के लिए समस्त मुख्य कार्यपालन अधिकारी, जनपद पंचायत को दायित्व सौंपे गए हैं।

नर्मदापुरम में संपन्न हुआ युवा साहित्यकार सम्मेलन

युवा सृष्टि-भारतीय दृष्टि सूत्र वाक्य के साथ हुआ संपन्न

नर्मदापुरम, निप्र। आज नर्मदापुरम के सांई कृष्णा रिजॉर्ट में रविवार को युवा सृष्टि-भारतीय दृष्टि सूत्र आधारित युवा साहित्यकार सम्मेलन आयोजित किया गया। जिसमें युवा साहित्यकारों को वक्ताओं ने राष्ट्र व स्वबोध की सीख दी। आयोजन अर्चना प्रकाशन भोपाल ने किया।

आयोजन प्रभारी प्रांशु राणे ने बताया कि रविवार सुबह 10 बजे उद्घाटन सत्र में हिंदी फिल्म 12 फ्ल्ड फेल के उपन्यासकार अनुराग पाठक मुख्य अतिथि व विशिष्ट अतिथि समाजसेवी कैलाशचंद थे। अध्यक्षता अर्चना प्रकाशन अध्यक्ष लाजपत आहूजा ने की। प्रांशु राणे द्वारा स्वागत उद्बोधन उपरांत कैलाशचंद ने कहा कि अनंत पहुंच के क्षमताधारी भारतीय युवा को देश में एक समय गलत फ्रेम में बांधा गया। उन्होंने श्रद्धा के चरम को समझाने के लिए स्वामी विवेकानंद व गुरू स्वामी परमहंस का प्रसंग सुनाया। अनुराग पाठक ने कहा कि यह सम्मेलन वरिष्ठ से कनिष्ठ पीढ़ी में भारतीय मूल्य हस्तांतरण का माध्यम है। उन्होंने कहा कि बाबा तुलसीदास में भारतीय दर्शन के स्व-भाव ने रामचरितमानस को भारतीय संस्कृति का सिद्ध दस्तावेज बनाया। साहित्यकारों की पुस्तकों के विमोचन उपरांत अर्चना प्रकाशन अध्यक्ष लाजपत आहूजा ने कहा कि भारतीय दृष्टि असहमति को भी स्थान देती है। उन्होंने कहा कि अच्छा पाठक ही अच्छा लेखक हो सकता है।

द्वितीय सत्र में जगाया स्व का बोध: द्वितीय सत्र में रश्मि सावंत मुख्य अतिथि, रक्षा दुबे विशिष्ट अतिथि तथा मनोज जोशी अध्यक्ष रहे। रश्मि सावंत ने कहा कि युवाजन भारतीय संस्कृति की परिपक्वता को नए शब्दों में परिभाषित करने के लिए लिखें। रक्षा दुबे ने कहा कि किसी दूसरे धर्म में सुविधाओं के साथ जीने की अपेक्षा हमारा अपने धर्म में मरना श्रेयस्कर है, क्योंकि पहचान बनाए रखने के लिए डटे रहना स्व बोध है। मनोज जोशी ने कहा कि 15 जून 1947 को भारत के विभाजन का प्रस्ताव स्वीकार किया

ग्राम राजौन के कृषक मिश्रा का निधन

माखन नगर, निप्र। नगर के समीपस्थ ग्राम राजौन के कृषक अनंत किशोर मिश्रा का आकस्मिक में निधन हो गया । ग्राम में ही उनका अंतिम संस्कार किया गया। स्व अनंत किशोर मिश्रा कृषक के साथ-साथ एक प्रखर समाज सेवी भी थे। वे मिलनसार और सरल थे। उनके निधन से ग्राम राजौन में शोक व्याप्त है। उनके अंतिम संस्कार में भारी संख्या में ग्रामीण , सामाजिक, राजनीतिक लोग शामिल हुए। इसके साथ ही स्व. मिश्रा को 2 मिनट का मौन रख श्रद्धांजलि देकर उनकी आत्मा की शांति की कामना की।

नपा टीम ने पाइप लाइन जोड़ी, शुरू हुई पेयजल सप्लाई

नाले की सफाई के दौरान फूट गई थी पाइप लाइन

नर्मदापुरम/ आनंद नगर स्थित आदमगढ़ पुलिया के पास विगत दिनों नाला सफाई के दौरान टूटी पेयजल सप्लाई पाइप लाइन को नगरपालिका की टीम द्वारा बहाल कर दी गई है। पाइप लाइन फूटने से समूचा रसूलिया क्षेत्र प्रभावित हो गया था। नगरपालिका टीम के अथक प्रयासों से पेयजल सप्लाई शुरू होने से आमजन को राहत मिली है। पेयजल सप्लाई सुचारू होने पर क्षेत्रवासियों ने नपाध्यक्ष नीतू महेंद्र यादव का आभार व्यक्त किया है।

जल शाखा प्रभारी आयुषी रिछारिया ने बताया कि नगरपालिका अध्यक्ष नीतू महेंद्र यादव एवं मुख्य नगरपालिका अधिकारी हेमेश्वरी पटले के विशेष निर्देश पर नगर में पेयजल सप्लाई निर्बाध रूप से की जा रही है। विगत दिनों नाले की सफाई के दौरान 300 एमएम की पेयजल सप्लाई डेमेज हो गई थी। जानकारी लगते ही तकनीकी टीम को सक्रिय कर पेयजल पाइप लाइन के आसपास खुदाई कराई गई जिसके बाद ही पेयजल सप्लाई की मरम्मत हो सकी। पेयजल सप्लाई शुरू कर दी है जैसे ही रसूलिया, फेफरताल, ग्वालटोली क्षेत्र की टंकी भराती है तो तत्काल पेयजल घरों में पहुंच जाएगा। प्रभावित क्षेत्रों में टैंकर्स की मदद से पेयजल सप्लाई निरंतर की जा रही थी।

115 हितग्राही मूलक तथा 16 सामुदायिक मनरेगा कार्यों का सामाजिक अंकेक्षण आज से

पिपरिया, निप्र। महात्मा गांधी राष्ट्रीय ग्रामीण रोजगार गारंटी योजना अंतर्गत वित्तीय वर्ष 2024 - 2025 1 अप्रैल 2024 से 31 मार्च 2025 तक की अवधि में कराए गए मनरेगा कार्यों का एवं वर्ष 2022-23 एवं 23- 24 एक अप्रैल दो हजार बाईस से 31 मार्च दो हजार चोबीस तक की अवधि में मध्य प्रदेश भवन एवं अन्य संनिर्माण कर्मकार कल्याण मंडल की अनुग्रह सहायता एवं आयुष्मान भारत योजना के लाभांवित हितग्राहियों का भौतिक मौखिक एवं दस्तावेजी सत्यापन का कार्य संचालक मध्य प्रदेश स्टेट सामाजिक सम परीक्षा समिति पंचायत एवं ग्रामीण विकास विभाग के निर्देशअनुसार कलेक्टर सोनिया मीना एवं मुख्य कार्यपालन अधिकारी जिला पंचायत टी प्रतीक राव के आदेश अनुसार मध्य प्रदेश पंचायत एवं ग्राम स्वराज अधिनियम 1993 की धारा छह एक के अंतर्गत निहित प्रवधानों के तहत जिला समन्वयक सामाजिक अंकेक्षण राजेश ठाकुर के मार्गदर्शन में विकासखंड की ग्राम पंचायत बमोरीकला खैरीकला पनारी समनापुर एवं डापका में आज से प्रारंभ होगा ।

सामाजिक अंकेक्षण त्रिस्तरीय सत्यापन का कार्य विकासखंड के लिए चयनित ग्राम सामाजिक एनिमेटर एवं ग्राम संपरीक्षा समिति के द्वारा संयुक्त रूप से भौतिक मौखिक एवं दस्तावेजी सत्यापन का कार्य संपादित होगा। कलेक्टर सुश्री सोनिया मीणा ने सामाजिक अंकेक्षण कार्य के लिए कैलेंडर जारी कर ग्राम सामाजिक एनिमेटर को कैलेंडर अनुसार ग्राम पंचायत में उपस्थित होकर सामाजिक अंकेक्षण त्रिस्तरीय सत्यापन का कार्य किए जाने के निर्देश जारी किए हैं सामाजिक अंकेक्षण का कार्य मुख्य कार्यपालन अधिकारी श्रीमती सुमन खातरकर के निर्देशन में विकासखंड समन्वयक राजेश कुमार ग्यारसे के मार्गदर्शन में संपादित किया जाएगा सामाजिक अंकेक्षण कार्य के लिए पांच ग्रुप बनाए गए हैं ग्रुप में श्रीमती गीता मेहरा ,बृजेश मेहरा,श्रीमती अनीता विश्वकर्मा ग्राम संपरीक्षा समिति के साथ गांव में उपस्थित होकर संपादित करेंगे।

पचमढ़ी में आज रक्षा मंत्री राजनाथ सिंह आएंगे

नर्मदापुरम, निप्र। जिला दंडाधिकारी ने रक्षा मंत्री राजनाथ सिंह के पचमढ़ी दौरे को देखते हुए सुरक्षा आदेश जारी किए हैं। 15 से 16 जून तक पचमढ़ी में ड्रोन कैमरे के उपयोग पर प्रतिबंध रहेगा। तहसीलदार वैभव बैरागी ने बताया कि वरिष्ठ मंत्रियों और अतिथियों की सुरक्षा को ध्यान में रखते हुए यह निर्णय लिया गया है। पचमढ़ी क्षेत्र में किसी भी आकार, प्रकार और वजन के ड्रोन, पैराग्लाइडर, यूएवी का संचालन नहीं किया जा सकेगा। प्रशासन ने चेतावनी दी है कि नियमों का उल्लंघन करने पर कार्रवाई की जाएगी। संदिग्ध ड्रोन को नष्ट या जब्त किया जाएगा। साथ ही संचालनकर्ता और मालिक के खिलाफ ड्रोन रूल- 2021 के तहत केस दर्ज किया जाएगा। यह आदेश तत्काल प्रभाव से लागू हो गया है।

इटारसी से नर्मदापुरम आए 3 दोस्तों में से 2 डूबे नर्मदा नदी के विवेकानंद घाट पर नहाते समय हुआ हादसा

नर्मदापुरम, निप्र। इटारसी से नर्मदा स्नान करने नर्मदापुरम आए 3 दोस्तों में से 2 गहरे पानी में डूब गए। हादसा रविवार शाम करीब 5 बजे विवेकानंद घाट पर हुआ। डूबने वालों में एक 17 साल का नाबालिग और दूसरा 20 साल का युवक है। घटना का लाइव वीडियो भी सामने आया है, जिसमें दोनों युवक डूबते दिख रहे हैं।

घटना की सूचना पर कोतवाली थाना प्रभारी सौरभ पांडे और होम गार्ड्स की टीम मौके पर पहुंची और रेस्क्यू ऑपरेशन शुरू किया।

3 दोस्त नहाने आए थे, 2 गहरे पानी में समा गए पुलिस के मुताबिक, इटारसी निवासी दिलखुश ठाकुर (20), यश मेहरा (17) और कृष्णा ठाकुर (17) रविवार को नर्मदा स्नान के लिए विवेकानंद घाट आए थे। नहाते-नहाते दिलखुश और यश घाट पर लगी सुरक्षा चेन पार कर गहरे पानी में चले गए। कुछ देर बाद दोनों पानी में डूबने लगे।

घाट पर मौजूद एक व्यक्ति ने इस हादसे का वीडियो बना लिया। फिलहाल पुलिस और होमगार्ड्स की टीम रेस्क्यू कर रही है। टीआई सौरभ पांडे ने बताया कि यश मेहरा और दिलखुश ठाकुर की तलाश जारी है।

केंद्रीय कृषि मंत्री शिवराज सिंह चौहान बुदनी पहुंचे जनसंवाद कार्यक्रम में हुए शामिल

सात सौ करोड़ की लागत से बन रहे मेडिकल कॉलेज का भी किया निरीक्षण

बुदनी, बसंत मांझी। केंद्रीय कृषि मंत्री ओर विदिशा संसदीय लोकसभा क्षेत्र वर्तमान सांसद शिवराज सिंह चौहान रविवार को बुदनी के नज़दीक ग्राम तालपुरा में जनसंवाद कार्यक्रम में शामिल हुए इस दौरान कार्यक्रम में मोजूद भाजपा नेता ओर कार्यकर्ताओं ने शिवराज सिंह चौहान का स्वागत किया। इस दौरन लकडी का हल भी किसानो ने भेट किया मेडिकल कॉलेज बुदनी में निरीक्षण किया और कहा बुदनी की तस्वीर बदल रही है बुधनी में कम राय स्कूल सैनिक स्कूल और आईटीआई कॉलेज है पीने के पानी की बेहतर व्यवस्था है मेडिकल कॉलेज 700 करोड़ की लागत से बन रहा है उन्होंने 750 बेड का अस्पताल बन रहा है जिस से नर्मदा पुरम सहित उसके आसपास के जिलों को लाभ मिलेगा श्री चौहान ने विभाग और एजेंसी को भी बधाई 80 फ़ीसदी मेडिकल हॉस्पिटल का काम पूरा होने पर भी बधाई बुदनी मेडिकल कॉलेज जून 2026 तक पूरा कंप्लीट हो जाएगा

जंगलचट्टी के पास मलबा पत्थर गिरने से रास्ता खराब , सोनप्रयाग से केदारनाथ की यात्रा रोकी गई

रुद्रप्रयाग, निप्र। सोनप्रयाग से केदारनाथ धाम जाने वाले मार्ग पर अग्रिम आदेशों तक के लिए आवाजाही रोक दी गई है। बारिश के बाद आज केदारनाथ धाम पैदल मार्ग पर भारी संख्या में पत्थर गिरे हैं। वहीं, जंगलचट्टी के पास मार्ग पर बोल्डर गिरने से मार्ग क्षतिग्रस्त हो गया है। सोनप्रयाग से केदारनाथ धाम जाने वाले मार्ग पर अग्रिम आदेशों तक के लिए आवाजाही रोक दी गई है। वहीं पैदल मार्ग पर जो भी श्रद्धालु गए हैं उनसे भी सुरक्षित जगहों पर रुकने की अपील की गई है।

एमजीएम कॉलेज के 8 एनसीसी कैडेट्स का चयन

मनाली, धर्मशाला और अमरकंटक में राष्ट्रीय ट्रैकिंग कैंप में जाएंगे

इटारसी, निप्र। इटारसी के शासकीय महात्मा गांधी महाविद्यालय के एनसीसी इकाई से 8 कैडेट्स को राष्ट्रीय स्तर के ट्रैकिंग कैंप में जाने का मौका मिला है। ये सभी कैडेट्स 13 एमपी एनसीसी बटालियन नर्मदापुरम से जुड़े हैं।

एनसीसी ऑफिसर डॉ मनीष चौरे ने बताया मनाली में होने वाले बीएमसी कैंप में सीनियर अंडर ऑफिसर प्रियांशु शर्मा भाग लेने गई है। कैडेट स्नेहा चौरे धर्मशाला के ऑल इंडिया ट्रैकिंग कैंप में हिस्सा लिया था।

अमरकंटक में दो बैच में कैंप होगा। पहले बैच में जूनियर अंडर ऑफिसर अनुज यादव और कैडेट उमंग यादव ने प्रशिक्षण लिया है।

दूसरे बैच में जूनियर अंडर ऑफिसर मयंक कनोजिया, कैडेट अमन मनवारे और कैडेट काजल केवट 17 से 24 जून तक चलेगा। सीनियर अंडर ऑफिसर मुस्कान राजपूत 17 से 25 जून तक इसी कैंप में रहेंगी।

कॉलेज के प्राचार्य डॉ. राकेश मेहता समेत डॉ रश्मि तिवारी, डॉ वी.के. कृष्ण, एनसीसी ऑफिसर डॉ मनीष चौरे, स्पोर्ट्स अधिकारी संजीव कैथवास, डॉ दिनेश कुमार, डॉ आशुतोष मालवीय और सूबेदार रामअवतार ने कैडेट्स को शुभकामनाएं दी हैं।

सप्तक मित्र समूह के संयोजन में हुआ यादगार समारोह

डॉ विनोद निगम के द्वितीय पुण्य स्मरण समारोह में जुटे साहित्यकार, और वरिष्ठ नागरिक

डॉ निगम ने नवगीतों के माध्यम से गांवों की सुंगध बिखेरी है सीधे सरल शब्दों में गहरी बात कहते थे- डॉ सुरेश

नर्मदापुरम, निप्र। नर्मदांचल के प्रसिद्ध नवगीतकार स्व. डॉ विनोद निगम की द्वितीय पुण्यतिथि पर 'गीतों के गांव चले आए' कार्यक्रम में प्रसिद्ध गीतकार डॉ सुरेश लखनऊ, के मुख्यातिथ्य पूर्व विधायक गिरजाशंकर शर्मा की अध्यक्षता एवं देश के वरिष्ठ साहित्यकार मप्र हिन्दी साहित्य सम्मेलन के अध्यक्ष पलाश सुरजन, पूर्व जिला पंचायत अध्यक्ष भवानी शंकर शर्मा के विशिष्ठ आतिथ्य में एनईएस कालेज के सभागार में समारोह आयोजित हुआ। डॉ विनोद निगम के गीत का संगीतमय गायन डॉ नमन तिवारी ने किया। साहित्यकार डॉ कृष्ण गोपाल मिश्र ने डा विनोद निगम की कविताओ की समीक्षाओं के साथ काव्य पाठ , गीत यात्रा में निरंतर डॉ विनोद निगम पर अपने विचार व्यक्त किए, साहित्यकार डॉ सुरेश व अशोक जमनानी ने डॉ निगम की कविता पर अपने विचार व्यक्त किए। गत वर्ष की भांति मुख्यअतिथि द्वारा एम हिन्दी गृह विज्ञान महाविद्यालय में सर्वोच्च् अंक प्राप्त करने वाली छात्रा वर्षा पुरोहित का गोल्ड मेडल व प्रमाण पत्र से सम्मान किया गया।

मुख्य अतिथि डॉ सुरेश ने कहा कि डॉ विनोद निगम का व्यक्तित्व विराट था। उनसे कई तरह की सीख मिलती थी। शहरों में रहते हुए गांवों की यात्रा से उनका विशेष लगाव था। उन्होंने नवगीतों के माध्यम से गांवों की सुंगध बिखेरी है। सीधे सरल शब्दों में गहरी बात कहते थे। अशोक जमनानी ने कहा कि उनके गीत के बोल अच्छा लगता है वास्तव उनकी स्मृति में ऐसे आयोजन होना अच्छा लगता है। डॉ निगम ने गीतों में शब्दों के जो प्रयोग किए हैं उनके गहरे अर्थ हैं। पं भवानी शंकर शर्मा एवं पं गिरजा शंकर शर्मा ने डॉ निगम के व्यक्तित्व व कृतित्व पर प्रकाश डालते हुए कहा कि उनके गीतों में विशेष संदेश है। कार्यक्रम समन्वयक वरिष्ठ साहित्यकार सुरेश उपाध्याय ने डॉ निगम के गीतों और उनके व्यवहार के संबंध में अपने अनुभव साझा किए।

कार्यक्रम की सूत्रधार डॉ हंसा व्यास के संचालन के साथ ही सहभागी सप्तक मित्र समूह के रमेश गर्गव, गोपीकांत घोष, राजकिशोर दीक्षित, खेमचंद्र यादवेश व कमलेश सक्सेना, अरूण शर्मा का विशेष सहयोग रहा। डॉ निगम के अनेक मित्रगण बीमारी हालत के बावजूद कार्यक्रम में शामिल हुए।

आभार प्रदर्शन संजय गार्गव ने किया

इस अवसर पर डॉ निगम के परिजन प्रियजन मित्रगण, के साथ ही रघुराज सिंह, वरिष्ठ अधिवक्ता एसएस ठाकुर, राकेश फौजदार, आशा उपाध्याय, रश्मि दीक्षित, रामसेवक शर्मा, महेश मूलचंदानी, बलराम शर्मा, तुकाराम यादवेश , खिलावन चंद्राकर,सहित अनेक लोग शामिल रहे। आभार प्रदर्शन संजय गार्गव ने किया।

प्लेन हादसे में जान गंवाने वालों को दी श्रद्धांजलि

निरंतर चलने वाले अभियान सफल होते हैं, मां नर्मदा जीवनदायनी: वरिष्ठ अधिकारी विजय वर्मा

नर्मदापुरम, निप्र। शहर में अखिल भारतीय कायस्थ समाज मातृशक्ति ने चित्रगुप्त घाट पर स्वच्छता अभियान चलाया। इसके पहले अहमदाबाद में हुए प्लेन क्रैश हादसे में जान गंवाने वालों के लिए चित्रगुप्त घाट पर लोगों ने 2 मिनट का मौन रखकर श्रद्धांजलि अर्पित दी । अखिल भारतीय कायस्थ समाज मातृशक्ति ने पत्रकार स्व. धर्मेंद्र चौबे को 2 मिनट का मौन रखकर श्रद्धांजलि अर्पित की। अखिल भारतीय कायस्थ समाज मातृ शक्ति द्वारा चित्रगुप्त घाट पर स्वच्छता अभियान चलाया गया। इस मौके पर वरिष्ठ सेवानिवृत अधिकारी विजय वर्मा ने कहा कि अभियान निरंतर चलते रहना चाहिए। मां नर्मदा हमारी जीवन दायिनी है । इस अभियान में घाट के किनारे और घाट पर पड़े कचरे को उठाकर डस्टबिन में डाला गया। नदी के किनारे की जमीन को भी साफ किया गया। इस अवसर पर सेंट्रल बैंक के वरिष्ठ सेवानिवृत अधिकारी विजय वर्मा ,समाजसेवी मंजू श्रीवास्तव, राकेश श्रीवास्तव , जिला अध्यक्ष ज्योति वर्मा, प्रीती खरे, सुमन वर्मा, रश्मि सक्सैना, नगर पालिका उपाध्यक्ष अभय वर्मा , लालता प्रसाद सहित अनेक लोग मौजूद थे।

प्रकाशक, मुद्रक एवं स्वामी डी.पी.गोयल द्वारा प्रभा काम्पलेक्स के पास, मीनाक्षी चौक, आई.टी.आई. रोड, होशंगाबाद से प्रकाशित तथा श्री बालाजी प्रिन्टर्स, 21-एच, इंडस्ट्रीयल एरिया, गोविन्दपुरा, भोपाल- 462023 (म.प्र.) से मुद्रित। संपादक- डी.पी.गोयल। मो.9827054436 भोपाल कार्यालय : 4240007.
डाक पंजीयन - MP/HSD04/2023-2025 व्यवस्थापक- डी.सी. पारे, मो. 8878623331 Email: amritdarshan@yahoo.com (सभी विवादों का न्यायिक क्षेत्र भोपाल रहेगा ।)।